मध्यप्रदेश का सबसे तेज बढ़ता सांध्य दैनिक

अमृत दर्शन

RNI NO. 50259/90
वर्ष : 36
अंक : 46
भोपाल, बुधवार
02 अप्रैल 2025
पृष्ठ : 8 मूल्य : 1रु.

03 न्यायालयों की फटकार के बाद भी अफसर नहीं आ रहे बाज

www.amritdarshan.com
Email : amritdarshan@yahoo.com

भोपाल, नर्मदापुरम एवं रायसेन से एक साथ प्रकाशित

भोपाल में वक्फ बिल के समर्थन

महिलाओं ने भी पीएम मोदी को कहा शुक्रिया

भोपाल ■ अमृत दर्शन

राजधानी भोपाल में वक्फ बिल 2024 को लेकर मुस्लिम समाज में खुशी का माहौल देखा जा रहा है। हताई खेड़ा डैम के पास आनंदपुरा कोकता में मुस्लिम समुदाय ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का आभार व्यक्त करते हुए सड़कों पर उतरे। महिलाएं भी इस अवसर पर पोस्टर और फूल लेकर पीएम मोदी का धन्यवाद करती नजर आईं।

केंद्रीय मंत्री किरेन रिजिजू ने लोकसभा में वक्फ संशोधन बिल पेश किया

आज से वक्फ खत्म... टाटा... बाय...बाय !

केंद्रीय मंत्री बोले-

वक्फ बिल का विरोध करने वाले सदियों तक याद रखे जाएंगे, वक्फ से आमदनी की जाती तो कितना फायदा होता

- चर्चा के बाद इस पर वोटिंग की जाएगी, सरकार के पास बहुमत
- बीजेपी, कांग्रेस और उनके सहयोगी दलों ने भी अपने सभी सांसदों को 2 और 3 अप्रैल को सदन में उपस्थित रहने के लिए व्हिप जारी किया है।
- बीजेपी की तरफ से वक्फ बिल पर जगदंबिका पाल अनुराग ठाकुर निशिकांत दुबे, अभीजित गंगोपाध्याय, कमलजीत सहरावत, तेजस्वी सूर्या और रविशंकर प्रसाद चर्चा में शामिल
- कांग्रेस की ओर से गौरव गोगाई सबसे पहले वक्फ बिल के विरोध में बोलेंगे

नई दिल्ली ■ एजेंसी

देशभर के वक्फ बोर्डों में जवाबदेही व पारदर्शिता सुनिश्चित करने के लिए वक्फ संशोधन विधेयक आज लोकसभा में पेश किया गया। केंद्रीय मंत्री किरेन रिजिजू ने यह विधेयक पेश किया। विधेयक पेश होते ही विपक्ष ने इसका विरोध शुरू कर दिया। कांग्रेस ने आरोप लगाया कि उन्हें विधेयक की प्रति देर से मिली और उन्हें विधेयक की समीक्षा के लिए पर्याप्त समय नहीं दिया गया।

रिजिजू ने कहा कि दुनिया का सबसे बड़ी वक्फ संपत्ति भारत में है। ऐसा कहा जाता है कि भारत में रेलवे और रक्षा क्षेत्र के बाद तीसरी सबसे ज्यादा जमीन वक्फ बोर्ड के पास है, लेकिन रेलवे और रक्षा क्षेत्र की संपत्ति देश की संपत्ति है, जबकि वक्फ बोर्ड की संपत्ति निजी संपत्ति है। वक्फ बोर्ड के पास लाखों एकड़ जमीन और लाखों करोड़ की संपत्ति है तो देश के गरीब मुसलमानों के लिए इसका इस्तेमाल क्यों नहीं किया जा रहा है? केंद्रीय मंत्री किरेन रिजिजू ने वक्फ संशोधन विधेयक पर चर्चा के दौरान कहा कि साल 2013 में यूपीए सरकार ने वक्फ बोर्ड को ऐसा अधिकार दिया कि वक्फ बोर्ड के आदेश को किसी सिविल अदालत में चुनौती नहीं दी जा सकती। वक्फ के किसी आदेश को चुनौती नहीं दी जा सकती थी। रिजिजू ने कहा कि अगर यूपीए सरकार सत्ता में होती तो संसद इमारत, एयरपोर्ट समेत पता नहीं कितनी इमारतों को वक्फ संपत्ति घोषित कर दिया जाता क्योंकि इन पर भी दावा किया जा रहा था। केंद्रीय मंत्री ने साफ किया कि वक्फ संशोधन विधेयक से सरकार धार्मिक मामलों में कोई हस्तक्षेप नहीं करेगी, ये विधेयक सिर्फ संपत्ति के प्रबंधन का मामला है। उन्होंने विपक्ष पर जनता को गुमराह करने का आरोप लगाया।

वक्फ बिल पेशी से पहले इंडिया ब्लॉक की बैठक

वक्फ बिल पेशी से पहले सत्ता पक्ष और विपक्ष दोनों ओर बड़ी हलचल देखने को मिली। जहां एक तरफ किरेन रिजीजू ने सुबह 10 बजे बीजेपी की व्हिप मीटिंग की। इस बैठक में सभी सांसदों की उपस्थिति को बिल के पेश होने से लेकर वोटिंग तक सुनिश्चित करने को कहा है। वहीं, लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने वक्फ बोर्ड बिल पेश होने से पहले सांसदों के साथ बैठक की। इस बिल के विरोध में रणनीति तय की गई।

केसी वेणुगोपाल ने किया विरोध

कांग्रेस सांसद केसी वेणुगोपाल ने लोकसभा में वक्फ संशोधन विधेयक पेश किए जाने का विरोध किया और कहा कि ये लेजिस्लेचर को बुल्डोज करने जैसा है। उन्होंने सदस्यों के संशोधन प्रस्ताव का मुद्दा उठाया। इस पर स्पीकर ओम बिरला ने कहा कि जितना समय सरकारी संशोधनों को दिया है, उतना ही समय गैर सरकारी संशोधनों को भी दिया है। दोनों में कोई अंतर नहीं किया गया है।

तो ये संसद भवन भी वक्फ प्रॉपर्टी होता- रिजिजू

किरेन रिजिजू ने कहा कि 2013 में दिल्ली वक्फ बोर्ड ने पार्लियामेंट की जो बिल्डिंग है, उसे भी वक्फ प्रॉपर्टी घोषित कर दिया। यूपीए की सरकार ने इसे डिनोटिफाई भी कर दिया। अगम नरेंद्र मोदी की सरकार नहीं होती, हम संशोधन नहीं लाते तो जिस जगह हम बैठे हैं, वह भी वक्फ की संपत्ति होती. यूपीए की सरकार होती तो पता नहीं कितनी संपत्तियां डिनोटिफाई होतीं। कुछ भी अपने मन से नहीं बोल रहा हूं। ये सब रिकॉर्ड की बात है। रिजिजू की इस बात पर विपक्ष ने हंगामा शुरू कर दिया।

हमारी कमेटियां कांग्रेस जैसी नहीं- अमित शाह

गृह मंत्री अमित शाह ने कहा कि जो पॉइंट ऑफ ऑर्डर उठाया है। भारत सरकार की कैबिनेट ने एक बिल अप्रूव करके सदन के सामने रखा। सदन की ओर से ये बिल जेपीसी को दिया गया। कमेटी ने सुविचारित रूप से अपना मत प्रकट किया। वह मत फिर से कैबिनेट के सामने गया। कमेटी के सुझाव कैबिनेट ने स्वीकार किए और संशोधन के रूप में किरेन रिजिजू लेकर आए हैं। अगर ये कैबिनेट के अप्रूवल के बगैर आता तो पॉइंट ऑफ ऑर्डर रेज कर सकते थे।

पटाखा फैक्ट्री हादसा: देवास और हरदा में मातम

10 मजदूरों के शव गुजरात से मप्र रवाना, हरदा-देवास के 21 लोगों की मौत

हरदा ■ अमृत दर्शन

गुजरात में कल एक पटाखा फैक्ट्री में आग लगने से मप्र के 21 मजदूरों मौत हो गई। उनके शव आज मध्यप्रदेश लाए जाएंगे। धमाका इतना भीषण था कि कई मजदूरों के अंग 50 मीटर दूर तक बिखर गए। फैक्ट्री के पीछे खेत में भी कुछ मानव अंग मिले हैं। 3 मजदूरों की हालत गंभीर है, 5 मामूली रूप से घायल हैं। हादसा मंगलवार सुबह 8 बजे बनासकांठा के नजदीक डीसा में हुआ। सभी मजदूर हरदा और देवास जिले के रहने वाले थे। शव लेने पुलिस-प्रशासन टीम के साथ अनुसूचित जाति कल्याण मंत्री नागर सिंह भी गुजरात गए हैं। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के निर्देशानुसार नागर सिंह ने गुजरात के बनासकांठा पहुंचकर मध्यप्रदेश के घायल मजदूरों के हाल चाल जाने। बुधवार सुबह उन्होंने बताया कि देवास के 10 मजदूरों के शव उनके पैतृक गांव के लिए रवाना किए जा चुके हैं। बाकी शव भी पोस्टमॉर्टम के बाद भेजे जाएंगे। देवास जिले में स्थित खातेगांव के रहने वाले 10 मजदूर भी शामिल हैं। घटना के बाद से ही परिवार में मातम पसरा हुआ है।

जानकारी के अनुसार, घटना के समय मजदूर फैक्ट्री के अंदर काम कर रहे थे। तभी अचानक फैक्ट्री में जोरदार विस्फोट हुआ। इसमें बाद आग लग गई। घटना में खातेगांव के संदलपुर के निवासी 10 मजदूर दर्दनाक मौत हो गई। इसमें 5 साल से लेकर 11 साल तक के 4 मासूम बच्चे भी शामिल हैं।

नेमावर में शाम को अंतिम संस्कार

खातेगांव एसडीएम प्रिया चंद्रावत, तहसीलदार अरविंद दिवाकर, टीआई विक्रांत झांझोट पीड़ित परिवारों से मिलने बुधवार सुबह एक बार फिर पहुंचे। आज नेमावर में शाम को अंतिम संस्कार होना है। परिजनों ने आग्रह किया है कि शवों को आखिरी बार देखने के लिए गांव लाया जाए। उसके बाद अंतिम संस्कार के लिए नेमावर ले जाएं। अधिकारियों का कहना है कि शव क्षत-विक्षत हालत में हैं। परिजनों से बातचीत के बाद तय हुआ कि एंबुलेंस में ही अंतिम दर्शन करवाकर शवों को सीधे नेमावर घाट पर ले जाया जाएगा

केदारनाथ यात्रा से पहले बड़ा खतरा!

12 खच्चरों में मिला खतरनाक वायरस, प्रशासन ने किया क्वारंटीन

रुद्रप्रयाग। उत्तराखंड के रुद्रप्रयाग जिले में केदारनाथ यात्रा से पहले 12 खच्चरों मे एच3एन8 इन्फ्लूएंजा वायरस पाया गया है। यह वायरस खच्चरों की नियमित मेडिकल जांच के दौरान सामने आया, जिसमें 300 खच्चरों के सैंपल लिए गए थे। वायरस की पुष्टि होने के बाद खच्चरों को क्वारंटीन में रखा गया है। स्वास्थ्य विभाग और प्रशासन इस स्थिति पर पैनी नजर बनाए हुए हैं।

अंतर्मना उवाच

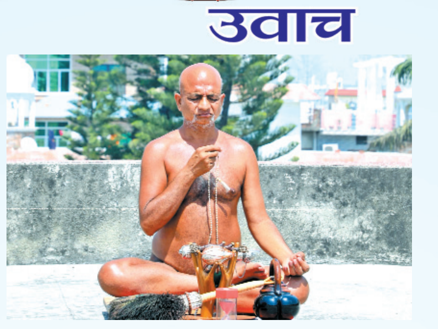

इंटरनेशनल स्कूल हल्दु चौड, जिला नैनीताल, उत्तराखंड में प्रकृति के समक्ष 36 डिग्री में प्रतिदिन की भांति खुले आसमान के नीचे भरी दोपहरी में तपोशिरोमणि अंतर्मना आचार्य श्री 108 प्रसन्नसागर जी महाराज दोपहर की सामयिक करते हुए...

जब तक आप सफल हैं, तब तक कोई भी आप में बुराई ढूंढने की हिम्मत नहीं कर सकता है..!

सफल लोग निराशा से उबरकर आगे बढ़ते हैं। असफल लोग या तो लक्ष्य का पीछा छोड़ देते हैं या पीछे हट जाते हैं। **अपनी ज़िन्दगी और सोच को बदलने का सबसे अच्छा तरीका है असफलताओं से निपटने की पूर्व तैयारी करना।** मानसिक रूप से खुद को निराशा की स्थिति में तुरंत उठ खड़े होने के लिए तैयार रखना चाहिए। हमेशा उच्चतर और बेहतर करने-बनने की इच्छा मन में रखनी चाहिए। जब श्रेष्ठ और बेहतर करने की दिशा में हम आगे बढ़ने लगते हैं, तो खराब और बुरी आदतें अपने आप दूर हो जाती है।

एक बात हमेशा ध्यान रखना बाबू -- ज़िन्दगी में हम कितने ही आगे निकल जायें, फिर भी सैकड़ो लोगों से पीछे रहेंगे और ज़िन्दगी में कितने भी पीछे रह जायें, फिर भी सैकड़ो लोगों से आगे रहेंगे। आप अपनी इमेजिनेशन की ताकत का इस्तेमाल करें। यह सोच आपके सफल होने, कुछ बनने और बहुत कुछ करने में कारगर सिद्ध होगी।

जीवन में इतनी मेहनत और संघर्ष तो करना ही चाहिए कि अपने बच्चों का आत्मविश्वास बढ़ाने के लिए हमें दूसरों का उदाहरण न देना पड़े...!!!

■ अंतर्मना आचार्य श्री प्रसन्न सागर जी महाराज

आग में झुलसीं पूर्व केंद्रीय मंत्री गिरिजा व्यास, हालत गंभीर

डॉक्टरों की देखरेख में उनका इलाज जारी

नई दिल्ली ■ एजेंसी

पूर्व केंद्रीय मंत्री और कांग्रेस की दिग्गज नेता गिरिजा के साथ गंभीर हादसा हुआ है। हादसा ऐसा कि उनके शरीर का 89 फीसदी हिस्सा झुलस गया है। दरअसल वो अपने घर में पूजा कर रही थीं उसी दौरान आग लग गई। जिस वजह से उनकी शरीर आग की चपेट में आ गई। इसके अलावा उनके सिर में भी गंभीर चोट आई है। डॉक्टर ने बताया कि हादसा का गंभीर है इस वजह से उनको पुन: स्वस्थ होने में काफी समय लगेगा। गिरिजा व्यास को अहमदाबाद के जाइडस अस्पताल में भर्ती कराया गया है। जहां हो आईसीयू में भर्ती हैं। हॉस्पिटल में ऑपरेशन डिपार्टमेंट को लीड कर रहे जैस्मीन शाह ने गिरिजा को लेकर बताया कि उनके शरीर का 89 फीसदी हिस्सा आग की चपेट में आने से जल गया है। गिरने की वजह से सिर पर लगने की वजह से उनके मस्तिष्क में भी गंभीर चोट आई है। उनके बेटे ने कहा वो जल्दी ही शीघ्र स्वस्थ होंगी।

स्कूल के संचालक पर एफआईआर दर्ज, अब गिरफ्तारी की मांग

विवादित स्टेटस डालने के बाद बवाल हुआ था

जबलपुर ■ अमृत दर्शन

शहर के जॉय सीनियर सेकेंडरी स्कूल में कल विश्व हिंदू परिषद और अन्य हिंदू संगठनों ने स्कूल के संचालक के खिलाफ जमकर विरोध प्रदर्शन किया। इसमें बाद आज स्कूल के संचालक पर एफआईआर दर्ज की गई है। दरअसल, जॉय सीनियर सेकेंडरी स्कूल में मंगलवार को हिंदूवादी संगठनों ने तोड़फोड़ कर जमकर विरोध प्रदर्शन किया। इस विवाद की वजह स्कूल के संचालक अखिलेश मेबन का व्हाट्सएप स्टेटस था। जिसने कथित रूप से अपने स्टेटस पर लिखा 'ब्लडी हिन्दू राम के बास्टर्ड चिल्ड्रन'। इसके बाद से हिंदू संगठनों में आक्रोश फैल गया। और विश्व हिंदू परिषद और हिंदू संगठनों ने स्कूल में घुस कर जमकर हंगामा किया। हिंदूवादी नेता ने नारेबाजी कर स्कूल में तोड़फोड़ शुरू कर दी।

मंडला में पुलिस-नक्सली मुठभेड़: पुलिस को मिली बड़ी सफलता

दो महिला नक्सली ढेर, एक एसएलआर और एक भरमार बंदूक बरामद की गई

मंडला ■ अमृत दर्शन

जिले के कान्हा टाइगर रिजर्व में बड़ी मुठभेड़ हुई है। इसमें सुरक्षा बलों की टीम ने दो नक्सलियों को मार गिराया है। मौके से पुलिस ने भारी मात्रा में हथियार बरामद किए हैं। दरअसल पुलिस को सूचना मिली थी कि मंडला के कान्हा टाइगर रिजर्व के परसाटोला के पास नक्सलियों की मौजूदगी है। इस सूचना पर बुधवार की सुबह सुरक्षा बलों के जवानों को भेजा गया। यहां पुलिस और नक्सलियों के बीच मुठभेड़ हो गई। इस भीषण गोलीबारी में सुरक्षा बलों ने दो नक्सलियों को मार गिराया है। ये दोनों ही महिलाएं हैं। एसपी रजत सकलेचा ने की

नक्सलियों के मारे जाने की पुष्टि की है।

इस इलाके की सर्चिंग चल रही है। अब तक सुरक्षा बलों की टीम ने मौके से हथियार और दो महिला नक्सलियों के शवों को बरामद कर लिया है। एसपी ने बताया कि इलाके में अब भी सर्चिंग अभियान जारी है। माना जा रहा है अभी और नक्सलियों के शव और सामान बरामद हो सकते हैं।

इससे पहले 25 लाख की महिला नक्सली का हुआ खात्मा : इससे पहले, महिला नक्सली रेणुका को 31 मार्च को सुरक्षा बलों द्वारा मार गिराया गया। इसके अलावा, सुरक्षा बलों ने 9 अन्य नक्सलियों को भी ढेर किया था। रेणुका को बानु और सरस्वती के नाम से भी जाना जाता था। यह वारंगल के कडवेन्डी की रहने वाली थी।

एनआईए की बड़ी कामयाबी, तीन साल से चल रही थी तलाश

एनआईए का मोस्ट वांटेड 5 लाख का इनामी फिरोज खान गिरफ्तार

जयपुर में ब्लास्ट करने की कोशिश का आरोप, रतलाम में रची गई थी जयपुर धमाके की साजिश

रतलाम ■ अमृत दर्शन

जयपुर में सीरियल ब्लास्ट की साजिश रचने के मामले में करीब तीन साल से फरार चल रहे फिरोज खान पुत्र फकीर मोहम्मद सब्जीवाला को पुलिस ने बुधवार सुबह रतलाम से गिरफ्तार कर लिया। फिरोज पर एनआईए ने 5 लाख रुपए का इनाम घोषित कर रखा था। वह ईद मनाने के लिए रतलाम आया था और पुलिस ने उसे पकड़ लिया। उल्लेखनीय है कि 30 मार्च 2022 को राजस्थान के निंबाहेड़ा में राजस्थान पुलिस ने 12 किलो विस्फोटक सामग्री के साथ आरोपित जुबेर निवासी आनंद कॉलोनी, अल्तमस पुत्र बशीर खान और सरफुद्दीन उर्फ सेफुल्ला पुत्र रमजानी दोनों निवासी शेरानीपुरा को गिरफ्तार किया था।

फिरोज के हाथ नहीं आने पर एनआईएन ने 2 साल पहले उसकी गिरफ्तारी पर 5 लाख रुपये का इनाम घोषित किया था तथा इस संबंध में शहर में जगह-जगह पोस्टर भी लगाए थे। फिरोज खान की तलाश में एनआईए और रतलाम पुलिस ने कई बार उसके घर तथा अन्य जगह पर दबिश दी थी, लेकिन वह हाथ नहीं आ रहा था। पुलिस उसकी तलाश में जुटी हुई थी।

सूचना के बाद की गई घेराबंदी

इसी बीच बुधवार सुबह पुलिस को सूचना मिली कि फिरोज रतलाम आया हुआ है। एसपी अमित कुमार के निर्देशन में टीम ने उसकी तलाश की तथा घेराबंदी कर उसे उसकी कजिन सिस्टर के घर से गिरफ्तार कर लिया। एसपी अमित कुमार ने बताया कि फिरोज के रतलाम आने की सूचना मिलने पर उसकी तलाश शुरू की गई। सूचना मिली कि वह अपनी कजिन सिस्टर के घर छिपा हुआ है, इस पर टीम ने वहां पहुंच कर घेराबंदी की तथा उसे पकड़ लिया।

पाकिस्तानी सेना की नापाक हरकत

घुसपैठ की कोशिश की तो सेना ने दिया मुंहतोड़ जवाब

नई दिल्ली ■ एजेंसी

जम्मू-कश्मीर में पड़ोसी मुल्क पाकिस्तान की नापाक हरकत सामने आई है। यहां के पुंछ में पाकिस्तान सेना ने घुसपैठ करने की कोशिश की है। इस दौरान पाकिस्तानी सेना ने फायरिंग भी की। पाकिस्तान की इस हरकत का भारत की ओर से मुहंतोड़ जवाब दिया है। जानकारी के मुताबिक 1 अप्रैल को कृष्णा घाटी इलाके में पाकिस्तानी सेना की घुसपैठ की वजह से एक लैंड माइन में विस्फोट हुआ। इसके बाद पाकिस्तानी सेना की ओर से जबरदस्त गोलीबारी की गई। उनकी ओर से लगातार संघर्ष विराम का उल्लंघन किया गया। पाकिस्तान की ओर से हुई फायरिंग और घुसपैठ की कोशिशों के बीच भारत ने जवाबी कार्रवाई की ओर हालात पर काबू पाया।

किया सीजफायर का उल्लंघन

जम्मू स्थित सैन्य अधिकारी लेफ्टिनेंट कर्नल सुनील बर्तवाल ने बयान जारी किया और कहा कि 1 अप्रैल 2025 को एलओसी पर पाकिस्तानी सेना की घुसपैठ की वजह से कृष्णा घाटी सेक्टर में एक माइन विस्फोट हुआ। इसके बाद पाकिस्तानी सेना की ओर से बिना उकसावे के गोलीबारी और संघर्ष विराम का उल्लंघन किया गया।

संक्षिप्त समाचार

दलित युवती के साथ गैंगरेप, हत्या और बवाल के मामले में बड़ा एक्शन

प्रतापगढ़। जिले के रानीगंज थाना क्षेत्र में दुर्गागंज बाजार स्थित प्राइवेट हॉस्पिटल में काम करने वाले दलित युवती की ड्यूटी के दौरान रेप व हत्या मामले में अब एसपी ने एक बड़ा एक्शन लिया है। एसपी ने दुर्गागंज बाजार में मामले को लेकर हुए बवाल में इंस्पेक्टर रानीगंज आदित्य कुमार सिंह और चौकी इंचार्ज रोहित यादव को जिम्मेदार बनाया है, उन्होंने इस कारण इन्हें लाइन हाजिर भी कर दिया है। एसपी डॉ अनिल कुमार ने अपनी रिपोर्ट में दुर्गागंज में हुए बवाल का सीधा-सीधा इंस्पेक्टर रानीगंज आदित्य कुमार सिंह और चौकी इंचार्ज रोहित यादव की लापरवाही को कारण बताया है, इस कारण एसपी ने प्रभारी निरीक्षक रानीगंज आदित्य सिंह, दुर्गागंज के चौकी इंचार्ज रोहित यादव को लाइन हाजिर कर दिया है।

एसपी ने रानीगंज थाने की कमान क्राइम ब्रांच प्रभारी इंस्पेक्टर श्रवण कुमार सिंह को सौंप दी है। एसपी ने अपनी जांच रिपोर्ट में कहा कि प्रभारी निरीक्षक रानीगंज आदित्य सिंह के अड़ियल रवैए से दुर्गागंज में ग्रामीण भड़क गए थे। इसके साथ ही एसपी ने कई अन्य पुलिस अधिकारियों का भी तबादला किया है। एसपी ने इंस्पेक्टर गुलाब चंद्र सोनकर को कंधई का कोतवाल बना दिया है, इंस्पेक्टर अवन दीक्षित को पट्टी कोतवाली की कमान दी ।

वक्फ पर लालू भी चाहते थे कड़ा कानून, पुराना वीडियो शेयर कर जीतनराम मांझी ने घेरा

नई दिल्ली। वक्फ संशोधन विधेयक पर पूरे देश में बहस देखी जा रही है. इस बीच, केंद्रीय मंत्री और हिंदुस्तान आवाम मोर्चा (सेक्युलर) के अध्यक्ष जीतनराम मांझी ने आरजेडी सुप्रीमो लालू प्रसाद यादव पर हमला बोला है। मांझी ने लालू का वीडियो शेयर किया और दावा किया कि आरजेडी सुप्रीमो भी कड़े कानून बनाने की वकालत कर चुके हैं। मांझी ने एक्स पर एक वीडियो पोस्ट किया और लिखा, वक्फ संशोधन विधेयक का विरोध कुछ लोग सिर्फ इसलिए कर रहें हैं क्योंकि यह कानून नरेंद्र मोदी जी के नेतृत्व वाली सरकार ला रही है. वैसे 2010 में लालू प्रसाद यादव जी ने वक्फ के कड़े कानून बनाए जाने की बात कही थी। मेरा गठबंधन वालों से आग्रह है कि लालू जी के बातों को ध्यान से सुनें और सदन में वक्फ संशोधन बिल 2025 के पक्ष में मतदान करें।

मेरठ 14 दिन बाद एक दूसरे से मिले मुस्कान और साहिल

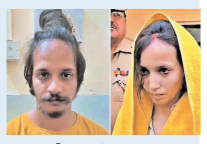

मेरठ। मेरठ के सौरभ राजपूत हत्याकांड में आरोपी साहिल शुक्ला और मुस्कान रस्तोगी जेल में बंद हैं. इस बीच खबर है कि उनकी न्यायिक हिरासत और बढ़ गई है. दोनों को अभी 14 दिन और न्यायिक हिरासत में जेल में रहना होगा. उनकी अगली पेशी 15 अप्रैल को होगी. आज वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिए मुस्कान-साहिल की पेशी हुई. खास बात ये रही कि एक ही कमरे में वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के द्वारा ये पेशी हुई. ऐसे में करीब दो हफ्ते बाद सौरभ के कातिल एक दूसरे से मिले। मेरठ जिला जेल प्रशासन के मुताबिक, 14 दिन बाद साहिल शुक्ला और मुस्कान रस्तोगी एक दूसरे से मिले। उन्होंने एक दूसरे को देखा लेकिन उनके बीच कोई बात नहीं हुई. लगभग दो मिनट तक वे साथ रहे. इस दौरान दोनों भावुक नजर आ रहे थे। पेशी के बाद उन्हें अलग-अलग बैरक में डाल दिया गया।

दिल्ली मेट्रो में सीट नहीं मिली तो महिला ने काटा बवाल

नई दिल्ली। दिल्ली मेट्रो से अक्सर ऐसे वीडियो सामने आते रहते हैं, जो ऑनलाइन लोगों का ध्यान अपनी ओर खींच लेते हैं. ऐसा ही एक वीडियो इन दिनों काफी वायरल हो रहा है, जिसमें सीट को लेकर एक शख्स महिलाओं के एक समूह से बहस करता दिख रहा है।

यह घटना, जो कथित तौर पर जनकपुरी पश्चिम के पास ब्लू लाइन मेट्रो की बताई जा रही है. उस व्यक्ति के साथ बहस में शामिल महिलाओं में से एक ने इस घटना का वीडियो भी बना लेती है और कहती नजर आती हैं - अब तो आप वायरल हो जाओगे. आपने पूरे कोच में एक सीट के लिए हंगामा खड़ा कर दिया. एक बार चुप रहने की कोशिश करो. बड़े आदमी बनो और कुछ शिष्टाचार दिखाओ.
दरअसल, इंस्टाग्राम पर शेयर की गई।

चीन के सैन्य अभ्यास पर भड़का ताइवान, कहा ऐसी कार्रवाई से क्षेत्र में होगा विनाश

ताइपे ■ एजेंसी

चीनी सेना ने मंगलवार को ताइवान के आसपास के जलक्षेत्र और हवाई क्षेत्र में बड़े पैमाने पर सैन्य अभ्यास किया। पीपुल्स लिबरेशन आर्मी के ईस्टर्न थिएटर कमान के प्रवक्ता शी यी के अनुसार इस सैन्य अभ्यास में नौसेना, वायु सेना और रॉकेट बल शामिल थे और इसका मकसद ताइवान की स्वतंत्रता को गंभीर चेतावनी देना था। अब चीन के इस सैन्य अभ्यास को लेकर ताइवान की प्रतिक्रिया भी सामने आई है।

ताइवान के राष्ट्रपति कार्यालय ने एक्स पर अपने पोस्ट में कहा, च्चीन की जबरदस्त सैन्य उकसावेबाजी ना केवल ताइवान जलडमरूमध्य में शांति के लिए खतरा है बल्कि पूरे क्षेत्र में सुरक्षा को कमजोर करती है। हम चीन के आक्रामक व्यवहार की कड़ी निंदा करते हैं। ताइवान के रक्षा मंत्री वेलिंगटन कू ने कहा, मैं कहना चाहता हूं कि यह कार्रवाई क्षेत्रीय शांति और स्थिरता के विनाश का कारण बन सकती है। कू ने कहा कि ताइवान ने इस तरह के अभ्यासों की निगरानी के लिए एक केंद्रीय समूह स्थापित किया है। ताइवान चीन की हर हरकत पर बारीक नजर रख रहा है।

वहीं, चीन की समाचार एजेंसी ने अपनी एक खबर में कहा कि ईस्टर्न थिएटर कमान ने ताइवान द्वीप के उत्तर, दक्षिण और पूर्व में जलक्षेत्र में व्यापक अभ्यास किया है। कमान ने कहा कि सैन्य अभ्यास का उद्देश्य एकीकृत अभियान, परिचालन नियंत्रण हासिल करना और सटीक हमले करने की सैनिकों की क्षमताओं का परीक्षण करना था।

हर घंटे 2000 लोग कर सकेंगे यात्रा, ट्रैफिक जाम से मिलेगी निजात

सुविधा: भारत में बनने जा रहा दुनिया का सबसे लंबा रोपवे

नई दिल्ली ■ एजेंसी

हिमाचल प्रदेश में हर साल देश-दुनिया से लाखों लोग आते हैं। सभी लोग यहां घूमने-फिरने और मौज मस्ती के लिए आते हैं। ऐसे में हिमाचल में ट्रैफिक जाम की भारी समस्या हो जाती है। इसी समस्या से निजात देने के लिए हिमाचल में दुनिया का सबसे लंबा रोपवे बनने जा रहा है। हिमाचल में पर्यटन को और बढ़ावा देने के लिए यहां की सरकार शिमला से परवाणू तक दुनिया का सबसे लंबा रोपवे बनाने जा रही है।

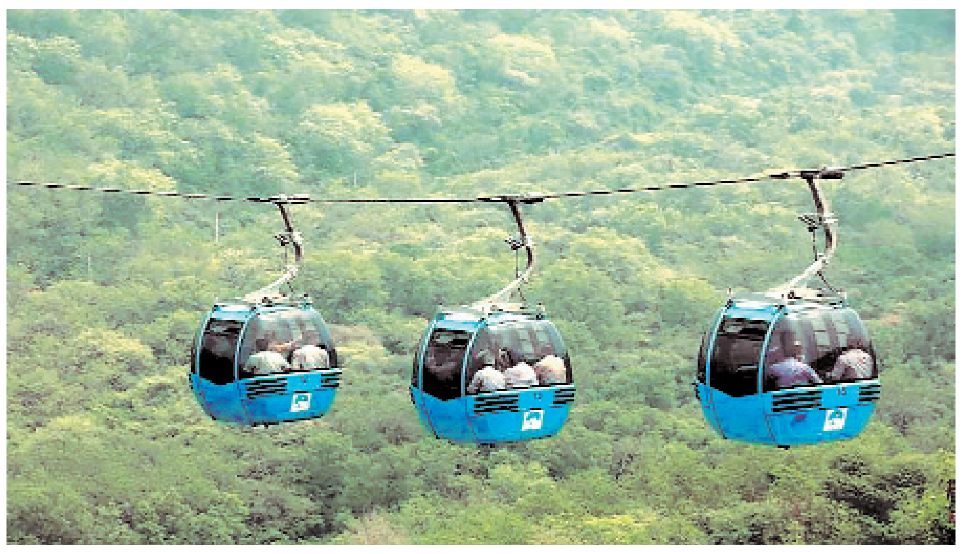

ये रोपवे 40.73 किलोमीटर लंबा रहेगा। प्रस्तावित रोपवे शिमला को परवाणू शहर से जोड़ेगा। सड़क मार्ग से इन दोनों के बीच की दूरी लगभग 80 किलोमीटर की है। सोलन जिले में पड़ने वाले परवाणू से शिमला तक सड़क मार्ग से यात्रा करने में लगभग 2 से 3 घंटे का समय लगता है। रोपवे से यात्रा करने में ये समय काफी बचेगा। रोपवे से हर घंटे में करीब 2,000 लोग यात्रा कर सकेंगे।रोपवे से यात्रा करने में सुंदर पहाड़ और हरियाली का नजारा लिया जा सकेगा। ट्रैफिक जाम से लोगों को निजात मिलेगी। ये परियोजना प्रगति पर है। ये रोपवे लगभग 40 किलोमीटर का रहेगा। इसे बनाने में 5,600 करोड़ रुपये का खर्च आएगा और पांच साल का समय लगेगा। एक बार यह तैयार हो जाने पर इससे पर्यटन को बढ़ावा मिलेगा। शिमला के लिए एकमात्र राजमार्ग पर होने वाला ट्रैफिक जाम से लोगों को निजात मिलेगी। यह अब तक दुनिया की सबसे दूरी वाली रोपवे प्रणाली होगी। राज्य सरकार ने इस परियोजना का जिम्मा रोपवे और रैपिड ट्रांसपोर्ट सिस्टम डेवलपमेंट कॉरपोरेशन को सौंपा है। चयनित फर्म को रोपवे का डिजाइन, वित्त, निर्माण, संचालन और रखरखाव करना होगा। साथ ही टिकट बिक्री और मार्ग के साथ स्टेशनों पर कमर्शियल स्थान को पट्टे पर देना होगा जिससे आय हो सके। इलेक्ट्रिक रोपवे शिमला जाने का ज्यादा पर्यावरण अनुकूल तरीका होगा। रोपवे मार्ग में शिमला और परवाणू के बीच 11 स्टेशन होंगे। शुरुआती अनुमानों के अनुसार, यह प्रत्येक दिशा में प्रति घंटे 904 यात्रियों को ले जा सकता है। यानी दोनो तरफ से करीब 2000 लोग यात्रा कर सकेंगे। एक रोपवे केबिन में 8-10 यात्रियों को ले जाया जाएगा। इस रोपवे परियोजना के शुरू होने के बाद हिमाचल प्रदेश को जाम से राहत मिलेगी। साथ ही यहां के पर्यटन को और भी चार चांद लग जाएंगे।

भारतीय झंडे में अशोक चक्र का क्या है महत्व, चिली के राष्ट्रपति के सवाल पर पीएम मोदी ने दिया जवाब

नई दिल्ली ■ एजेंसी

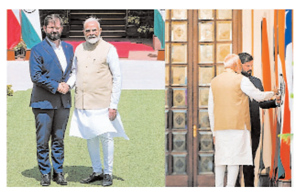

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने दिल्ली के हैदराबाद हाउस में चिली के राष्ट्रपति गेब्रियल बोरिक फॉन्ट से मुलाकात की है। चिली के राष्ट्रपति गेब्रियल बोरिक भारत की पांच दिवसीय यात्रा पर आए हैं। राष्ट्रपति गेब्रियल के साथ एक उच्च स्तरीय प्रतिनिधिमंडल भी आया है जिसमें मंत्री, संसद सदस्य, व्यापार संघ और भारत-चिली सांस्कृतिक संबंधों से जुड़े प्रमुख लोग शामिल हैं। राष्ट्रपति के रूप में बोरिक की यह पहली भारत यात्रा है। राष्ट्रपति बोरिक ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के साथ भारत-चिली संबंधों के पहलुओं पर चर्चा की है। वार्ता के बाद एक वक्तव्य में मोदी ने कहा, आज, हमने अपनी-अपनी टीम को पारस्परिक रूप से लाभकारी व्यापक आर्थिक साझेदारी समझौते पर चर्चा शुरू करने का निर्देश दिया है। भारत सरकार के लिए न्यू मीडिया स्ट्रेटेजिस्ट के रूप में काम करने वाले राहुल अग्रवाल ने अपने लिंक्डइन प्रोफाइल पर एक पोस्ट शेयर किया। इस पोस्ट में उन्होंने लिखा, चिली के राष्ट्रपति ने पीएम मोदी से भारत के राष्ट्रीय ध्वज के अशोक चक्र को लेकर सवाल किया। इसपर पीएम नरेंद्र मोदी ने उन्हें बताया कि चक्र, एक 24 तीलियं वाला पहिया है जो धर्म (धार्मिकता), प्रगति और न्याय का प्रतिनिधित्व करता है। यह भारत का एक राष्ट्र के रूप में मार्गदर्शन करते हैं। सम्राट अशोक के शासन के दृष्टिकोण में निहित, यह प्रतीक शांति, गतिशीलता और न्यायपूर्ण समाज की दिशा में निरंतर बढ़ते रहने के लिए भारत की प्रतिबद्धता को रेखांकित करता है।

उन्होंने लिखा, यह सरल लेकिन गहन बातचीत वैश्विक नेतृत्व में अंतर-सांस्कृतिक संवाद के महत्व को दर्शाती है। जब विश्व के नेता एक-दूसरे के प्रतीकों और इतिहास में रुचि लेते हैं, तो यह आपसी सम्मान और समझ को गहरा करता है। यह एक शानदार रिमाइंडर है कि कूटनीति केवल नीतियों के बारे में नहीं है। यह एक दूसरे की कहानियों से सीखने के बारे में भी है। बता दें कि इससे पहले विदेश मंत्री डॉ. एस जयशंकर ने दिल्ली में चिली के राष्ट्रपति गेब्रियल बोरिक से मुलाकात की थी। इस दौरान विदेश मंत्री ने एक्स पर पोस्ट कर कहा, चिली के राष्ट्रपति गेब्रियल बोरिक से उनकी भारत की राजकीय यात्रा की शुरुआत में मुलाकात करके प्रसन्नता हुई। हमारे दीर्घकालिक सहयोग को और गहरा करने के लिए उनकी प्रतिबद्धता की सराहना करता हूं।

इतिहास बीजेपी से ज्यादा नीतीश को दोषी ठहराएगा, वक्फ संशोधन बिल पर प्रशांत किशोर का फूटा गुस्सा

नई दिल्ली ■ एजेंसी

जनसुराज पार्टी के संस्थापक और जाने-माने चुनावी रणनीतिकार प्रशांत किशोर वक्फ संशोधन बिल को लेकर जनता दल यूनाइटेड की रणनीति पर बिफर पड़े। बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार को लेकर उनका गुस्सा फूट पड़ा। उन्होंने कहा कि यह दुर्भाग्यपूर्ण है। मुसलमानों का एक बड़ा वर्ग वक्फ विधेयक से खुद को खतरे में महसूस कर रहा है। जब इतिहास में इस युग को लिखा जाएगा तो इस कानून के लिए भाजपा से ज्यादा नीतीश कुमार जैसे नेताओं को दोषी ठहराया जाएगा।

प्रशांत किशोर ने कहा. मुझे लगता है कि सरकार ध्रुवीकरण की राजनीति के लिए जल्दबाजी में यह कानून बना रही है... सरकार के पास लोकसभा में बहुमत नहीं है। वे यह कानून इसलिए ला पा रहे हैं क्योंकि नीतीश कुमार जैसे लोग सरकार का समर्थन कर रहे हैं; अगर नीतीश कुमार जैसे नेता लोकसभा में इस विधेयक के

समर्थन में वोट नहीं करते हैं, तो सरकार इसे कभी कानून नहीं बना सकती।

उन्होंने कहा, भाजपा मुसलमानों को अपना वोट बैंक नहीं मानती। लेकिन नीतीश कुमार जैसे लोग जो हर दिन मुसलमानों से कहते हैं कि वे समुदाय के हितैषी हैं, उन्हें जरूर सोचना चाहिए क्या वे गांधी, लोहिया और जेपी की बात करते हुए भी इस विधेयक के समर्थन में वोट देकर अपना पाखंड नहीं दिखा रहे हैं? जब इतिहास में इस युग को लिखा जाएगा तो इस कानून के लिए भाजपा से ज्यादा नीतीश कुमार जैसे नेताओं को दोषी ठहराया जाएगा। बता दें कि वक्फ संशोधन विधेयक को पारित कराने के लिए लोकसभा में आज चर्चा होगी। जिससे इसे पारित कराने के लिए दृढ़संकल्पित सरकार और प्रस्तावित कानून को असंवैधानिक बताकर इसकी निंदा करने वाले विपक्ष के बीच टकराव का मंच तैयार हो गया है। राज्यसभा में इस पर बृहस्पतिवार को चर्चा होने की उम्मीद है। दोनों सदनों में प्रस्तावित कानून पर चर्चा के लिए आठ-आठ घंटे आवंटित किए गए हैं।

राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के बाद चार सबसे बड़े घटकों- तेलुगुदेशम पार्टी (तेदेपा), जनता दल-यूनाइटेड (जदयू), शिवसेना और लोक जनशक्ति पार्टी (रामविलास)- ने अपने सांसदों को व्हिप जारी कर सरकार के रुख का समर्थन करने को कहा है। सूत्रों ने बताया कि भाजपा के कुछ सहयोगी दल विधेयक में और बदलाव की मांग कर रहे हैं। भाजपा के एक सहयोगी दल के वरिष्ठ सदस्य ने उम्मीद जताई कि भाजपा उनके विचारों को ध्यान में रखेगी।

महाराष्ट्र के बुलढाणा में भीषण सड़क हादसा; बस और एसयूवी की टक्कर में पांच लोगों की मौत

बुलढाणा (महाराष्ट्र) ■ एजेंसी

महाराष्ट्र के बुलढाणा में बुधवार सुबह भीषण सड़क हादसा हुआ। इस दौरान बस और एसयूवी की टक्कर में पांच लोगों की मौत हो गई। पुलिस ने बताया कि बुधवार सुबह पूर्वी महाराष्ट्र के बुलढाणा जिले में एक बस और एसयूवी की टक्कर में पांच लोगों की मौत हो गई। पुलिस अधिकारी ने बताया कि खामगांव-शेगांव राजमार्ग पर महाराष्ट्र राज्य सड़क परिवहन निगम (एमएसआरटीसी) की एक बस एक बोलेरो से टकरा गई। इसके तुरंत बाद एक निजी बस ने दोनों वाहनों को टक्कर मार दी। निजी बस के आगे के केबिन को भारी नुकसान हुआ है। क्षतिग्रस्त हिस्से से चालक को निकालने के प्रयास जारी हैं।

इससे पहले पश्चिम बंगाल के मुर्शिदाबाद जिले में एक डंपर ट्रक ने दोपहिया वाहन को टक्कर मार दी थी। हादसे में एक दो वर्षीय बच्चे सहित एक परिवार के चार लोगों की मौत हो गई थी।

पुलिस अधिकारी ने बताया कि घटना मंगलवार शाम को समशेरगंज इलाके में हुई, जब चार लोग डाक बंगला मोड़ से फरक्का जा रहे थे। डंपर ट्रक ने दोपहिया वाहन को पीछे से टक्कर मार दी और चारों लोगों को कुचल दिया। अस्पताल ले जाने पर उन्हें मृत घोषित कर दिया गया। मृतकों की पहचान एजाज शेख, तौहीक शेख, जाहुल शेख और दो वर्षीय आसिफ शेख के रूप में हुई है। वे फरक्का थाना क्षेत्र के महादेवनगर गांव के निवासी थे।

अधिकारी ने बताया कि गुस्साई भीड़ ने एक घंटे से अधिक समय तक सड़क जाम कर दिया और डंपर ट्रक समेत अन्य फंसे वाहनों को क्षतिग्रस्त कर दिया। हालांकि, पुलिस ने जल्द ही स्थिति को नियंत्रण में कर लिया। उन्होंने बताया कि बाद में ट्रक चालक को गिरफ्तार कर लिया गया।

हार्वर्ड विवि में पढ़ाई जाएगी महाकुंभ की केस स्टडी

देश-दुनिया के 26 संस्थान इस आयोजन पर कर रहे अध्ययन

लखनऊ ■ एजेंसी

अमेरिका के हार्वर्ड विश्वविद्यालय में महाकुंभ की केस स्टडी पढ़ाई जाएगी। वहां के बच्चे इस महायोजन में भोजन व्यवस्था से लेकर स्वच्छता तक के बारे में विस्तार से समझेंगे। अब तक देश-दुनिया के 26 विवि और संस्थान इस महायोजन पर अध्ययन कर रहे हैं।

दुनिया के प्रतिष्ठित विश्वविद्यालयों में शुमार अमेरिका की हार्वर्ड यूनिवर्सिटी में महाकुंभ की केस स्टडी पढ़ाई जाएगी। हार्वर्ड के मैनेजमेंट के छात्र महाकुंभ में आए 66 करोड़ लोगों के खानपान के प्रबंधन के बारे में जानेंगे। इतने बड़े आयोजन में भोजन व्यवस्था, स्वच्छता से लेकर योजनाबद्ध वेंडिंग जोन तक की विस्तार से पढ़ाई करेंगे। देश-दुनिया के प्रतिष्ठित 26 विवि और संस्थान महाकुंभ पर अध्ययन कर रहे हैं। इनमें हार्वर्ड विवि,

स्टैनफोर्ड विवि, बिल एंड मेलिंडा गेट्स फाउंडेशन, एम्स, आईआईएम अहमदाबाद, इंदौर, बंगलुरू, आईआईटी कानपुर और अहमदाबाद, जेएनयू, डीयू तथा लखनऊ विवि जैसे संस्थान शामिल हैं। ये संस्थान महाकुंभ के विभिन्न पहलुओं पर शोध कर रहे हैं। सोमवार को दो दिवसीय कार्यक्रम के तहत सभी संस्थान और शहरी विकास विभाग ने ऑनलाइन बैठक कर इसे अंतिम रूप देने की कवायद शुरू कर दी। बैठक में हार्वर्ड विश्वविद्यालय ने महाकुंभ पर केस स्टडी की जानकारी दी। विवि ने खाद्य और पेय प्रबंधन का अध्ययन किया है। मेला क्षेत्र की दुकानों का पूरा डाटा तैयार किया गया है। चाय की दुकान से लेकर फेरी वालों तक को इसमें शामिल किया गया है। फूड कार्ट के अलावा भंडारे, राशन वितरण, वेंडिंग जोन पर विवि ने अध्ययन किया है।

सपा सांसद के पक्ष में उतरे दलित संगठन, करणी सेना को चुनौती...12 अप्रैल को आओ, इतिहास पढ़ाकर भेजेंगे

आगरा ■ एजेंसी

राणा सांगा पर विवादित बयान देने वाले समाजवादी पार्टी के सांसद राजमजीलाल सुमन के घर पर करणी सेना ने 12 अप्रैल को फिर से हमले की चुनौती दी है। इस चुनौती को स्वीकार करते हुए दलित संगठनों ने ऐलान किया है कि आ जाओ, इस बार इतिहास पढ़ाकर भजेंगे।

आगरा में समाजवादी पार्टी के राज्यसभा सांसद रामजीलाल सुमन के घर पर करणी सेना के हमले के मामले में शहर के दलित संगठन सांसद के समर्थन में आ गए हैं। संगठनों ने करणी सेना के 12 अप्रैल के लिए दी जा रही चेतावनी पर एलान किया है कि जिसको आगरा आना है, आ जाए, इस बार इतिहास पढ़ाकर वापस भेजेंगे।

डॉ. आंबेडकर अनुयायी एकता फाउंडेशन के पदाधिकारियों ने बुद्ध विहार गेस्ट हाउस पर वार्ता में सांसद सुमन का समर्थन किया है। अध्यक्ष आशीष प्रिंस ने कहा कि करणी सेना ने यह हमला दलित सांसद पर नहीं किया, बल्कि हर दलित परिवार पर किया है। सांसद सुमन ने

संसद में वही कहा जो इतिहास में लिखा हुआ है।

फाउंडेशन के एसबी दिनकर, बलविंदर जाटव ने चेतावनी दी कि 12 अप्रैल को करणी सेना या कोई भी आना चाहता है तो आ जाएं। इस बार पूरा इतिहास पढ़ाकर ही वापस भेजेंगे। देश संविधान से चलेगा, न कि करणी सेना की मनमानी से। यह दलितों को दबाने की साजिश है। राणा सांगा के नाम पर माहौल खराब किया जा रहा है। मौके पर चौधरी रामगोपाल, राहुल वरुण, राहुल राज, मनीष वरुण, रोहित कैमकर, कल्याण बाबू, गौरव कुमार, करन जरारी आदि मौजूद रहे।

भोपाल। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने समत्व भवन (मुख्यमंत्री निवास) में प्रधानमंत्री ग्रामीण सड़क योजना की समीक्षा की। इस दौरान मंत्री प्रहलाद पटेल के साथ ही विभाग के अनेक अधिकारी उपस्थित थे। मुख्यमंत्री ने स्पष्ट निर्देश दिए हैं कि प्रधानमंत्री सड़क योजना के मामले में पूर्ण ईमानदारी के साथ कार्य किए जाएं।

एम्स भोपाल में काइनएंथ्रोपोमेट्री पर आईएसएके लेवल 1 कोर्स और कार्यशाला का आयोजन

भोपाल ■ अमृत दर्शन

एम्स भोपाल के कार्यपालक निदेशक प्रो. (डॉ.) अजय सिंह के मार्गदर्शन में एनाटॉमी विभाग ने काइनएंथ्रोपोमेट्री पर तीन दिवसीय आईएसएके (इंटरनेशनल सोसाइटी फॉर द एडवांसमेंट ऑफ काइनएंथ्रोपोमेट्री) लेवल 1 कोर्स और कार्यशाला शुरू की है। इस कार्यक्रम का उद्देश्य काइनएंथ्रोपोमेट्री अनुसंधान को बढ़ावा देना और चिकित्सा एवं स्वास्थ्य के विभिन्न क्षेत्रों में इसके महत्व को रेखांकित करना है। काइनएंथ्रोपोमेट्री एक तरीका है, जिसमें हम इंसान के शरीर के आकार और संरचना का माप लेते हैं। इसमें शरीर के हिस्सों जैसे ऊंचाई, वजन, मांसपेशियों की मात्रा, हड्डियों का आकार, और शरीर में वसा की

स्थिति का माप किया जाता है। यह खासतौर पर खेल, स्वास्थ्य और फिटनेस में काम आता है, ताकि हम यह जान सकें कि किसी व्यक्ति का शरीर कैसे काम कर रहा है और उसे कैसे और बेहतर बनाया जा सकता है।

प्रो. सिंह ने काइनएंथ्रोपोमेट्री के महत्व को बताते हुए कहा, काइनएंथ्रोपोमेट्री शरीर की संरचना को समझने में मदद करता है, जिससे डॉक्टरों को बेहतर निदान, इलाज और रोकथाम की योजनाएं बनाने में मदद मिलती है। इस कोर्स और इसके ज्ञान को बढ़ावा देना जरूरी है, ताकि हम अपने रोगियों के लिए अधिक व्यक्तिगत और प्रभावी स्वास्थ्य देखभाल दे सकें। कार्यक्रम में कोर्स की आयोजन अध्यक्ष और एनाटॉमी विभाग की प्रमुख, प्रो. (डॉ.) बर्था एडी रथिनम उपस्थित थी।

आईएसएके लेवल 1 कोर्स मानव शारीरिक संरचना के विभिन्न पहलुओं का वैज्ञानिक अध्ययन करता है, जो चिकित्सा, खेल चिकित्सा, शारीरिक फिटनेस, फिजियोथेरेपी और शरीर रचना विज्ञान जैसे क्षेत्रों में बहुत महत्वपूर्ण है। इस कार्यक्रम में एम्स बिलासपुर, एम्स कल्याणी, जीएमसी भोपाल, जीआरएमसी ग्वालियर, सफदरजंग अस्पताल दिल्ली, कोलकाता और अमरावती (महाराष्ट्र) से संकाय सदस्य और रेजिडेंट डॉक्टर शामिल हो रहे हैं। ये सदस्य सैद्धांतिक और व्यावहारिक सत्रों में भाग ले रहे हैं।

डॉ. त्रिलोकि प्रसाद, सहायक प्रोफेसर, क्षेत्रीय शिक्षा संस्थान (आरआईई भोपाल) और आईएसएके लेवल 3 प्रमाणित एंथ्रोपोमेट्रिस्ट प्रशिक्षक, और डॉ. कुसुम गांधी, एनाटॉमी विभाग की अतिरिक्त प्रोफेसर और आईएसएके लेवल 2 एंथ्रोपोमेट्रिस्ट, इस कोर्स के प्रमुख संसाधन व्यक्ति हैं। इस कोर्स में प्रतिभागी शरीर संरचना मापने के कौशल प्राप्त करेंगे और काइनएंथ्रोपोमेट्री और शरीर संरचना के सिद्धांतों को समझेंगे। यह कोर्स 3 अप्रैल 2025 को समाप्त होगा, और जो प्रतिभागी आईएसएके लेवल 1 कोर्स को सफलतापूर्वक पूरा करेंगे, उन्हें प्रमाणपत्र प्रदान किए जाएंगे।

संक्षिप्त समाचार

कला संवाद कार्यक्रम का आयोजन सम्पन्न

भोपाल। पंचायत विकास परिषद कला संवाद का आयोजन संस्कार भारती के राज्य कार्यलय के सभागार में मध्यप्रदेश माध्यम के प्रबंधक आत्माराम शर्मा की अध्यक्षता में रखा गया उनहोंने अपने उदबोधन में कहा कि लोक कला को समझने के लिए उसमें डूबना पड़ता हैं तब कही उसके मर्म को स्पर्श कर पाते हैं उन्होंने कहा लोक संस्कृति को समझने के लिए राम जी ने 14 वर्ष वनगमन किया और अपनी कार्य शैली से लोक संस्कृति के आदर्शो को स्थापित किया तभी वह आज भी जन -जन के राम कहलाये।मध्यप्रदेश की लोक संस्कृति के पारम्परिक लोक चित्रों पर बुंदेलखंड शैली पर डॉ. वीना चौबे ने अपने विचार रखे। वही निमाड़ की लोक शैली पर शिखर सम्मानित मती पूणिमा चतुर्वेदी ने आपने विचार रखें।तथा मालवीय लोक शैली पर डॉ. रेखा भटनागर ने और बघेली शैली पर डॉ.श्यामा गुप्ता ने अपने विचार व्यक्त किये।

नवीन संस्करण 2.0 पर कलेक्टर कार्यालय में आयोजित हुआ प्रशिक्षण

भोपाल। मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी कार्यालय भोपाल द्वारा आरसीएच पोर्टल के नवीन संस्करण 2.0 के लिए प्रशिक्षण का आयोजन कलेक्टर कार्यालय भोपाल में मंगलवार को किया गया। प्रशिक्षण में नवीन अनमोल मोबाइल एप्लिकेशन एवं वेबपोर्टल के उपयोग की विस्तृत जानकारी दी गई। इस पोर्टल का नवीन संस्करण लोक स्वास्थ्य एवं चिकित्सा शिक्षा विभाग द्वारा विकसित किया गया है। अनमोल आरसीएच पोर्टल एक डिजिटल प्लेटफॉर्म है, जो गर्भवती महिलाओं, नवजात शिशुओं और प्रसूताओं को दी जाने वाली स्वास्थ्य सेवाओं की ट्रैकिंग और प्रबंधन को सरल बनाता है। नवीन संस्करण में गर्भवती महिलाओं के पंजीकरण, हाई-रिस्क गर्भावस्था की पहचान, प्रसव संबंधी रिकॉर्ड, नवजात एवं शिशु स्वास्थ्य सेवाओं की एंट्री की प्रक्रिया को अधिक सुगम बनाया गया है। इससे जिले और राज्य स्तर पर इन सेवाओं की प्रभावी निगरानी की जा सकेगी।

निगम के अतिक्रमण निरोधक अमले ने विभिन्न क्षेत्रों से हटाए अतिक्रमण

भोपाल। नगर निगम द्वारा सड़कों, फुटपाथों, कॉरीडोर व सार्वजनिक स्थलों आदि से अतिक्रमणों को हटाने की कार्यवाही निरंतर की जा रही है। इसी तारतम्य में निगम के अतिक्रमण निरोधक दस्ते ने सीएम हेल्पलाईन व अन्य माध्यमों से प्राप्त शिकायतों के निवारण तथा निगम की नियमित कार्यवाही के तहत शहर के अनेक क्षेत्रों से अतिक्रमणों को हटाने की कार्यवाही करते हुए ठेले, गुमठी, फुलकी ठेला, फ्रूट ठेले, चार पहिया वाहन, फुटपाथ से सब्जी की दुकान, काउंटर, आईस्क्रीम की गाड़ी, दुकानों के बाहर रखा सामान व अन्य अतिक्रमण हटवाया तथा फ्लेक्स बोर्ड, चादर, बल्ली, ठेला, दुकानों के बाहर लगी त्रिपाल (पन्नी) व विभिन्न प्रकार का सामान जप्त किया। निगम आयुक्त हरेन्द्र नारायन के निर्देश पर निगम के अतिक्रमण निरोधक दस्ते के दलों ने मंगलवार को नेहरू नगर, न्यू मार्केट क्षेत्र, करोद हाउसिंग बोर्ड, हलालपुरा बस स्टेण्ड, गुफा मंदिर रोड, शाहजहांनाबाद स्टार शादी हॉल, 07 बल्ली, 01 ठेला, 60 दुकानों के बाहर लगी त्रिपाल (पन्नी) व विभिन्न प्रकार का सामान जप्त किया।

अदालतों के निशाने पर नाफरमान अफसर

न्यायालयों की फटकार के बाद भी अफसर नहीं आ रहे बाज

भोपाल ■ अमृत दर्शन

राज्य में नौकरशाही का मिजाज बदला हुआ नजर आने लगा है। कमोवेश हर दूसरा या तीसरा नौकरशाह नाफरमान सा दिखाई पड़ता है। आलम यह है कि सरकार की हिदायतें हो, कोर्ट की फटकार या फिर नसीहतें, अफसर इसको नजरअंदाज करते दिखाई पड़ते हैं। अफसरों की इस लापरवाही का खामियाजा सरकार को अवमानना और दंड के तौर पर एक बार नहीं, कई-कई बार भुगतना पड़ा है। इससे सरकार की छवि धूमिल होती है।

यूं तो सरकार में कुछ अधिकारियों के अड़ियल रवैए और नाफरमानी के चर्चे हमेशा सडक़ से लेकर सदन तक होते रहे हैं। अब जिस तरह से उच्च न्यायालय अवमानना के मामलों में जुर्माना लगाने से लेकर गिरतारी वारंट तक जारी करने के फैसले ले रहा है, उससे प्रदेश की प्रशासनिक कार्यप्रणाली पर सवाल उठ रहे हैं। हाल में मप्र उच्च न्यायालय ने जिलाधीशों से लेकर सचिव, प्रमुख सचिव एवं पुलिस मुयालय तक की अवमानना के अलग-अलग

इन अफसरों पर कोर्ट की सख्ती

शहडोल संभाग के आयुत के खिलाफ 10 हजार का जमानती वारंट हाईकोर्ट के जस्टिस संजीव सचदेवा और जस्टिस विनय सराफ की युगलपीठ ने जारी किया है। आदेश की अवहेलना पर लोक शिक्षण संचालनालय की आक्युत शिल्पा गुप्ता के खिलाफ 10 हजार का गिरतारी वारंट जारी कर किया गया है। युगलपीठ द्वारा अटूबर 2024 में शिक्षकों को लेकर दिए गए आदेश का आयुक्त ने पालन नहीं किया है। भोपाल जिलाधीश कौशलेन्द्र विक्रम सिंह के खिलाफ गिरतारी वारंट जस्टिस एके सिंह की अदालत ने रेरा द्वारा 2020 में दिए गए आरआरसी केस का निराकरण नहीं करने के मामल में जारी किया है। कर्मचारी रामकुमार गुप्ता से जुड़े प्रकरण में हाईकोर्ट की ग्वालियर खंडपीठ ने आदेश का पालन नहीं करने पर ग्वालियर जिलाधीश रुचिका चौहान को फटकार लगाई।

मामलों में नोटिस जारी किए हैं। इनमें से ग्वालियर, भिंड, उमरिया जिलाधीश एवं शहडोल संभागायुत की कार्यप्रणाली पर व्यतिगत टिप्पणी करने से लेकर जुर्माना तक लगाया गया है।

न्यायालय ने अपनी टिप्पणी में कहा कि अधिकारी ऑफिस में बैठकर खुद को शेर समझते हैं। ग्वालियर खंडपीठ ने पीएचई के कर्मचारी से जुड़े प्रकरण में 2020 में दिए आदेश का पालन नहीं करने पर प्रमुख सचिव पी. नरहरि को अवमानना का नोटिस भेजा है। भोपाल के डीसीपी को नोटिस तामील कर व्यतिगत रूप से उपस्थित कराने के आदेश दिए हैं। जबलपुर हाईकोर्ट के जस्टिस विवेक अग्रवाल ने महिला को जिलाबदर करने पर उमरिया जिलाधीश पर 25 हजार रुपए का जुर्माना लगाया है, जबकि शहडोल संभाग की कमिश्नर सुरभि गुप्ता पर टिप्पणी करते हुए उन्हें डाककर्मी बताया है।

न्यायालय ने जिलाबदर का आदेश निरस्त कर दिया है। हाईकोर्ट ने नर्मदापुरम जिले के सिवनी-मालवा टीआई द्वारा फायनेंस कंपनी के एजेंट की तरह काम करने पर पुलिस महानिदेशक को नोटिस जारी किया गया। एक अन्य मामले में चीफ जस्टिस सुरेश कुमार कैत और जस्टिस विवेक जैन की युगलपीठ ने डीजे पर प्रतिबंध को लेकर भी पुलिस महानिदेशक और गृह सचिव को नोटिस जारी कर पूछा कि आखिर कब तक तेज आवाज वाले डीजे पर प्रतिबंध लगेगा।

जल गंगा संवर्धन अभियान की समीक्षा बैठक संपन्न

प्रचलित और नव स्वीकृत जल संरक्षण कार्यों को पूर्ण करें - संभागायुक्त

भोपाल ■ अमृत दर्शन

संभागायुक्त संजीव सिंह ने प्रचलित एवं स्वीकृत जल संरक्षण कार्यों को पूर्ण करने,खेत तालाबों, अमृत सरोवरों के निर्माण एवं ऐतिहासिक धार्मिक तालाबों जलस्त्रोतों तथा देवालयों की साफ सफाई एवं जीर्णोद्धार करने के निर्देश दिए हैं। उन्होंने पेयजल स्त्रोतों को जिओ टैग कर समेकित रूप से जानकारी संग्रह करने एवं सभी शासकीय विभागों के बिल्डिंग्स में रूफ टॉप रैन वाटर हार्वेस्टिंग की व्यवस्था सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। सिंह ने सभी संभागीय अधिकारियों को जिले में सहभागी विभागों द्वारा अभियान हेतु प्रस्तावित गतिविधियों की कार्ययोजना तैयार कर निरंतर समीक्षा करने के निर्देश दिए।

संभागायुक्त संजीव सिंह ने मंगलवार को आयुक्त कार्यालय सभाकक्ष में जल गंगा संवर्धन अभियान की समीक्षा बैठक ली। बैठक में नगर निगम आयुक्त हरेंद्र नारायण, सीईओ स्मार्ट सिटी श्रीमती अंजू अरुण कुमार, संयुक्त आयुक्त विनोद यादव, सीईओ जिला पंचायत श्रीमती इला तिवारी एवं संबंधित अधिकारी उपस्थित थे।

संभागायुक्त सिंह ने नगरीय विकास एवं आवास विभाग को शहरी क्षेत्रों के बिगड़े बाग बगीचों को चिन्हांकित कर हरित विकास करने, जल संरक्षण में युवाओं की भागीदारी हेतु अमृत मित्र बनाने एवं नदियों में मिलने वाले नालों के शोध की कार्ययोजना तैयार कर क्रियान्वयन करने के निर्देश दिए। संभागायुक्त सिंह ने भूजल संवर्धन, नल जल योजनाओं के अंतर्गत पाइप लाइन लीकेज, टपकते नल ओर अपव्यय के निराकरण करने एवं पेयजल स्त्रोतों के पुनर्भरण हेतु रिचार्ज शाफ्ट संरचना के निर्माण कार्य हेतु लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग के अधिकारी को निर्देश दिए। संभागायुक्त सिंह ने औद्योगिक नीति एवं निवेश प्रोत्साहन विभाग और सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यम विभाग के अधिकारी को औद्योगिक इकाइयों में रूफ टॉप वाटर हार्वेस्टिंग के प्रावधान का पालन करवाने एवं औद्योगिक क्षेत्रों में जल निकासी एवं प्रबंधन की समुचित व्यवस्था सुनिश्चित करने के निर्देश दिए।

कांग्रेस जिलाध्यक्ष खुद तैयार करेंगे अपनी परफॉर्मेंस रिपोर्ट

मप्र कांग्रेस से जिला अध्यक्षों को दिया टास्क, हर 2 महीने में अपने काम की देनी होगी रिपोर्ट

भोपाल ■ अमृत दर्शन

मप्र कांग्रेस का पूरा फोकस संगठन की मजबूती पर है। इसके लिए तरह-तरह के प्रयोग किए जा रहे हैं। इसी कड़ी में अब कांग्रेस जिलाध्यक्ष को खुद अपनी परफॉर्मेंस रिपोर्ट तैयारी करनी होगी। उस रिपोर्ट के आधार पर संगठन आगे की कार्यवाही करेगा। जानकारी के अनुसार मप्र कांग्रेस ने जिला अध्यक्षों के कामकाज को लेकर एक फॉर्मेट भी तैयार किया है। हर 2 महीने में अपने काम की रिपोर्ट जिला अध्यक्षों को देनी होगी। मप्र कांग्रेस से जिला अध्यक्षों को टास्क दिया है। टास्क रिपोर्ट मप्र कांग्रेस को भेजनी होगी।

16 साल बाद जिला अध्यक्षों की बैठक: कांग्रेस आलाकमान प्रदेश में कांग्रेस संगठन को मजबूत बनाने

की रणनीति पर काम कर रहा है। इसके मद्देनजर दिल्ली ने 16 साल बाद जिला अध्यक्षों की बैठक बुलाई है। मप्र कांग्रेस के जिला अध्यक्षों की दिल्ली में 3 अप्रैल को शीर्ष नेतृत्व बैठक लेगा। जिसमें कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खडग़े और राहुल गांधी प्रमुख रूप से मौजूद रहेंगे। बैठक से पहले मध्य प्रदेश कांग्रेस कांग्रेस अपने सभी जिला अध्यक्षों को ट्रेनिंग दे दी है। मीटिंग में क्या बोलना है और क्या नहीं, इसके बारे में उन्हें बता दिया गया है। गुजरात में होने वाले अधिवेशन से पहले दिल्ली में बैठक होगी।

जिला अध्यक्षों को किया गया ट्रेंड

बैठक से पहले सभी जिला अध्यक्षों को ट्रेंड कर दिया गया है। जिला अध्यक्षों की को वर्चुअली ली गई बैठक में उन्हें बताया गया कि जो कुछ बोलना वह सोच समझ कर बोलना, साथ ही यदि किसी से पूछा जाए कि मप्र कांग्रेस संगठन में कितने ब्लॉक हैं, तो एक हजार मत बता देना। जिला अध्यक्षों को यह बताया गया कि किस तरह से पार्टी के वरिष्ठ नेताओं के सवालों का जवाब देना है। उन्हें यह भी कहा गया कि अपने जिले की हर जानकारी से अपडेट रहें। जिसमें कितने विधायक कांग्रेस के, कितने विधायक भाजपा के।

जनसुनवाई में कलेक्टर ने सुनी आवेदकों की समस्याएं

भोपाल। कलेक्टर कौशलेंद्र विक्रम सिंह ने मंगलवार को जिले से जनसुनवाई में आए नागरिकों की समस्याएं सुनीं। इस दौरान अनेक समस्याओं का निराकरण मौके पर ही किया गया। जनसुनवाई में आए नागरिकों से 75 आवेदन प्राप्त हुए। इस मौके पर एडीएम सिद्धार्थ जैन, भूपेन्द्र गोयल, अंकुर मेश्राम एवं अन्य अधिकारी उपस्थित रहे। कलेक्टर सिंह ने जनसुनवाई में आए हर एक आवेदक से धैर्यपूर्वक उनकी समस्याओं पर चर्चा की और उन्हें उनके शीघ्र निराकरण का आश्वासन भी दिया। उन्होंने मौके पर मौजूद अधिकारियों को नागरिकों से प्राप्त आवेदनों पर संवेदनशील रूख अपनाते हुए निराकरण करने के निर्देश दिए। उन्होंने आवेदकों की समस्याओं पर संबंधित क्षेत्र के अधिकारियों को कार्यवाही करने के निर्देश दिए।

महापौर राय चुनरी यात्रा में हुई सम्मिलित

भोपाल। महापौर मालती राय सेमरा कलां में मां शारदा उत्सव समिति द्वारा चैत्र नवरात्र के अवसर पर आयोजित भव्य चुनरी यात्रा में सम्मिलित हुई। इस अवसर पर नितिन पाठक, जीतू मलोटिया, मंदिर समिति के पदाधिकारीगण व बड़ी संख्या में श्रद्धालुजन उपस्थित थे। महापौर श्रीमती मालती राय मंगलवार को चैत्र नवरात्र के अवसर पर मां शारदा उत्सव समिति द्वारा आयोजित भव्य चुनरी यात्रा में सम्मिलित हुई। महापौर श्रीमती राय ने सेमरा कलां स्थित इमली मंदिर में मां भगवती की पूजा अर्चना कर चुनरी यात्रा का शुभारंभ किया।

पेट्रोल-डीजल पर लगाए टैक्स से भी अब होगा फ्लायओवर और सड़कों का निर्माण

भोपाल ■ अमृत दर्शन

केन्द्र सरकार द्वारा पेट्रोल-डीजल पर लिए जाने वाले टैक्सों के अलावा इन्फ्रास्ट्रक्चर के लिए अतिरिक्त सेस लगाया जाता है, जिससे सडक़ों-फ्लायओवरों का निर्माण देशभर में करवाया जा रहा है। भोपाल सहित प्रदेश के प्रमुख शहरों में फ्लायओवरों के अलावा महत्वपूर्ण सडक़ों के निर्माण भी सेंट्रल रोड फंड से करवाए जा रहे हैं। अब 22 जिलों की 30 सडक़ों का निर्माण और आधा दर्जन फ्लायओवरों भी सीआरएफ फंड से बनेंगे। लोक निर्माण विभाग को 5 हजार करोड़ रुपए से अधिक की राशि केन्द्र ने इस फंड से जारी की है।

लोक निर्माण विभाग अब सीआरएफ फंड से मिली राशि से भी जिन सडक़ों और फ्लायओवरों का निर्माण करवाया जाना है उनके सर्वे के बाद टेंडर की प्रक्रिया शुरू करेगा। इसमें भोपाल, इंदौर, उज्जैन सहित प्रदेश की कई महत्वपूर्ण सडक़ें शामिल हैं, जिनके प्रस्ताव विधायक और सांसदों के माध्यम से शासन और फिर उसके बाद

केन्द्रतक भेजे जाते हैं। गत वर्ष 3 हजार 800 करोड़ की राशि हासिल हुई थी। वहीं इस बार यह आंकड़ा 5 हजार करोड़ के पार हो गया है, जिसमें दो चरणों में 46 सडक़ों के साथ 7 फ्लायओवरों का निर्माण भी किया जाएगा। महत्वपूर्ण बात यह है कि इस फंड से सबसे अधिक सडक़ें पूर्व और वर्तमान मुख्यमंत्री के क्षेत्र में बन रही है। बुधनी के अलावा अधिक सडक़ें उज्जैन में निर्मित होंगी, जिसके प्रस्ताव सिंहस्थ के मद्देनजर भी शासन द्वारा केन्द्र को भेजे गए। लोक निर्माण विभाग का कहना है कि इनमें से कुछ सडक़ों के निर्माण शुरू भी हो गए हैं, जिनके टेंडर पूर्व में मंजूर कर लिए थे। अगले एक साल में इन सभी प्रमुख सडक़ों के निर्माण का लक्ष्य भी रखा गया है।

वर्धमान नगर एयरपोर्ट रोड में प्रात:कालीन धर्मसभा का हुआ आयोजन

अपराध का फल जेल है, तो पाप का फल दुर्गति : मुनि श्री प्रमाणसागर महाराज

भोपाल ■ अमृत दर्शन

मुनि श्री ने कहा कि पाप की क्रिया करेंगे तो पाप का बंध तो होगा ही होगा और जब पाप का बंध होगा तो पाप का फल भी मिलेगा ही मिलेगा मुनि श्री ने कहा कि मनुष्य के जीवन की यह एक विडंबना है, कि वह कर्म बांधने में बैखौफ होकर कर्म बांधता है,और जब वह कर्म पककर अपना फल देता है तो बहूत रोता है, कि हाय यह कैसे हो गया? मुनि श्री ने कहा कि जैसा कर्म तुमने किया है, तो बैसा फल तुम्है भोगना ही पड़ेगा जब महापुरुषों को भी कर्म फल भोगना पड़ा तो हम तुम तो साधारण प्राणी है।इसलिये कोई भी अशुभ कर्म है उसको करते समय सावधान रहो मुनि श्री ने कहा कि भगवान पारसनाथ के जीव को देखो एक भव में गल्ती हुई गलत

फहमी हुई उस पाप को काटने में 10भव लग गये और मुनि बनने के पश्चात भी कर्मों ने नहीं छोड़ा ।

चकृवतीओ तथा बड़े बड़े महापुरुषों को भी कर्म ने नहीं छोड़ा मुनि श्री ने कहा कि जीवन में पुण्य पाप का चक्र निरंतर चलता रहता है,कर्म बंध निरंतर हो रहा है इस बात का अहसास होंना छाहिये। मुनि श्री ने कहा कि अपराध का फल जेल है इसलिये अपराध करने से डरते हो,पाप फल दुर्गति है,जिस दिन यह बोध हो जाऐगा आप पाप से बच जाओगे मुनि श्री ने कहा कि पाप से डरोगे तभी कर्म के फल से बच पाओगे मुनि श्री ने कहा कि अशुभ प्रवत्तियों से हर पल सावधानी रखिये जीवन बहुत छोटा सा है,जीवन की कहानी समाप्त हो जाऐ कहा नहीं जा सकता न कल का भरोसा है,न पल का भरोसा मुनि श्री ने श्रीमद् राजचंद्र जो कि एक जैन साधक थे,और गांधी जी उनको अपना आध्यात्मिक गुरु मानते थे वह हमेशा कहते थे कि तीन बातें सदैब ध्यान रखना। काल सिर पर सबार है मौत कभी भी तुम पर हांवी हो सकती है पांव रखते ही पाप लगता है यानि हमारी प्रत्येक प्रवत्ती में पाप समाया हुआ है,कदम कदम पर पाप का बंध हो रहा है यह अहसास अपने मन में जाग्रत होंना चाहिये।नजर खोलते ही जहर चड़ता है पंचेन्द्रिय के विषयों की ओर देखा नहीं कि उनका जहर चड़ा नहीं यह विषय विष से खतरनाक बिष है विष तो एक भव को लीलता है विषय भोग भव भव को लील जाते है मुनि श्री ने कहा कि जिसे कर्मो से डर लगता है उसी को बैराग्य होता है आचार्य श्री हमेशा कहा करते थेसंसारी प्राणी सभी वीर योद्धा है इनको कर्मो से कोई डर नहीं लगताजिसे कर्मो से डर होता है वही कर्मवंध से बच सकता है।

उन्होंने कर्मवंध के फल से बचने का उपाय बताते हुये कहा कि कर्म जब पक कर तैयार है और अपना फल दैने लगे तो सबसे पहले समता रखो उस पर हर्ष विषाद या राग द्वैष मत करो यदि करोगे तो कर्म और हांवी होगा।

अनमोल वचन

बाधाए वो डरावनी चीजे है, जो आप तब देखते है जब आप लक्ष्य से अपनी आँखे हटा लेते है।

हेनरी फोर्ड

अपने मिशन में कामयाब होने के लिए, आपको अपने लक्ष्य के प्रति एकचित निष्ठावान होना पड़ेगा।

अब्दुल कलाम

सम्पादकीय

भारत के सशक्त स्वास्थ्य मोर्चे का दुनिया ने लोहा माना

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के 'स्वस्थ भारत मिशन' के तहत देश भर में चलाई जा रही विभिन्न स्वास्थ्य योजनाओं से देश में व्यापक पैमाने पर बदलाव ही नहीं, बल्कि आमूल-चूल परिवर्तन आया है। यह बात हम नहीं कह रहे, बल्कि पूरी दुनिया इस योजना का लोहा मान रही है। संयुक्त राष्ट्र ने भारत में विभिन्न स्वास्थ्य योजनाओं के तहत शिशु मृत्यु दर में कमी लाने की तारीफ की है। इतना ही नहीं यूएन ने प्रधानमंत्री मोदी की आयुष्मान भारत योजना को भी शानदार, अनूठी एवं प्रेरक बताया है। एक कार्यक्रम के दौरान विश्व निकाय ने 'आयुष्मान भारत' जैसी स्वास्थ्य पहलों का उदाहरण देते हुए शिशु मृत्यु दर में कमी लाने में भारत के प्रयासों और प्रगति की सराहना की तथा इसे 'अनुकरणीय' बताया। मोदी सरकार के ऐसे कामों एवं उपलब्धियों की आलोचना करने वालों को प्रशंसा भी करनी चाहिए, क्योंकि अच्छे काम के लिए प्रशंसा सरकारों को मूल्यवान महसूस कराती हैं और उन्हें अपने काम के प्रति अधिक वफ़ादार एवं जिम्मेदार बनाती हैं। अनेक शोध के अनुसार, जो देश एवं प्रांत अपनी सरकारों की उल्लेखनीय उपलब्धियों को मान्यता देते हैं, उनकी उत्पादकता और प्रदर्शन में अधिक वृद्धि देखी जाती है और दुनिया इसकी प्रशंसा करती है। प्रशंसा और आभार व्यक्त करने से समुदाय की भावना, जिम्मेदारी और राष्ट्र के लिये कुछ अधिक सशक्त करने का एक कारण मिलता है। ऐसे कारणों से नया भारत, विकसित भारत एवं सशक्त भारत का निर्माण होता है। मोदी सरकार अनेक क्षेत्रों में अनूठा एवं विलक्षण करते हुए देश से न केवल गरीबी का कलंक मिटाया है बल्कि अनेक समस्याओं से मुक्ति भी दिलायी है। स्वास्थ्य मोर्चे पर भारत की उपलब्धियों आश्चर्यकारी रही है, कोरोना-काल में भारत ने दुनिया को स्वास्थ्य-सहायता पहुंचायी है। वर्ष 2000 के बाद भारत में नौनिहालों का जीवन बचाने की सार्थक एवं प्रभावी मुहिम छेड़ी है, जो एक बड़ी छलांग एवं उपलब्धि है। संयुक्त राष्ट्र की एक एजेंसी के इस आकलन से मोदी सरकार अपनी पीठ थपथपा सकती है कि संयुक्त राष्ट्र एजेंसी की रिपोर्ट में उन योजनाओं और कार्यक्रमों का उल्लेख किया गया है, जिनके चलते शिशुओं की मृत्युदर कम करने में सफलता मिली है। इसका अर्थ है कि बीते कुछ समय में स्वास्थ्य सेवाओं और ढांचे को बेहतर करने के लिए वास्तव में कई उल्लेखनीय कदम उठाए गए हैं। इनमें आयुष्मान भारत योजना भी है। इसका उल्लेख भी संयुक्त राष्ट्र एजेंसी ने विशेष रूप से किया है। यह स्वास्थ्य संबंधी विश्व की सबसे बड़ी योजना है। यह निर्धन परिवारों के लिए वरदान सिद्ध हुई है। आश्चर्य नहीं कि संयुक्त राष्ट्र एजेंसी ने कहा कि भारत ने रणनीतिक निवेश के माध्यम लाखों लोगों के जीवन को बचाने का काम किया है। आयुष्मान भारत योजना की उपयोगिता को देखकर ही हाल में 70 वर्ष की आयु के सभी बुजुर्गों को इस योजना के दायरे में लाया गया है। इसने दिखाया है कि राजनीतिक इच्छाशक्ति, साक्ष्य-आधारित रणनीतियों और निरंतर निवेश से शिशु मृत्यु दर में ही नहीं, बल्कि अन्य स्वास्थ्य चुनौतियों में पर्याप्त कमी लाई जा सकती है। संयुक्त राष्ट्र अंतर-एजेंसी समूह की बाल मृत्युदर आकलन रिपोर्ट में भारत, नेपाल, सेनेगल, घाना व बुरुंडी का उदाहरण दिया गया। वर्ष 2000 से भारत ने पांच वर्ष से कम आयु के बच्चों की मृत्युदर में 70 व नवजात शिशुओं की मृत्युदर में 61 प्रतिशत की कमी हासिल की है। स्वास्थ्य कवरेज बढ़ाने, सशक्त स्वास्थ्य नीतियों एवं योजनाओं से मौजूदा स्थिति को सुधारने के लिए किए गए उपायों के कारण ऐसा संभव हुआ है। रिपोर्ट में कहा गया है कि हर गर्भवती महिला मुफ्त प्रसव की हकदार है और शिशु देखभाल संस्थानों में मुफ्त परिवहन, दवाएं, निदान और आहार इसमें सहायता प्रदान करती है। भारत ने प्रसूति प्रतीक्षा गृहों, मातृ एवं शिशु स्वास्थ्य विंग, बीमार नवजात की देखभाल, मातृ देखभाल और जन्म दोष जांच के लिए बुनियादी ढांचे को मजबूत किया है। भारत ने मातृ एवं शिशु स्वास्थ्य सेवा प्रदान करने के लिए दाइयों व कुशल प्रसव सहायकों के प्रशिक्षण और तैनाती को भी प्राथमिकता दी है। दुनिया भर में लगभग एक अरब बच्चे पहले से ही उच्च जोखिम वाले जलवायु खतरों का सामना कर रहे हैं और बच्चों के जलवायु जोखिम सूचकांक में भारत 26वें स्थान पर है। रिपोर्ट में पूर्वानुमान व्यक्त किया गया है कि जलवायु संकट बच्चों के स्वास्थ्य, शिक्षा पर तथा पानी जैसे आवश्यक संसाधनों तक उनकी पहुंच पर प्रतिकूल प्रभाव डाल सकता है। लेकिन भारत इन स्थितियों में स्वास्थ्य चुनौतियों को कम करने के लिये सशक्त योजनाओं एवं सोच के साथ तत्पर है। मोदी सरकार की प्रभावी स्वास्थ्य योजनाओं के बावजूद अब भी स्वास्थ्य के मोर्चे पर बहुत कुछ किया जाना बाकी है। बड़ी हकीकत यह भी है कि एक बड़ी संख्या में लोग सरकारी अस्पतालों में मजबूरी में ही उपचार कराना पसंद करते हैं। छोटे शहरों और गांवों में न केवल डॉक्टरों, स्वास्थ्य कर्मियों की कमी है, बल्कि अस्पतालों और मेडिकल उपकरणों की भी। इसके चलते इन क्षेत्रों के लोग शहरों के बड़े अस्पतालों की ओर दौड़ लगाते हैं, जहां निजी क्षेत्र के अस्पतालों के मुकाबले सरकारी अस्पताल बहुत पीछे नजर आते हैं। यह सही है कि बीते कुछ वर्षों में अनेक नए मेडिकल कॉलेज खुले हैं, लेकिन सरकार के सामने बड़ी समस्या है कि इन मेडिकल कॉलेजों से निकले डॉक्टर ग्रामीण इलाकों में सेवाएं देने के लिए तैयार नहीं होते। सरकारी अस्पतालों को सशक्त एवं सर्वसुविधायुक्त किया गया है लेकिन समय के साथ उपचार महंगा होता जा रहा है। यदि किसी गंभीर बीमारी से ग्रस्त व्यक्ति को निजी अस्पताल में उपचार कराना पड़ता है तो वह कर्जे में डूब जाता है। इसका एक कारण यह भी है कि अपने यहां स्वास्थ्य बीमा का उतना चलन नहीं, जितना आवश्यक है। सरकारें इससे अनभिज्ञ नहीं हो सकतीं कि अधिक आयु के लोगों के लिए स्वास्थ्य बीमा महंगा होता जाता है और इसके बाद भी उसमें अच्छा-खासा जीएसटी लगता है। सरकार को अधिक प्रभावी स्वास्थ्य परिणामों के लिये स्वास्थ्य सेवाओं एवं दवाओं को जीएसटी से मुक्त करना चाहिए। बच्चों की बढ़ती आबादी के साथ नित नई चुनौतियाँ भी बढ़ेंगी। इसलिए इन चुनौतियों से निपटने के लिए बच्चों और युवाओं की शिक्षा, स्वास्थ्य देखभाल और कौशल विकास में अधिक निवेश करना बहुत जरूरी है।

चिंतन-मनन

सिद्धांत गौण है, सत्ता प्रमुख

पिछले दिनों में राष्ट्रीय रंगमंच पर जिस प्रकार का राजनीतिक चरित्र उभरकर आ रहा है, वह एक गंभीर चिंता का विषय है। ऐसा लगता है, राजनीति का अर्थ देश में सुव्यवस्था बनाए रखना नहीं, अपनी सत्ता और कुर्सी बनाए रखना है। राजनीतिज्ञ का अर्थ उस नीति-निपुण व्यक्तित्व से नहीं है, जो हर कीमत पर राष्ट्र की प्रगति, विकास-विस्तार और समृद्धि को सर्वोपरी महत्व दे; किंतु उस विदूषक-विशारद व्यक्तित्व से है, जो राष्ट्र के विकास और समृद्धि को अवनति के गर्त में फेंककर भी अपनी कुर्सी को सर्वोपरि महत्व देता हो। राजनेता का अर्थ राष्ट्र को गति की दिशा में अग्रसर करने वाला नहीं, अपने दल को सत्ता की ओर अग्रसर करने वाला रह गया है। यही कारण है कि आज राष्ट्र गौण है, दल प्रमुख है। सिद्धांत गौण है, सत्ता प्रमुख है। चरित्र गौण है, कुर्सी प्रमुख है। एक राजनेता में राष्ट्रीय चरित्र, न्याय-सिद्धांत और नेतृत्व क्षमता के गुणों की आवश्यकता नहीं, किंतु आज कुशल राजनेता वही है, जो अपने दल के लिए राष्ट्र के साथ भी विश्वासघात कर सकता हो, अपनी कुर्सी के लिए अपने दल के साथ भी विश्वासघात करने का जिसमें साहस या दुस्साहस हो। बहुत बार मन में प्रश्न उभरता है, क्या राजनीति का अपना कोई चरित्र नहीं होता अथवा सत्ता प्राप्ति के लिए राष्ट्र, समाज, दल और व्यक्ति की विश्वासपूर्ण भावनाओं के साथ खिलवाड़ करना ही राजनीति का चरित्र होता है? जनता की कोमल भावनाओं का शोषण करके सत्तासीन होने के बाद क्या राजनेता का व्यक्तित्व जनता और राष्ट्र से भी बड़ा हो जाता है? यदि ऐसा नहीं है तो आज की राजनीति क्यों अपने प्रिय पुत्रों, संबंधियों और चमचों-चाटुकारों के चप्रव्यूह में फंसकर रह गई है? राष्ट्र को स्थिर नेतृत्व प्रदान करने के नाम पर क्यों सिद्धांतहीन समझौते और स्तरहीन कलाबाजियां दिखाई जा रही हैं?

शक्ति पूजा का पर्व है नवरात्रि का त्यौहार

यह त्योहार एक बार वसंत ऋतु के दौरान चैत्र नवरात्रि और शरद ऋतु के दौरान शरद नवरात्रि के रूप में मनाया जाता है। शरद नवरात्रि अश्विन के महीने के दौरान मनाई जाती है जो आमतौर पर सितंबर या अक्टूबर में आती है। वहीं चैत्र नवरात्रि हिन्दू कैलेंडर के चैत्र महीने के दौरान मनाई जाती है। चैत्र नवरात्रि आमतोर पर मार्च या अप्रैल महीने में मनाई जाती है। नवरात्रि एक संस्कृत शब्द है जिसका अर्थ होता है नौ रातें।

रमेश सर्राफ धमोरा

नवरात्रि देवी दुर्गा के नौ अवतारों या स्वरूपों की पूजा करने का प्रसिद्ध त्योहार है। जिसे शक्ति या देवी के रूप में भी जाना जाता है। यह त्योहार एक बार वसंत ऋतु के दौरान चैत्र नवरात्रि और शरद ऋतु के दौरान शरद नवरात्रि के रूप में मनाया जाता है। शरद नवरात्रि अश्विन के महीने के दौरान मनाई जाती है जो आमतौर पर सितंबर या अक्टूबर में आती है। वहीं चैत्र नवरात्रि हिन्दू कैलेंडर के चैत्र महीने के दौरान मनाई जाती है। चैत्र नवरात्रि आमतोर पर मार्च या अप्रैल महीने में मनाई जाती है। नवरात्रि एक संस्कृत शब्द है जिसका अर्थ होता है नौ रातें। इन नौ रातों और दस दिनों के दौरान शक्ति- देवी के नौ रूपों की पूजा की जाती है। दसवां दिन दशहरा के नाम से प्रसिद्ध है।

नवरात्रि वर्ष में चार बार आता है। चैत्र, आषाढ़, अश्चिन, पौष प्रतिपदा से नवमी तक मनाया जाता है। नवरात्रि के नौ रातों में तीन देवियों महालक्ष्मी, सरस्वती और दुर्गा के नौ स्वरुपों की पूजा होती है जिन्हें नवदुर्गा कहते हैं। दुर्गा का मतलब जीवन के दुख को हटानेवाली होता है। नवरात्रि एक महत्वपूर्ण प्रमुख त्योहार है जिसे पूरे भारत में पूरे उत्साह के साथ मनाया जाता है। नवरात्रि का त्यौहार असत्य पर सत्य की जीत को दर्शाता है। हिन्दू मान्यताओं के अनुसार नवरात्रि साल में दो बार मनाया जाता है। हिंदी महीनो के मुताबिक पहला नवरात्रि चैत्र महीने में मनाया जाता है और दूसरी बार अश्विन महीने में मनाया जाता है। नवरात्रि नौ दिनों तक निरंतर चलता है जिसमे देवी माँ के अलग अलग स्वरूपों की लोग भक्ति और निष्ठा के साथ पूजा करते है। भारत में नवरात्रि अलग अलग राज्यों में विभिन्न तरीको और विधियों के संग मनाई जाती है। धार्मिक मान्यताओं के अनुसार इन्हीं नौ दिनों में मां दुर्गा धरती पर आती है। उनके आने की खुशी में इन दिनों को दुर्गा उत्सव के तौर पर देशभर में धूमधाम से मनाया जाता हैं।

नवरात्रि पर्व के नौ दिनों के दौरान आदिशक्ति जगदम्बा के नौ विभिन्न रूपों की आराधना की जाती है। ये नौ दिन वर्ष के सर्वाधिक पवित्र दिवस माने गए हैं। इन नो दिनों का भारतीय धर्म एवं दर्शन में ऐतिहासिक महत्व है और इन्हीं दिनों में बहुत सी दिव्य घटनाओं के घटने की जानकारी हिन्दू पौराणिक ग्रन्थों में मिलती है। माता के इन नौ रूपों को नवदुर्गा के नाम से भी जाना जाता है जो इस प्रकार हैं -शैलपुत्री,

ब्रह्माचारिणी, चन्द्रघन्टा, कूष्माण्डा, स्कन्द माता, कात्यायिनी, कालरात्रि, महागौरी और सिध्दिदात्री।

नवरात्रि से हमें अधर्म पर धर्म और बुराई पर अच्छाई के जीत की सीख मिलती हैं। यह हमें बताती है की इंसान अपने अंदर की मूलभूत अच्छाइयों से नकारात्मकता पर विजय प्राप्ती और स्वयं के अलौकिक स्वरूप से साक्षात्कार कैसे कर सकता है। भारतीय जन-जीवन में धर्म की महत्ता अपरम्पार है। यह भारत की गंगा-जमुना तहजीब का ही नतीजा है कि सब धर्मों को मानने वाले लोग अपने-अपने धर्म को मानते हुए इस देश में भाईचारे की भावना के साथ सदियों से एक साथ रहते चले आ रहे हैं। यही कारण है की पूरे विश्व में भारत की धर्म व संस्कृति सर्वोतम मानी गयी है। विभिन्न धर्मों के साथ जुड़े कई पर्व भी है जिसे भारत के कोने कोने में श्रद्धा, भक्ति और धूमधाम से मनाया जाता है। उन्ही में से एक है नवरात्रि।

नवरात्रि के पहले दिन बालिकाओं की पूजा की जाती है। दूसरे दिन युवती की पूजा की जाती है। तीसरे दिन जो महिला परिपक्वता के चरण में पहुंच गयी है, उसकि पूजा की जाती है। नवरात्रि के चैथे, पांचवें और छठे दिन लक्ष्मी- समृद्धि और शांति की देवी की पूजा करने के लिए समर्पित है। आठवे दिन पर एक यज्ञ किया जाता है। नौवा दिन नवरात्रि समारोह का अंतिम दिन है। यह महानवमी के नाम से भी जाना जाता है। इस दिन उन नौ जवान लड़कियों की पूजा होती है जो अभी तक यौवन की अवस्था तक नहीं पहुंची है। इन नौ लड़कियों को देवी दुर्गा के नौ रूपों का प्रतीक माना जाता है। लड़कियों का सम्मान तथा स्वागत करने के लिए उनके पैर धोए जाते हैं। पूजा के अंत में लड़कियों को उपहार के रूप में नए कपड़े, वस्तुयें, फल प्रदान किए जाते हैं।

शक्ति की उपासना का पर्व शारदीय नवरात्र प्रतिपदा से नवमी तक निश्चित नौ तिथि, नौ नक्षत्र, नौ शक्तियों की नवधा भक्ति के साथ सनातन काल से मनाया जा रहा है। आदिशक्ति के हर रूप की नवरात्र के नौ दिनों में क्रमशरू अलग-अलग पूजा की जाती है। मां दुर्गा की नौवीं शक्ति का नाम सिद्धिदात्री है। ये सभी प्रकार की सिद्धियां देने वाली हैं। इनका वाहन सिंह है और कमल पुष्प पर ही आसीन होती हैं। नवरात्रि के नौवें दिन इनकी उपासना की जाती है।

इस पर्व से जुड़ी एक कथा अनुसार देवी दुर्गा ने एक भैंस रूपी असुर अर्थात महिषासुर का वध किया था। पौराणिक कथाओं के अनुसार महिषासुर के एकाग्र ध्यान से बाध्य होकर देवताओं ने उसे अजय होने का वरदान दे दिया। उसको वरदान देने के बाद देवताओं को चिंता हुई कि वह अब अपनी शक्ति का गलत प्रयोग करेगा। महिषासुर ने अपने साम्राज्य का विस्तार स्वर्ग के द्वार तक कर दिया और उसके इस कृत्य को देख देवता विस्मय की स्थिति में आ गए। महिषासुर ने सूर्य, इन्द्र, अग्नि, वायु, चन्द्रमा, यम, वरुण और अन्य देवताओं के सभी अधिकार छीन लिए और स्वयं स्वर्गलोक का मालिक बन बैठा। देवताओं को महिषासुर के प्रकोप से पृथ्वी पर विचरण करना पड़ रहा था तब महिषासुर के इस दुस्साहस से क्रोधित होकर देवताओं ने देवी दुर्गा की रचना की।

ऐसा माना जाता है कि देवी दुर्गा के निर्माण में सारे देवताओं का एक समान बल लगाया गया था। महिषासुर का नाश करने के लिए सभी देवताओं ने अपने अपने अस्त्र देवी दुर्गा को दिए थे और कहा जाता है कि इन देवताओं के सम्मिलित प्रयास से देवी दुर्गा और बलवान हो गई थी। इन नौ दिन देवी-महिषासुर संग्राम हुआ और अन्ततरू महिषासुर-वध कर महिषासुर मर्दिनी कहलायीं। नवदुर्गा और दस महाविद्याओं में काली ही प्रथम प्रमुख हैं। भगवान शिव की शक्तियों में उग्र और सौम्य, दो रूपों में अनेक रूप धारण करने वाली दशमहाविद्या अनंत सिद्धियां प्रदान करने में समर्थ हैं। दसवें स्थान पर कमला वैष्णवी शक्ति हैं, जो प्राकृतिक संपत्तियों की अधिष्ठात्री देवी लक्ष्मी हैं। देवता, मानव, दानव सभी इनकी कृपा के बिना पंगु हैं, इसलिए आगम-निगम दोनों में इनकी उपासना समान रूप से वर्णित है। सभी देवता, राक्षस, मनुष्य, गंधर्व इनकी कृपा-प्रसाद के लिए लालायित रहते हैं।

बागमती नदी पर बराज बनाने का किसानों का विरोध

सीतामढ़ी जिले में बागमती नदी पर दो नए बराज बनाए जाएंगे। ये बराज ढेंग और कटौंझा के पास बनाए जाएंगे। इन बराजों के निर्माण के लिए 25.37 करोड़ रुपये का बजट आवंटित किया गया है। सरकार का दावा है कि बराज बागमती नदी के जलस्तर को नियंत्रित करेंगे और बाढ़ के प्रकोप को कम करेंगे। हाल में सीतामढ़ी में हुए किसान कन्वेशन में इस योजना का विरोध किया गया।

कुमार कृष्णन

बागमती नदी नेपाल के तराई क्षेत्र से निकलकर दक्षिण-मध्य नेपाल और उत्तरी बिहार राज्य, पूर्वोत्तर भारत में बहती है। सीतामढ़ी जिले में बागमती नदी पर दो नए बराज बनाए जाएंगे। ये बराज ढेंग और कटौंझा के पास बनाए जाएंगे। इन बराजों के निर्माण के लिए 25.37 करोड़ रुपये का बजट आवंटित किया गया है। सरकार का दावा है कि बराज बागमती नदी के जलस्तर को नियंत्रित करेंगे और बाढ़ के प्रकोप को कम करेंगे। हाल में सीतामढ़ी में हुए किसान कन्वेशन में इस योजना का विरोध किया गया।

वर्ष 2012 से ही बागमती में तटबंध बनाये जाने का विरोध109 गांवों के किसा नकर रहे हैं पर सरकार तटबंध बनाने की पुरजोर कोशिश कर रही है।

किसानों का मनाना है कि तटबंध के बन जाने से वे उस उपजाऊ मिट्टी से वंचित रह जायेंगे जो हर साल बागमती अपने साथ लाती है। बागमती पर जहां तटबंध बने हैं, वहां के खेतों की उर्वरकता घटी है। वर्ष 2018 में जब लोगों के विरोध के बावजूद यहां तटबंध निर्माण शुरू हो गया था तो हजारों किसानों ने हाईवे जाम कर दिया। इस विरोध के बाद सरकार ने काम रोक दिया और इसकी समीक्षा के लिए तीन सदस्यीय कमिटी का गठन किया था। उस कमिटी के एक महत्वपूर्ण सदस्य अनिल प्रकाश कहते हैं कि कमेटी को काम भी नहीं करने दिया गया और उसकी रिपोर्ट भी तैयार नहीं हुई।

इस कमिटी में अनिल प्रकाश के अलावा प्रसिद्ध नदी विशेषज्ञ दिनेश कुमार मिश्र और आईआईटी, कानपुर से जुड़े प्रोफेसर राजीव सिन्हा शामिल हैं। अनिल प्रकाश कहते हैं कि अब तक उस कमिटी की एक ही बैठक हुई है। हां, समय-समय पर उसका समय बढ़ाया जाता रहा है। ताजा सूचना के अनुसार उसका समय 31 दिसंबर, 2020 तक कर दिया गया था। उसके बाद की सूचना उपलब्ध नहीं है। तटबंध बने या न बने, इस पर कमेटी की कोई रिपोर्ट आयी नहीं कि फिर अब बराज निर्माण की तैयारी की जा रही है।

बागमती के सवाल पर सीतामढ़ी में हुए किसान कन्वेशन में बागमती में बराज निर्माण पर तत्काल रोक लगाने की मांग की गयी और इसका एकजुट होकर विरोध करने का फैसला लिया गया। साथ ही तटबंधों पर जहां गांव नही हो वहां लचका बनाकर या स्लूईश गेट के माध्यम से उपजाऊ पानी खेतों को दिलाने,सुप्पी तथा मेजरगंज के कटाव प्रभावित गांवों की सुरक्षा के साथ विस्थापित परिवारों को मुआबजा भुगतान कराने,पूर्व से विस्थापित परिवारों को भूमि पर कब्जा दिलाने,2024के बाढ,कटाव तथा तटबंध टूटने से प्रभावितों को उचित अनुदान तथा गृह क्षति मुआबजा भुगतान, जलवायु परिवर्तन के कुप्रभाव से नदियों को बचाने,अल्पवर्षा,कटाव रोकने,गाद सुरक्षा हेतू नेपाल से भारत तक सघन वृक्षारोपण के लिए ठोस पहल करने की मांग की गयी। कन्वेशन में पारित दस सूत्री प्रस्ताव को सरकार को भेजा जाएगा।

बागमती नदी पर तटबंध तथा बराज निर्माण के नाम पर1970 के दशक से ही बडा सपना दिखाया जा रहा है ।सरकार अब पुनः बराज का सपना दिखा रही है। वहां के लोगों का कहना है कि सरकार सपना दिखाने के वजाए बागमती को बचाने तथा उसका उपजाऊ पानी खेतों को सुलभ कराने पर काम करे ।लोगों ने साफ तौर कहा कि तटबंध-बराज नहीं बागमती का पानी चाहिए।

नेपाल सीमा से सटे मेजरगंज प्रखंड के बसबीट्टा बाजार पर पंचायत भवन के सभागार में किसान नेता तथा स्थानीय मुखिया राघवेन्द्र कुमार सिंह की अध्यक्षता में जलवायु परिवर्तन-नदी विमर्श मंच के तत्वावधान मेंआयोजित किसान-कन्वेंशन में प्रस्ताव पारित कर सरकार से 10सूत्री मांगो पर अमल की मांग की गई। राघवेन्द्र कुमार सिंह ने तटबंध के भीतर के गांवों तथा मेजरगंज तथा सुप्पी में बागमती की समस्या पर प्रकाश डाला।

कन्वेंशन में पर्यावरणविद तथा नदी जल विशेषज्ञ रामशरण अग्रवाल ने कहा प्रथम सिंचाई मंत्री ने तटबंध का विरोध किया था ।गाद निकालना समस्या है परन्तु गाद नही आने पर चिंतन नही किया जा रहा है ।नेपाल के पहाड से समतल तक वृक्षारोपण से गाद रूकेगी ।बिहार सरकार स्वेत पत्र जारी करे तथा बागमती पर कितनी राशि खर्च हुई उसकी मांग उठनी चाहिए। बडी नदियों के जीवन के लिए छोटी नदियों को भी बचाना होगा ।योजना बनाते समय विस्तृत जानकारी संबंधित क्षेत्रों को दिया जाना जरूरी है ।उन्होने पर्यावरण तथा जलवायु संकट पर विस्तार से प्रकाश डाला।

गांधीवादी तथा नदी जल विशेषज्ञ प्रो आनन्द किशोर ने कहा कि फरक्का बराज से गंगा गाद से भरकर दर्जनो जिलों में तबाही मचा रही है ।मुख्यमंत्री तथा जल संसाधन मंत्री फरक्का बराज तोडने की बात कह चुके है वहीं कोशी का बीरपुर बराज फेल है फिर बागमती में ढेंग तथा कटौझा में 45 किमी के बीच दो बराज तथा नेपाल से कटौझा 85कि मी में तीन बराज का कोई औचित्य नही है।

वैश्विक स्तरपर भारतीय संस्कृति के विविध रंगों और आध्यात्मिक शक्ति ने आकर्षित किया है

किशन सनमुखदास भावनानीं

भारत हज़ारों वर्षों से संस्कृति, साहित्य, कला और संगीत के विविध रंगों और आध्यात्मिक शक्ति से भरपूर एक अणखुट खज़ाने का धनी रहा है जिसे विश्व के हर देश ने बड़ी जिज्ञासा के साथ महसूस किया है और यह जानने की कोशिश की है कि आखिर कोई देश इस अलौकिक सृष्टि में इतना कुदरती खज़ाने से भरपूर कैसे हो सकता है!! साथियों बात अगर हम इस वैश्विक सोच की करें तो हमारी जीत इस सोच के साथ ही हो जाती है कि हमारे देश के बारे में विश्व इतना सकारात्मक और जिज्ञासा से भरी बौद्धिक क्षमता से देख वह सोच रहा है। फिर सोने पर सुहागा है कि आज जिस तेजी के साथ हमारा देश प्रौद्योगिकी, स्वास्थ्य, परिवहन, शिक्षा, कौशलता विकास, नवाचार, नवोन्मेष सहित अनेक क्षेत्रों में आगे बढ़ रहा है और वैश्विक स्तरपर उपलब्धियों की झड़ी लगा रहा है उसे देखकर पूर्ण विकसित देश भी हैरान हैं!! साथियों बात अगर हम वर्तमान में भारतीय संस्कृति, कला, साहित्य, संगीत को प्रोत्साहन देने और शासकीय स्तरपर लोगों को आगे आने की अपील करने की करें तो हम रोज़ प्रिंट और इलेक्ट्रॉनिक मीडिया में देखते सुनते पढ़ते हैं कि माननीय उपराष्ट्रपति, प्रधानमंत्री सहित अनेक बुद्धिजीवियों कला प्रेमियों द्वारा अपने अनेक संबोधनों में भारतीय कला, संस्कृति, साहित्य, भाषा, मातृभाषाओं को प्रोत्साहन देने और विलुप्तता से बचाने पर जोर दिया है हमारी भारतीय सभ्यता, परंपराओं, संस्कृति के विविध रंगों को सुरक्षित और कायम रखने के लिए उत्साहवर्धक कार्यक्रमों का आयोजन भी किया जा रहा है जो काबिले तारीफ है। साथियों बात अगर हम इस डिजिटल इंडिया में भारतीय संस्कृति, सभ्यता, परंपराओं के विभिन्न रंगों के संरक्षण और सुरक्षा की करें तो इसके हर रंग को जो मानवीय हस्तकला से संजोयित हैं, उन्हें इलेक्ट्रॉनिक उपकरणों से संरक्षित करने का प्रयास किया जा रहा है ताकि सदियों तक हमारी अगली पीढ़ी भी इसके महत्व का मूल्यांकन कर सके और जब तक यह सृष्टि रहे तब तक हमारी भारतीय संस्कृति, कला, साहित्य, संगीत सुरक्षित रहे जो हमारा अनमोल खज़ाना और धरोहर है उसे हम यूं विलुप्त होने नहीं देंगे यह सोच आज हर भारतीय नागरिक के हृदय में समाना अत्यंत ज़रूरी है, खास करके हमारे युवा साथियों को इस परंपरा को आगे संरक्षित करना है क्योंकि आज भारत की 65 फ़ीसदी जनसंख्या युवा है। साथियों बात अगर हम माननीय पीएम द्वारा मन की बात कार्यक्रम में कहे गए अपने विचारों की करें तो उन्होंने भी इस अवसर पर भारतीय कला, संस्कृति, साहित्य, संगीत पर सार्थक हृदय से अपने विचार रखें जो तारीफ़ के काबिल है पीआईबी के अनुसार उन्होंने कहा, भारतीय संस्कृति के विविध रंगों और आध्यात्मिक शक्ति ने हमेशा से दुनियाभर के लोगों को अपनी ओर खींचा है। अगर मैं आपसे कहूँ कि भारतीय संस्कृति, अमेरिका, कनाडा, दुबई, सिंगापुर, पश्चिमी यूरोप और जापान में बहुत ही लोकप्रिय है तो यह बात आपको बहुत सामान्य लगेगी, आपको कोई हैरानी नहीं होगी। लेकिन, अगर ये कहूँ कि भारतीय संस्कृति का लेटिन अमेरिका और साउथ अमेरिका में भी बड़ा आकर्षण है, तो, आप एक बार जरुर सोच में पड़ जायेंगे। मैक्सिको में खादी को बढ़ावा देने की बात हो या फिर ब्राज़ील में भारतीय परम्पराओं को लोकप्रिय बनाने का प्रयास, मन की बात में हम इन विषयों पर पहले चर्चा कर चुके हैं। आज मैं आपको अर्जेंटीना में फहरा रहे भारतीय संस्कृति के परचम के बारे में बताऊंगा। अर्जेंटीना में हमारी संस्कृति को बहुत पसंद किया जाता है।

खास बात

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की नागपुर यात्रा ?

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी अपने 11 वर्ष के कार्यकाल में पहली बार अपनी मातृ संस्था केशव कुंज नागपुर पहुंचे। उन्होंने कार्यक्रम के दौरान संघ प्रमुख मोहन भागवत की तारीख की ।प्रित संगठन संघ की तारीफ में कसीदे गढ़े। स्मृति मंदिर पहुंचकर पूर्वजों को श्रद्धांजलि दी। उसके बाद लगे हाथ भीमराव अंबेडकर को भी श्रद्धांजलि देने दीक्षा भूमि पहुंच गए। प्रधानमंत्री मोदी की नागपुर यात्रा को लेकर कयास लगाए जा रहे हैं। यह माना जा रहा है, उनका कार्यकाल बहुत कम समय का बचा है। पहले भाजपा का राष्ट्रीय अध्यक्ष संघ अपनी पसंद का बनाएगा। उसके बाद प्रधानमंत्री को बदला जाएगा ।मोदी की उम्र 75 वर्ष पूर्ण हो चुकी है। सत्ता में अब उनकी पकड़ कमजोर हो गई है। उनका मार्गदर्शक मंडल में जाने का समय आ गया है। उन्होंने संघ को बहुत कमजोर कर दिया था ।संघ अब उन्हें सत्ता से बाहर करने जा रहा है। इस तरह की खबरें देश भर में सोशल मीडिया के माध्यम से फैलाई जा रही हैं। सच क्या है, भगवान जाने। अभी तो दोनों एक दूसरे की तारीफ कर रहे हैं।

नितीश बाबू शाह के सामने भी झुके

बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार इन दिनों अपनी अंतिम पारी खेल रहे हैं। इस अंतिम पारी में जिस तरह से वह भाजपा के केंद्रीय नेताओं के सामने बार-बार झुककर अपनी कमजोरी प्रदर्शित कर रहे हैं ।उससे ऐसा लगता है कि अब नीतीश कुमार भाजपा के मकड जाल में फंस चुके हैं। उन्हें बाहर निकलने का कोई रास्ता नहीं सूझ रहा है। केंद्रीय गृहमंत्री बिहार के दौरे पर थे। उन्होंने चुनावी बिगुल बजा दिया है। उनके सामने सर झुकाए नितीश बाबू को देखकर हर बिहारी हैरान है।

समय बदलते ही इफ्तार पार्टी की रौनक बढ़ी

केंद्र में 2014 मे मोदी सरकार बनी। उसके बाद से इफ्तार पार्टी का चलन धीरे-धीरे कम होता चला गया। पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेई इफ्तार पार्टी में जाते थे ।वह जालीदार टोपी भी लगा लेते थे। भाजपा के नेता भी इफ्तार पार्टियों में जाते थे। प्रधानमंत्री मोदी की सरकार बनने के बाद, विशेष रूप से भाजपा के नेताओं ने इफ्तार पार्टी मे जाना बंद कर दिया था। भाजपा के मंत्रियों और नेताओं के बीच में इफ्तार पार्टी का चलन खत्म हो गया था। बलिहारी हो, बिहार मे विधानसभा चुनाव हैं। बलिहारी हो, केंद्र में अल्पमत की सरकार है। समय बदलते ही एक बार फिर भाजपा में इफ्तार पार्टी की रौनक लौटने लगी है। दिल्ली और पटना में भाजपा के नेता इफ्तार पार्टी की रौनक बना रहे हैं। भाजपा नेता अब इफ्तार पार्टी का आयोजन कर रहे हैं।

राष्ट्रीय अध्यक्ष बनेगी मीसा भारती ?

राष्ट्रीय जनता दल की सुप्रीमो लालू प्रसाद यादव, अपने परिवार में चल रहे घमासान के बीच अपना बुढ़ापा शांति के साथ नहीं काट पा रहे हैं। लालू प्रसाद यादव के पीछे भारतीय जनता पार्टी पड़ी हुई है। बार-बार जेल भेजने की धमकी दे रही है ।वही परिवार के लोग आपस में लड़कर उनका जीना हराम कर रहे हैं। लालू प्रसाद यादव तेजस्वी यादव को बिहार का मुख्यमंत्री घोषित कर चुके हैं। ऐसी स्थिति में मीसा भारती राष्ट्रीय अध्यक्ष बनना चाहती हैं ।तेज प्रसाद यादव अलग नाराज चल रहे हैं। वह तेजस्वी यादव से नाराज हैं। कई बार घर के अंदर मारपीट की नौबत आ चुकी है ।लालू प्रसाद यादव और रावड़ी देवी परिवार के झगड़े को निपटाने के लिए जो भी प्रयास कर रहे हैं, वह सफल नहीं हो रहे हैं।

राशिफल

शुभ संवत 2082, शाके 1947, सौम्य गोष्ठ, चैत्र शुक्ल पक्ष, बसंत ऋतु, गुरु उदय पूर्वे शुक्रोदय पूर्वे तिथि चौथ/पंचमी, बुधवासरे, कृतिका नक्षत्रे, प्रीतयोगे, विव करणे, वृष की चंद्रमा, भद्रा 02/38 सर्वाथ सिद्ध योग, अमृत सिद्ध योग, 18/19 रोग स्नान व्यापार धान्य छेदन अन्नप्रासन्न तथापि दक्षिण दिशा की यात्रा शुभ व उत्तम होगी।

आज जन्म लिए बालक का फल: आज जन्म लिया बालक किसान, उद्यमी, विवेकवान, शिक्षक, लिपिक, कम्प्यूटर-ऑपरेटर, बैंक कर्मचारी, उद्योगपति, लेखापाल, लिपिक, शार्टहेण्ड-टाईपिस्ट तथा लिखने में चतुर कवि, लेखक होगा।

मेष राशि- अधिक संघर्षशीलता से बचिये, भोग-ऐश्वर्य की प्राप्ति होगी, ध्यान दें।

वृष राशि- विरोधी तत्व परेशान करें, कुछ शुद्ध गोचर रहने से समय व लाभ अवश्य होगा।

मिथुन राशि- कार्य निश्चय ही बनें, समय की अनुकूलता का लाभ लेवें, मानसिक संतोष होगा।

कर्क राशि- कुटुम्ब में शुभ समाचार, दैनिक व्यवसाय में अनुकूलता अवश्य ही बन जायेगी।

सिंह राशि- सरकारी कार्य निपटा लें, सफलता का संघर्ष निश्चय फलदायी होगा।

कन्या राशि- सामाजिक कार्यों में मान-प्रतिष्ठा, नवीन चेतना अवश्य फलप्रद होगी।

तुला राशि- विवाद ग्रस्त होने से बचिये अन्यथा संकट में फंस सकते हैं, कार्य पर ध्यान दें।

वृश्चिक राशि- समृद्धिवर्धक योग बनेंगे, अधिकारी वर्ग का लाभ मिलेगा, समय का ध्यान रखें।

धनु राशि- मनोबल उत्साहवर्धक होगा, समय पर सोचे कार्य बनेंगे, अधिकारी वर्ग समर्थक बनेंगे।

मकर राशि- मानसिक शांति बनाये रखें, विरोधी तत्व परेशान करेंगे, मार्ग अवश्य बनेंगे।

कुंभ राशि- सफलता के साधन बनें, व्यर्थ भटकने से बचें, समय का ध्यान अवश्य रखें।

मीन राशि- प्रत्येक कार्य में बाधा, कार्य में विलम्ब, किसी मित्र से धोखा अवश्य होगा।

पीएल गौतमाचार्य

दैनिक पंचांग

2 अप्रैल 2025 को सूर्योदय के समय की ग्रह स्थिति

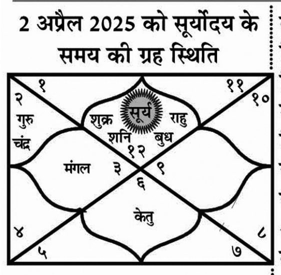

ग्रह स्थिति		लग्नारंभ समय	
सूर्य	मीन में	मेष	06.31 बजे से
चंद्र	वृष में	वृष	08.11 बजे से
मंगल	मिथुन में	मिथुन	10.09 बजे से
बुध	मीन में	कर्क	12.23 बजे से
गुरु	वृष में	सिंह	14.39 बजे से
शुक्र	मीन में	कन्या	16.51 बजे से
शनि	मीन में	तुला	19.01 बजे से
राहु	मीन में	वृश्चिक	21.16 ब.से
केतु	कन्या में	धनु	23.32 बजे से
राहुकाल		मकर	01.37 बजे से
12.00 से 1.30		कुंभ	03.24 बजे से
बजे तक		मीन	04.56 बजे से

बुधवार 2025 वर्ष का 92 वा दिन
दिशाशूल उत्तर **ऋतु** बसंत।
विक्रम संवत् 2081 **शक संवत्** 1946
मास चैत्र **पक्ष** शुक्ल
तिथि पंचमी 23.50 बजे को समाप्त।
नक्षत्र कृत्तिका 08.50 बजे को समाप्त।
योग प्रीति 06.07 बजे तदनन्तर आयुष्मान 02.50 बजे रात्र को समाप्त।
करण बव 13.08 बजे तदनन्तर बालव 23.50 बजे को समाप्त।
चन्द्रायु 03.6 घण्टे
रवि क्रान्ति उत्तर 04° 56'
सूर्य उत्तरायन
कलि अहर्गण 1872302
जूलियन दिन 2460767.5
कलियुग संवत् 5125
कल्पारंभ संवत् 1972949123
सृष्टि ग्रहारंभ संवत् 1955885123
वीरनिर्वाण संवत् 2551
हिजरी सन् 1446
महीना सव्वाल **तारीख** 03
विशेष लक्ष्मी पंचमी।

दिन का चौघड़िया		रात का चौघड़िया	
लाभ	05.54 से 07.22 बजे तक	उद्वेग	05.41 से 07.12 बजे तक
अमृत	07.22 से 08.51 बजे तक	शुभ	07.12 से 08.44 बजे तक
काल	08.15 से 10.19 बजे तक	अमृत	08.44 से 10.16 बजे तक
शुभ	10.19 से 11.47 बजे तक	चर	10.16 से 11.47 बजे तक
रोग	11.47 से 01.16 बजे तक	रोग	11.47 से 01.19 बजे तक
उद्वेग	01.16 से 02.44 बजे तक	काल	01.19 से 02.51 बजे तक
चर	02.44 से 04.12 बजे तक	लाभ	02.51 से 04.23 बजे तक
लाभ	04.12 से 05.41 बजे तक	उद्वेग	04.23 से 05.54 बजे तक

चौघड़िया शुभाशुभ- शुभत्व श्रेष्ठ शुभ, अमृत व लाभ, **मध्यम** चर, **अशुभ** उद्वेग, रोग व काल। सभी समय भारतीय मानक समय की मध्य रेखा बिन्दु के आधार पर है अतः आप अपने स्थानीय समयानुसार ही देखें। ■ Jagrutidaur.com, Bangalore

समर सीजन में आउटफिट के साथ इन पांच एक्सेसरीज को भी रखें अपडेट

मौसम के हिसाब से अपने वार्डरोब को अपडेट करना बहुत ही जरूरी है जिससे आपको कम्फर्ट के साथ स्टाइलिश लुक भी मिले। कई बार ऐसा होता है कि हम आउटफिट पर बहुत ध्यान देते हैं लेकिन मैचिंग एक्सेसरीज को हम इग्नोर कर देते हैं। ऐसे में समर सीजन में आपको कुछ एक्सेसरीज को अपने वार्डरोब का हिस्सा जरूर रखना चाहिए–

स्कार्फ बनाए आपको परफेक्ट

गर्मियों के दिनों में स्कार्फ धूप से बचाने के साथ स्टाइलिश लुक देने के लिए काफी है। समर सीजन में आउटफिट के साथ मैच होते स्कार्फ को स्टाइल स्टेटमेंट का हिस्सा जरूर बनाएं।

हैट्स आपको बनाए कूल

गर्मियों के दौरान हैट्स भी आपके लुक को कुल अंदाज देती है। हैट्स आपके लुक को बढ़ाने के साथ ही आपके बालों और चेहरे को भी तेज धूप से बचाती है। खासतौर पर आउटिंग या ट्रिप पर ड्रेस से मैचिंग हैट पहनें जिससे आपको परफेक्ट लुक मिलेगा।

स्टाइलिश सनग्लासेस

गर्मियों के फैशनबल एक्सेसरीज में चश्मे सबसे पहले आते हैं। यह आपको गर्मियों में नया और ट्रेंडी लुक देते हैं। गर्मियों के दौरान सभी की आंखों पर सनग्लासेस देखे जाते हैं। आपको चेहरे के हिसाब से सनग्लासेस को चुनना चाहिए लेकिन कोशिश करें कि फ्रेम मे मेटल क्लासी वर्क को ही चुनें।

फुटवेयर भी है स्टाइलिश

फुटवेयर भी आउटफिट के हिसाब से होने चाहिए। साथ ही इस मौसम में पसीना बहुत आता है। खासकर जिन महिलाओं के पैरों में पसीना आता है, उनको ऐसे फुटवियर को चुनना चाहिए, जिसमें पैरों में हवा लगती रहे और पसीना न आने पाए।

हैंडबैग को न भूलें

इस बार समर में आपको नया ट्रेंडी बैग लेना चाहिए। आपको अगर हैंडबैग की आदत नहीं है, तो कोई स्टाइलिश वन साइड बैग या बैकपैक लेकर आप इसे अपने स्टाइल स्टेटमेंट का हिस्सा बना सकते हैं।

इन छोटे-छोटे उपायों से मीठी नींद में सोएगा आपका बच्चा

बड़ों की तरह ही बच्चों में सोने की भी अलग-अलग आदतें होती हैं। कई बच्चे थोड़ी-सी भी फिजिकल एक्टिविटी करते ही बार-बार सो जाते हैं, तो कुछ बच्चों को बहुत ही मुश्किल से नींद आती है। बच्चों की हेल्थ के लिए उनकी 10-11 घंटे की नींद बहुत जरूरी है। ऐसे में अगर आपका बच्चा सोता नहीं है, तो आपको उसे सुलाने के लिए कुछ टिप्स अपनाने चाहिए–

इन बातों का भी रखें ध्यान

- बच्चे को रोज अलग सुलाने की कोशिश करें। अगर आप शुरू से ही ऐसा करेंगी, तो इससे उसमें अलग सोने की आदत पड़ेगी।
- सुलाने से पहले बच्चे की मालिश करना भी काफी फायदेमंद रहता है, इससे उसको अच्छी नींद आएगी।
- सुलाने से पहले बच्चे की सफाई पर भी ध्यान दें। खास कर नाक, कान और मुंह की ठीक से सफाई करके उन्हें सुलाएं।
- बच्चे को सुलाते वक्त कमरे में अंधेरा जरूर कर दें, क्योंकि अंधेरे में नींद से जुड़ा हार्मोन सक्रिय होता है। यही हार्मोन नींद लाने में सहायक होता है।
- कमरे की खिड़की के परदे जरूर फैला दें और संभव हो तो दरवाजे को भी बंद कर दें, ताकि बच्चा बाधारहित अच्छी नींद ले सके।
- धीमा म्यूजिक और वार्म लाइट भी बच्चे को अच्छी नींद देने में मददगार होते हैं। इसकी व्यवस्था आप उसके कमरे में कर सकती हैं।
- जब आपका बच्चा सो रहा हो, तो घर में तेज आवाज वाले उपकरण जैसे मिक्सी, वैक्यूम क्लीनर आदि का इस्तेमाल न करें। इससे बच्चे डर कर जाग जाते हैं।
- आप चाहें तो बच्चे के साथ सो सकती हैं, जब तक कि वह सो नहीं जाता। लेकिन उससे लिपट कर ना सोएं, वरना उसको इसकी आदत हो जाती है और आपके -हटते ही उसकी नींद टूट जाती है। बेहतर यही होगा कि आप अपने बच्चे को इस तरह की आदत ना डालें।
- जब बच्चा हल्की नींद में हो, तभी उसे गोद से या झूले से निकाल कर बिस्तर पर सुला दें।

माता-पिता की इन पांच आदतों की वजह से बच्चों का कॉन्फिडेंस लेवल होता है डाउन

कहते हैं कि पैरेंटिंग का मतलब सिर्फ बच्चे को जन्म देकर उसे पालना ही नहीं बल्कि पैरेंटिंग से समाज के लिए एक जिम्मेदारी भी जुड़ी हुई है। बच्चों की अच्छी परवरिश अच्छे समाज की नींव भी है। बचपन में आप बच्चों को जो भी सिखाते हैं, वे बातें उनके मन पर छप जाती है। बड़े होने पर उनकी पर्सनैलिटी के लिए बचपन के अनुभव और परवरिश भी जिम्मेदार होती हैं। आपने कुछ लोगों को देखा होगा कि उनमें प्रतिभा होने के बाद भी आत्मविश्वास की कमी होती है। इसके कई कारण हो सकते हैं लेकिन बचपन में कुछ बातें भी इसके लिए जिम्मेदार हैं। ऐसे में हर माता-पिता को कुछ बातों का ध्यान रखना चाहिए–

बच्चों का मजाक न उड़ाएं

कोई भी बात कितनी बड़ी है या छोटी, यह नजरिए के साथ उम्र पर भी निर्भर करती है। जैसे, आपके लिए बेड से जम्प करके नीचे कूदना, फुटबॉल पर किक करना छोटी बात हो सकती हैं, लेकिन किसी बच्चे के लिए ये बातें बहुत मैटर करती हैं। आपको कभी भी बच्चे की छोटी से छोटी बातों का मजाक नहीं उड़ाना चाहिए।

बच्चों की तुलना करने से बचें

हर बच्चा प्यारा होता है। सभी की अलग आदतें होती हैं लेकिन बचपन में एक आदत कॉमन होती है, वे है दूसरे बच्चों को अच्छा बताने पर बच्चे इसे मन पर ले लेते हैं। ऐसे में सम्भावना रहती है कि बच्चे दूसरे बच्चों से चिढ़ने लगते हैं या खुद को कमतर समझने लगते हैं इसलिए बच्चों की तुलना करने से बचें।

हर काम में कमी निकालना

बचपन में किसी भी काम को परफेक्टली करने से ज्यादा जरूरी है, बच्चों का कोई न कोई एक्टिविटी करते रहना। ऐसा करने से बच्चे की एनर्जी सही दिशा में लगती है। जैसे, अगर आपका बच्चा पेंटिंग करता है, तो उसकी पेंटिंग में कमियां निकालने की जगह उसकी अच्छी चीजों की तारीफ करें।

दूसरों के सामने बच्चों की बुराई

कई माता-पिता दूसरे लोगों या आस-पड़ोस में अपने बच्चों की शिकायतें करते रहते हैं। कई बार माता-पिता मजाक की तरह या सिर्फ गपशप करने के इरादे से भी ऐसा करते हैं लेकिन बच्चे के मन में ये बातें घर कर जाती हैं और उनका आत्मविश्वास डगमगाने लगता है।

बच्चों को छोटी-छोटी बातों पर पीटना

बचपन में हुई कोई भी गलती इतनी बड़ी नहीं होती, जिसपर बच्चों को पीटकर ही समझाया जाए। बच्चों को हर छोटी बातों पर मारने से वे खुद को सेफ फील नहीं करते। उन्हें हमेशा लगता है कि वे बहुत बुरे हैं और उनके मम्मी-पापा उन्हें बिल्कुल पसंद नहीं करते। साथ ही उनके अंदर असुरक्षा की भावना इतनी बढ़ जाती है कि वे डरने लगते हैं।

क्रिएटिव तरीकों को अपनाएं और बच्चों के साथ बिताएं क्वालिटी टाइम

वर्तमान समय में, बच्चों को सबसे ज्यादा जिस चीज की जरूरत होती है वह है माता-पिता का समय। आमतौर पर पैरेंट्स अपने बच्चों को हर सुख-सुविधा देना चाहते हैं और इसलिए वे कड़ी मेहनत करते हैं। लेकिन इस बीच वे यह भूल जाते हैं कि लग्जरी आइटम से भी ज्यादा बच्चे अपने माता-पिता का साथ, उनका प्यार व समय चाहते हैं। इसलिए आप उनके लिए मेहनत करें लेकिन फिर भी उनके साथ क्वालिटी टाइम बिताना ना भूलें। यह कहीं ना कहीं आपके भीतर के तनाव को भी कम करने में मददगार होगा।

अगर आप भी बच्चों के साथ क्रिएटिव तरीके से एक अच्छा समय बिताना चाहते हैं और आपको समझ नहीं आ रहा है कि वास्तव में क्या किया जाए तो परेशान ना हों। आज इस लेख में हम आपको बच्चों के साथ क्वालिटी टाइम बिताने के कुछ क्रिएटिव आईडियाज के बारे में बता रहे हैं, जो यकीनन आपको भी काफी पसंद आएंगे–

बनाएं मार्निंग रूटीन

कहते हैं कि दिन की शुरूआत जैसी होती है, पूरा दिन भी वैसा ही गुजरता है। इसलिए अगर संभव हो तो आप बच्चे के साथ एक मार्निंग रूटीन सेट कर सकती हैं। इसमें आप कंबल तय करने से लेकर उनके साथ पार्क में वॉक कर सकते हैं या फिर बच्चों के साथ योगाभ्यास करना भी एक अच्छा आईडिया है। इससे आप ना सिर्फ उनके साथ अच्छा समय बिता पाते हैं, बल्कि इससे उनका शारीरिक व मानसिक विकास होने में भी मदद मिलती है।

प्लॉन करें गेम्स

सुनने में आपको शायद यह बेहद ही सिंपल नजर आए, लेकिन वास्तव में इस तरीके से आप ना सिर्फ बच्चों के साथ एक फन टाइम बिता सकते हैं, बल्कि इससे आपके लर्निंग स्किल्स और रचनात्मकता को भी बढ़ा सकती हैं। आप उनके साथ कुछ ऐसे गेम्स खेलें, जिसमें उनकी फिजिकल और मेंटल एक्सरसाइज हो।

बेडटाइम स्टोरीज को ना भूलें

अगर आप पूरा दिन काफी बिजी रहते हैं तो ऐसे में आप रात के समय एक रूटीन बना सकते हैं, जिसमें आप बेडटाइम पर उन्हें कहानी सुनाएं। बेडटाइम आमतौर पर आपके बच्चे की कल्पना को उत्तेजित करने का समय होता हैं। साथ ही साथ कहानियां सुनने से उन्हें नींद भी अच्छी आती है जो उनके शारीरिक और मानसिक विकास के लिए जरूरी है। अगर आपका बच्चा उम्र में थोड़ा बड़ा है तो आप कुछ ऐसा भी कर सकते हैं कि एक दिन कहानी आप सुनाएं और दूसरे दिन उन्हें सुनाने के लिए कहें। बच्चे कहीं पर पढ़ी या सुनी हुई स्टोरीज के साथ-साथ खुद भी एक कहानी बनाकर आपको सुना सकते हैं।

एक्टिविटीज में आएगा बेहद मजा

बच्चों को हमेशा कुछ ना कुछ नया करना काफी अच्छा लगता है। ऐसे में आप घर में रखी पुरानी चीजों की मदद से उनके साथ कोई एक्टिविटी कर सकती हैं। आप घर के लिए कोई डेकोर आइटम तैयार करें या फिर उन्हें पेंट करने दें। इसी तरह जब आप उनके साथ अलग-अलग एक्टिविटीज करेंगी तो इससे वह खुद भी कई चीजें बनाने के लिए प्रेरित होंगे और उनके दिमाग में कई नए आईडियाज आएंगे।

कपड़ों की सिलवटें बिना प्रेस किए भी हो सकती हैं दूर

आपका अचानक किसी जरूरी मीटिंग या पार्टी में जाने का प्लान बने और जैसे ही आप वहां पहनने के लिए अलमारी से कपड़े निकालें कि लाइट चली जाए या प्रेस खराब हो जाए, ऐसा अक्सर कई लोगों के साथ हुआ होगा। ऐसी स्थिति में मन में पहला ख्याल यही आता है, काश! कोई ऐसा तरीका होता जिससे बिना प्रेस किए कपड़ों की सिलवटें अपने आप दूर हो जाती। अगर आपने भी कभी ऐसी ही कोई विश की है तो आपकी विश को पूरा करते हुए आपको बताते हैं वो असरदार तरीके, जिनकी मदद से आप कपड़ों की सिलवटों को बिना प्रेस किए भी आसानी से हटा सकते हैं।

बिना प्रेस कपड़ों से हटाएं सिलवटें

टॉवल– टॉवल की मदद से कपड़ों की सिलवटें दूर कर सकती हैं। इसके लिए सिलवट वाले कपड़े को बिछा दें और फिर गीले टॉवल से कपड़े की सिलवट वाली जगह को दबाएं। ऐसा करने से कपड़े की सिलवटें दूर हो जाएंगी।

भारी सामान –जिस कपड़े पर सिलवट हैं उसे मैट्रेस या किसी भारी सामान के नीचे कुछ घंटों के लिए दबाकर रख दें। इससे आपके कपड़ों की सिलवटें निकल जाएंगी।

स्प्रे बोतल–पानी में सिरका मिलाकर उसे एक स्प्रे बोतल में डालकर सिलवट वाली जगह डालें। ऐसे में कपड़े के सूखने के बाद सिलवटें नजर नहीं आएंगी।

भारी बर्तन – छोटे भारी बर्तनों की मदद से भी आप अपने कपड़ों की सिलवटों को दूर कर सकते हैं। इसके लिए एक भारी तले के बर्तन को तेज आंच पर गर्म करके प्रेस की तरह कपड़ों की सिलवटों को दूर करें। बर्तन की तली साफ रखें वरना कपड़े दाग लगने से गंदे हो सकते हैं।

ब्लो ड्रायर– ब्लो ड्रायर की मदद से भी सिलवटों को दूर किया जा सकता है। कपड़ों की सिलवटें दूर करने के लिए सबसे पहले आपको जिस कपड़े की सिलवट दूर करनी है, उसे बिछा लें और इस पर हल्के हाथ से पानी की कुछ बूंदें डालकर ब्लो ड्रायर की मदद से सिलवटें दूर करें।

आइस क्यूब– वॉशिंग मशीन के ड्रायर में 2-4 आइस क्यूब के साथ अपने सिलवट वाले कपड़े भी डालकर ड्रायर चला दें। इसके बाद कपड़ों को ड्रायर से निकालकर कपड़ों को हल्के से झटक कर टांग दें। आपके कपड़ों की सिलवटें दूर हो जाएंगी।

संक्षिप्त समाचार

ऑरेंज कैप और पर्पल कैप की दौड़ में छाये हैं विदेशी खिलाड़ी

मुम्बई। इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) में भारतीय क्रिकेटर अब तक कुछ खास नहीं कर पाये हैं। सबसे अधिक विकेट और रन बनाने वालों में अधिकतर विदेशी खिलाड़ी हैं। भारतीय खिलाड़ियों की बात करें सनराइजर्स हैदराबाद के लिए खेलने वाले अनिकेत वर्मा ने 117 रन जबकि गुजरात टाइटंस के साई सुदर्शन ने 137 रन बनाये हैं। इस प्रकार देखा जाये तो सबसे अधिक रनों के लिए मिलने वाली ऑरेंज कैप और सबसे अधिक विकेटों के लिए मिलने वाली पर्पल कैप की दौड़ में विदेशी खिलाड़ी छाये हुए हैं। सबसे अधिक रनों के लिए मिलने वाली ऑरेंज कैप की दौड़ में शीर्ष पर अधिकतर विदेशी हैं। इसमें लखनऊ सुपरजायंट्स से खेल रहे वेस्टइंडीज के निकलस पूरन 145 रन बनाकर सबसे आगे हैं। वहीं ऑरेंज कैप की रेस में दूसरे नंबर पर टाइटंस की ओर से खेलने वाले भारत के सुदर्शन हैं।

आईसीसी ने कुहनेमन के गेंदबाजी एक्शन को सही करार दिया

मेलबर्न। ऑस्ट्रेलियाई स्पिनर मैट कुहनेमन को संदिग्ध गेंदबाजी एक्शन के मामले में अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) से क्लीन चिट मिल गयी है। इससे पहले श्रीलंका के खिलाफ हुई टेस्ट सीरीज में उनके एक्शन पर सवाल उठे थे। इस सीरीज में कुहनेमन ने 16 विकेट लिए थे। वहीं उन्हें संदिग्ध गेंदबाजी एक्शन की जांच में सही पाया गया। इसके बाद इस खिलाड़ी को क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया ने साल 2025-26 के अनुबंधित खिलाड़ियों की सूची में शामिल किया है। कुहनेमन को श्रीलंका में फरवरी में प्लेयर ऑफ द सीरिज का अवार्ड मिला था। उन्होंने तब पांच टेस्ट में 25 विकेट लिए थे। उन्हें श्रीलंका दौरे के बाद गेंदबाजी एक्शन की जांच से गुजरना पड़ा और आईसीसी की जांच में उन्हें सही पाया गया।

वॉर्न, कुंबले और चावला से प्रेरित हैं जीशान

नई दिल्ली। आईपीएल में सनराइजर्स हैदराबाद की ओर से खेल रहे लेग स्पिनर जीशान अंसारी का कहना है कि वह शेन वॉर्न, अनिल कुंबले और पीयूष चावला जैसे खिलाड़ियों से प्रेरणा लेते हैं। उन्होंने दिल्ली कैपिटल्स के खिलाफ मैच में डेब्यू किया था। उन्हें एडम जंपा की जगह टीम में शामिल किया गया है। जीशान को सनराइजर्स ने मेगा ऑक्शन में 40 लाख रुपये में खरीदा गया था। जीशान ने भारतीय अंडर टीम से भी खेला है।

आईपीएल में आरसीबी का मुकाबला गुजरात टाइटंस से होगा

आरसीबी जीत की प्रबल दावेदार के तौर पर उतरेगी

बेंगलुरू ■ एजेंसी।

आईपीएल में बुधवार को रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरू (आरसीबी) का मुकाबला यहां अपने घरेलू मैदान एम चिन्नास्वामी स्टेडियम में गुजरात टाइटंस से होगा। इस मैच आरसीबी जीत की प्रबल दावेदार के तौर पर उतरेगी। इसका कारण है कि उसे घरेलू मैदान का लाभ मिलेगा। वहीं इसके अलावा इस सत्र में उसने अब तक अपने सभी मैच जीते हैं जिससे उसका मनोबल बढ़ा हुआ है। नये कप्तान रजत पाटीदार की कप्तानी में उसके बल्लेबाजों और गेंदबाजों ने अच्छा प्रदर्शन किया है। उसके अनुभवी बल्लेबाज विराट कोहली भी अच्छे फार्म में हैं। आरसीबी ने कोलकाता के ईडन गार्डंस पर केकेआर और चेन्नई सुपर किंग्स को चेपॉक पर हराकर शानदार शुरूआत की थी।

आंकड़ों पर नजर डालें तो चिन्नास्वामी स्टेडियम पर आईपीएल के अब तक कुल 95 मैच खेले गए हैं, जिसमें से 41 मैच पहले बल्लेबाजी करने वाली टीम जीती है। वहीं बाद में बैटिंग करने वाली टीम 50 मैच में जीत हासिल की है हालांकि 4 मैचों का परिणाम नहीं निकला। इस पिच पर सबसे बड़ा रन 287/3 सनराइजर्स हैदराबाद ने बनाया गया है, जबकि सबसे छोटा स्कोर 82 रन आरसीबी की टीम ने बनाई है। आरसीबी और गुजरात टाइटंस टीम के बीच इस मैदान पर अब तक दो बार भिड़ंत हुई। इस मुकाबले में दोनों टीमों को एक-एक मैच में जीत हासिल हुई।

यहां के सटेडियम में छोटी बाउंड्री और तेज आउटफील्ड काफी रन बनते हैं पर आरसीबी का मानना है कि उसके तेज गेंदबाज जोश हेजलवुड और भुवनेश्वर कुमार यहां बल्लेबाजों पर अंकुश लगा सकते हैं। हेजलवुड और भुवनेश्वर ने अब तक के मैचों में अच्छी गेंदबाजी की है।

वहीं दूसरी ओर गुजरात टाइटंस की बल्लेबाजी कप्तान शुभमन गिल और बी साइ सुदर्शन पर टिकी रही। आरसीबी का प्रयास करेगा कि गुजरात के शुरुआत में ही विकेट गिरावट दबाव बनाया जाये। इस मामले में उसके पास स्विंग कराने में माहिर भुवनेश्वर और सटीक हेजलवुड जैसे गेंदबाज हैं। इसके अलावा युवा तेज गेंदबाज यश दयाल भी इस पिच पर बल्लेबाजों को परेशान कर सकते हैं।

टीम की स्पिन गेंदबाजी हालांकि कमजोर नजर आ रही है। उसके पास क्रुणाल पंड्या और सुयांश शर्मा है जबकि गुजरात के पास स्टार स्पिनर राशिद खान और आर साइ किशोर हैं। ऐसे में आरसीबी के बल्लेबाजों के लिए रन बनाना आसान नहीं रहेगा। आरसीब की बल्लेबाजी विराट के आलावा फिल साल्ट, कप्तान रजत पाटीदार और देवदत्त पड्डिकल पर रहेगी। गुजरात के पास कैगिसो रबाडा और मोहम्मद सिराज जैसे तेज गेंदबाज हैं जिनका सामना आरसीबी के लिये आसान नहीं रहेगा।

दोनों टीमों के खिलाड़ियों

आरसीबी टीम : रजत पाटीदार (कप्तान), जितेश शर्मा (विकेटकीपर), विराट कोहली, फिल साल्ट, लियाम लिविंगस्टोन, देवदत्त पडिक्कल, टिम डेविड, क्रुणाल पंड्या, जोश हेजलवुड, भुवनेश्वर कुमार, यश दयाल।
गुजरात टाइटंस टीम : शुभमन गिल (कप्तान), जोस बटलर (विकेटकीपर), साई सुदर्शन, शेरफेन रदरफोर्ड, राहुल तेवतिया, राशिद खान, शाहरुख खान, मोहम्मद सिराज, रविश्रीनिवासन साई किशोर, कगिसो रबाडा, प्रिसिध कृष्णा।

राष्ट्रीय जूनियर बालिका हैंडबाल चैंपियनशिप में हिमाचल उपविजेता

शिमला, एजेंसी। हिमाचल प्रदेश की खिलाड़ी अपनी चुस्ती के चलते भारी पड़ीं। इस दौरान हिमाचल ने 10-8 से बढ़त बना ली। दूसरे हाफ में उत्तर प्रदेश ने सधी हुई शुरुआत कर बढ़त बनाई। लखनऊ में हुई 47वीं राष्ट्रीय जूनियर बालिका हैंडबाल चैंपियनशिप के फाइनल में हिमाचल प्रदेश की टीम यूपी से कड़े मुकाबले में 19-17 से हार गई। उत्तर प्रदेश फाइनल जीत कर पहली बार चैंपियन बनी। पहले हाफ में दोनों ही टीमों ने तेज आक्रमण किए। हिमाचल प्रदेश की खिलाड़ी अपनी चुस्ती के चलते भारी पड़ीं। इस दौरान हिमाचल ने 10-8 से बढ़त बना ली। दूसरे हाफ में उत्तर प्रदेश ने सधी हुई शुरुआत कर बढ़त बनाई। इस दौरान हिमाचल प्रदेश की खिलाड़ियों ने कई महत्वपूर्ण मौके भी गंवाए। उत्तर प्रदेश की गोलकीपर निहारिका ने दमदार खेल दिखाते हुए कई अटैक को विफल कर दिया। यूपी की ओर से नैना ने सबसे अधिक 6 गोल दागे। रेशमा, सुमन, प्रीति और अनन्या ने इसमें बखूबी साथ दिया। 3-3 गोल करते हुए टीम को जीत की दहलीज पर पहुंचाया। वहीं, दीया को एक गोल करने में सफलता मिली। हिमाचल प्रदेश की ओर से जस्सी ने 6, काजल ने 5, कृतिका ने 4 और नितिका और मुस्कान ने 1-1 गोल किए। उत्तर प्रदेश की टीम ने पिछले सीजन में कांस्य पदक जीता था। समारोह में मुख्य अतिथि उपमुख्यमंत्री बृजेश पाठक रहे। उन्होंने विजेता और उपविजेता टीमों को पुरस्कार देकर सम्मानित किया।

ग्लास्गो में स्वर्ण जीतना है प्रवीण का लक्ष्य

विजयनगर, एजेंसी। एथलीट प्रवीण चित्रावेल का लक्ष्य अगले साल स्कॉटलैंड के ग्लास्गो में होने वाले 2026 राष्ट्रमंडल खेलों में स्वर्ण पदक जीतना है। प्रवीण बर्मिंघम राष्ट्रमंडल खेल 2022 की त्रिकूद स्पर्धा में कांस्य से सिर्फ तीन सेंटीमीटर पीछे रहे थे। वह 16.89 मीटर के अपने सर्वश्रेष्ठ प्रयास के साथ इन खेलों में चौथे स्थान पर रहा था जबकि बरमूडा के जाह-एनहाई पेरिनचीफ ने 16.92 मीटर के प्रयास के साथ कांस्य पदक जीता था। एशियाई खेलों के कांस्य पदक विजेता प्रवीण का लक्ष्य इस साल 17.37 मीटर के अपने निजी सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन और राष्ट्रीय रिकॉर्ड में सुधार करने का है जिससे वह ग्लास्गो 2026 राष्ट्रमंडल खेलों में पोडियम में शीर्ष स्थान हासिल कर सकें।

प्रवीण ने कहा, 'मैं अब भी और अधिक उपलब्धियां हासिल करने के लिए प्रयास कर रहा हूं, जैसे ओलंपिक, विश्व कप, विश्व चैंपियनशिप, एशियाई खेल, राष्ट्रमंडल खेल आदि। मैं एशियाई खेलों का पदक विजेता हूं, मैंने राष्ट्रमंडल खेलों में दो सेंटीमीटर (तीन सेंटीमीटर) से पदक खो दिया था। मैंने एशियाई इंडोर चैंपियनशिप का पदक, और युवा ओलंपिक का पदक जीता है। इस एथलीट ने कहा, 'मुझे भरोसा है कि मैं एशियाई खेल आइची-नागोया 2026 में पदक जीतूंगा पर मैं राष्ट्रमंडल खेलों 2026 में स्वर्ण पदक जीतना चाहता हूं, निश्चित रूप से राष्ट्रमंडल खेलों की वजह से मैं अब भी ठीक से सो नहीं सकता। राष्ट्रमंडल खेलों का आयोजन स्कॉटलैंड के ग्लास्गो में 23 जुलाई से दो अगस्त 2026 तक किया जाएगा जबकि आइची-नागोया 2026 एशियाई खेल जापान में 17 सितंबर से चार अक्टूबर क होंगे। के प्रवीण ने कहा कि इस वह 2025 में अपने राष्ट्रीय रिकॉर्ड में सुधार करना चाहते हैं।

वेस्टइंडीज क्रिकेट बड़े बदलाव की ओर

टेस्ट कप्तानी से हटे ब्रेथवेट, शाई होप को टी20 की कमान

सेंट जोंस, एजेंसी। नए टेस्ट कप्तान का ऐलान जल्दी ही किया जाएगा। इस रेस में फिलहाल एलिक एथनाजे, मिकाइल लुईस, केसी कार्टी और जस्टिन ग्रीव्स जैसे खिलाड़ी हैं।

कई बड़े आईसीसी टूर्नामेंट्स से नदारद रहने के बाद वेस्टइंडीज क्रिकेट अब बड़े बदलाव की ओर अग्रसर है। इसी कड़ी में क्रेग ब्रेथवेट ने चार साल बाद वेस्टइंडीज टेस्ट टीम की कप्तानी छोड़ दी है। क्रिकेट वेस्टइंडीज ने सोमवार को बताया कि शाइ होप को टी20 टीम का कप्तान बनाया गया है।

32 वर्ष के ब्रेथवेट को मार्च 2021 में जेसन होल्डर की जगह कप्तान बनाया गया था। वहीं वनडे टीम के कप्तान होप को रोवमैन पॉवेल की जगह टी20 टीम की कप्तानी दी गई है। रोवमन पॉवेल मई 2023 से टी20 कप्तान थे। क्रिकेट वेस्टइंडीज ने एक बयान में कहा, ब्रेथवेट चाहते थे कि उनके खेल को अलविदा कहने से पहले टीम बदलाव के दौर से गुजर जाए। यही वजह है कि आस्ट्रेलिया के खिलाफ घरेलू श्रृंखला से पहले उन्होंने कप्तानी छोड़ दी ताकि नये कप्तान को खुद को स्थापित करने का समय मिल जाये।

नए टेस्ट कप्तान का ऐलान जल्दी ही किया जाएगा। इस रेस में फिलहाल एलिक एथनाजे, मिकाइल लुईस, केसी कार्टी और जस्टिन ग्रीव्स जैसे खिलाड़ी हैं। इसके अलावा गुडाकेश मोती को भी हाल फिलहाल में शानदार प्रदर्शन का इनाम मिल सकता है।

पूंजीगत व्यय में नहीं की गई कटौती, वित्त मंत्री बोलीं

वित्तीय वर्ष 26 में बढ़कर 11.21 लाख करोड़ रुपये हुए

नई दिल्ली, एजेंसी। राज्यसभा में प्रश्नकाल के दौरान जवाब देते हुए सीतारमण ने कहा कि 2024-25 में पूंजीगत व्यय 11.11 लाख करोड़ रुपये होगा। वित्त मंत्री ने बताया है कि पूंजीगत व्यय में बिल्कुल भी कटौती नहीं की गई है। इस दौरान वित्त मंत्री ने यह भी बताया कि भारत के बाद दुनिया में चौथा सबसे बड़ा विदेशी मुद्रा भंडार है। आइए इस बारे में विस्तार से जानें।

पूंजीगत व्यय में कटौती नहीं की गई है, बल्कि वित्त वर्ष 2025-26 के लिए इसे बढ़ाकर 11.21 लाख करोड़ रुपये कर दिया गया है और इसी वर्ष पूंजीगत व्यय के लिए राज्यों को दिए जाने वाले ऋण में भी आनुपातिक वृद्धि की गई है। वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने मंगलवार को राज्यसभा में एक सवाल का जवाब देते हुए यह बात कही।

राज्यसभा में प्रश्नकाल के दौरान जवाब देते हुए सीतारमण ने कहा कि 2024-25 में पूंजीगत व्यय 11.11 लाख करोड़ रुपये होगा। उन्होंने कहा, ''वास्तव में, इस साल बजट में यह 11.21 लाख करोड़ रुपये हो गया है। इसलिए, पूंजीगत व्यय में बिल्कुल भी कटौती नहीं की गई है।''

पूंजीगत व्यय के लिए ब्याज मुक्त 50 वर्षीय विशेष सहायता योजना के अंतर्गत राज्यों को दिए जाने वाले ऋण में आनुपातिक वृद्धि हुई है। उन्होंने कहा, इसलिए, पूंजीगत व्यय में कटौती करना हमारे लिए संभव नहीं है। सीतारमण वरिष्ठ कांग्रेस नेता और पूर्व वित्त मंत्री पी चिदंबरम के एक सवाल का जवाब दे रही थीं।

चिदंबरम ने वित्त वर्ष 2025 के लिए संशोधित बजट अनुमान में पूंजीगत व्यय को 11.11 लाख करोड़ रुपये से घटाकर 10,18,429 करोड़ रुपये करने का कारण पूछा था। इसी तरह, उन्होंने बताया कि राज्यों को मिलने वाली विशेष सहायता को वित्त वर्ष 2025 के लिए संशोधित बजट अनुमान में 3,90,778 करोड़ रुपये से घटाकर 2,99,891 करोड़ रुपये कर दिया गया था।

एक पूरक प्रश्न का उत्तर देते हुए वित्त मंत्री ने कहा कि केंद्र इस बात की निगरानी करता है कि राज्य पूंजीगत व्यय या किसी अन्य चीज के लिए धन का उपयोग कर रहे हैं। उन्होंने कहा, जब धन भेजा जाता है, तो मुझे तुरंत पता नहीं चलता कि इसका उपयोग पूंजीगत व्यय के लिए किया गया है या नहीं। उन्होंने कहा कि धीरे-धीरे समय बीतने के साथ, विभिन्न डिजिटल तरीकों से जब व्यय के लिए विशिष्ट नोडल खातों में धनराशि डाली जाती है, तो केंद्र को पता चलता है कि पैसा कहां खर्च हुआ।

वित्त मंत्री बोलीं- भारत के पास दुनिया में चौथा सबसे बड़ा विदेशी मुद्रा भंडार: वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने मंगलवार को राज्यसभा में बताया कि भारत 658.8 अरब डॉलर का विदेशी मुद्रा भंडार रखने वाला चौथा सबसे बड़ा देश है। वित्त मंत्री ने कहा कि हमारा विदेशी मुद्रा भंडार 11 महीने के लिए देश के आयात को पूरा करने के लिए पर्याप्त है। प्रश्नकाल के दौरान पूरक प्रश्नों का उत्तर देते हुए उन्होंने सदस्यों को विदेशी मुद्रा भंडार और चालू खाता घाटे पर उनकी चिंताओं से अवगत कराया।

वित्त मंत्री ने कहा, मैं आपको आश्वस्त करना चाहती हूं कि 25 मार्च, 2025 तक कुल विदेशी मुद्रा भंडार 658.8 बिलियन अमेरिकी डॉलर है। किसी भी देश के विदेशी मुद्रा भंडार के मामले में हम चौथे सबसे बड़े देश हैं। इसका मतलब है कि हमारे पास जो विदेशी मुद्रा भंडार है, वह हमारे 11 महीने के आयात का ध्यान रखने के लिए पर्याप्त है। वित्त मंत्री ने कहा, हालांकि, विदेशी मुद्रा भंडार में थोड़ी गिरावट आई है, फिर भी आज स्थिति यह है कि विदेशी मुद्रा भंडार के मामले में हम चौथे सबसे बड़े देश हैं।

ट्रंप की धमकियों के बीच सरकार ने किया टैरिफ का बचाव, मंत्री बोले

हम घरेलू उद्योगों की रक्षा चाहते

नई दिल्ली, निप्र। केंद्रीय मंत्री ने लोकसभा में कहा है कि भारत विश्व व्यापार संगठन का सदस्य है और किसी भी वस्तु पर लागू किए जा सकने वाले उसके अधिकतम टैरिफ से बंधा हुआ है। उन्होंने कहा कि हमारी ओर से लगाए जाने वाले टैरिफ आम तौर पर किसी भी वस्तु के लिए तय अधिकतम टैरिफ से कम होते हैं। मंत्री ने आगे क्या कहा, आइए जानें।

भारत की टैरिफ नीति का मकसद व्यापार को विनियमित करना, घरेलू उद्योगों की रक्षा करना और आयातित व निर्यातित वस्तुओं पर कर लगाकर राजस्व पैदा करना है। केंद्रीय मंत्री जितिन प्रसाद ने मंगलवार को लोकसभा में यह बात कही।

केंद्रीय वाणिज्य व उद्योग राज्य मंत्री प्रसाद ने कहा कि सरकार टैरिफ और भारत की आर्थिक वृद्धि पर उसके असर के बारे में नीति आयोग की ओर से हाल में दिए गए बयानों से अवगत है। प्रसाद ने प्रश्नकाल के दौरान बताया कि नीति आयोग का बयान आर्थिक विकास हासिल करने और वैश्विक अर्थव्यवस्था में भारत को अधिक आकर्षक खिलाड़ी बनाने की भारत की व्यापक रणनीति के अनुरूप है।

मंत्री से पूछा गया था कि क्या सरकार नीति आयोग के हाल के उस बयान से अवगत है जिसमें कहा गया है कि टैरिफ सुरक्षा से भारत को कोई लाभ नहीं है और आर्थिक विकास के लिए इसे टैरिफ कम करना जरूरी है। प्रसाद ने कहा कि भारत की टैरिफ नीति का उद्देश्य व्यापार को विनियमित करना, घरेलू उद्योगों की रक्षा करना और आयातित व निर्यातित वस्तुओं पर करों के माध्यम से राजस्व उत्पन्न करना है।

उन्होंने कहा, हालिया सुधारों में टैरिफ संरचना को सुव्यवस्थित करने और व्यापार को सुविधाजनक बनाने पर ध्यान केंद्रित किया गया है। मंत्री ने कहा कि भारत विश्व व्यापार संगठन का सदस्य है और किसी भी वस्तु लाइन पर लागू किए जा सकने वाले उसके अधिकतम टैरिफ से बंधा हुआ है। टैरिफ आम तौर पर किसी भी वस्तु के लिए तय अधिकतम टैरिफ से कम होते हैं।

उन्होंने कहा कि बदलते व्यापार परिदृश्य में भारत अधिक से अधिक मुक्त व्यापार समझौतों की ओर बढ़ रहा है। मंत्री ने बताया कि पीटीए/एफटीए सदस्यों के बीच पर्याप्त व्यापार पर सीमा शुल्क और गैर-टैरिफ बाधाओं को कम किया जाएगा या समाप्त किया जाएगा। वर्तमान में भारत 13 एफटीए और नौ पीटीए का सदस्य है, इसके अलावा यूरोपीय संघ, संयुक्त राज्य अमेरिका, यूनाइटेड किंगडम, ओमान, न्यूजीलैंड और पेरू के साथ व्यापार वार्ता चल रही है। टैरिफ कम करने से, विशेष रूप से इनपुट और मध्यम मूल्य वर्ग के वस्तुओं पर मदद मिलती है।

ओला इलेक्ट्रिक ने मार्च में 23,430 वाहनों का पंजीकरण किया

नई दिल्ली। पिछले माह मार्च में में ओला इलेक्ट्रिक ने 23,430 वाहनों का पंजीकरण किया। कंपनी बयान के अनुसार, दैनिक पंजीकरण की संख्या और लंबित आपूर्ति निपटान में लगातार सुधार हो रहा है। इसमें कहा गया कि हमने फरवरी की लंबित आपूर्ति का लगभग निपटान कर दिया है। उम्मीद है कि फरवरी-मार्च में पंजीकृत अन्य वाहनों की आपूर्ति अप्रैल 2025 तक कर दी जाएगी। ओला इलेक्ट्रिक ने कहा कि उसने मार्च 2025 में अपने 'जेन-3' खंड की आपूर्ति भी शुरू कर दी है। मार्च में उत्पादन बढ़ा दिया था। तेज आपूर्ति और बेहतर ग्राहक अनुभव के लिए अप्रैल में इसे और बढ़ाना जारी रखेंगे।

ब्रॉडबैंड यूजर्स टेलीकॉम कंपनियों की सेवाओं से नाराज

नई दिल्ली। इंटरनेट कनेक्शन में आ रही परेशानियों के कारण ब्रॉडबैंड कनेक्शन लेने वाले 62 फ़ीसदी यूजर्स अपने टेलीकॉम ऑपरेटरों से नाराज हैं। वह ऑपरेटर बदलना चाहते हैं। ब्रॉडबैंड कनेक्शन में फाइबर और डिजिटल सब्सक्राइबर दोनों शामिल है। इंटरनेट कनेक्शन में बार-बार रुकावट आने और कम स्पीड मिलने की शिकायत लगभग सभी उपभोक्ता कर रहे हैं। सोशल मीडिया कम्युनिटी प्लेटफार्म पर किए गए एक सर्वे की रिपोर्ट में, उजागर हुआ है। 66 फीसदी उपभोक्ता अपने सर्विस प्रोवाइडर को बदलना चाहते हैं। सर्विस प्रोवाइडर, उपभोक्ताओं द्वारा शिकायत दर्ज कराने के बाद भी शिकायतों का निवारण नहीं करते हैं। 36 फ़ीसदी उपभोक्ताओं को शिकायत थी। हर महीने उन्हें इसी तरीके की शिकायतों से गुजरना पड़ता है। ऑपरेटर उस पर ध्यान नहीं देते हैं।

इंडसंड बैंक में सरकारी बैंकों का निवेश, सीडी बाजार का सहारा लिया

नई दिल्ली। बैंकिंग सेक्टर में एक नया मुद्दा उभरा है जब इंडसइंड बैंक ने अपने डेरिवेटिव पोर्टफोलियो में गड़बडियां पाने के इस्तीफे के बाद सीडी बाजार का सहारा लिया। इस बारीकी से समझाया जा रहा है कि इसके साथ जुड़े सरकारी बैंकों को भी इस असमंजस का सामना करना पड़ा है। मार्च में, इंडसइंड बैंक ने अपनी सीडी से 16,550 करोड़ रुपये जुटाए, वहीं बाजार में जोरादार प्रतिशत दरों के साथ। इस निवेश के संदर्भ में एक बड़े बैंक के ट्रेजरी अधिकारी ने कहा कि इंडसइंड के सीडी पर जिन दरों की पेशकश की गई थी, हर कोई उसमें निवेश करना चाहेगा। यह निवेश सरकारी बैंकों के लिए महत्वपूर्ण साबित हुआ, खासकर उनको उधारी की लागत को कम करने में मदद मिली। हालांकि, बैंक के इंटरनल ऑडिट में दर्ज गड़बड़ियों ने लोगों को चौंकाया।

पीएफ ऑटो-क्लेम लिमिट बढ़कर हुई 5 लाख

क्लेम सेटलमेंट की अवधि भी अब 10 दिन की बजाय 3-4 दिन में हो जाएगी

नई दिल्ली, एजेंसी। कर्मचारी भविष्य निधि संगठन (ईपीएफओ) ने अपने 7.5 करोड़ सदस्यों के लिए एक बड़ी खुशखबरी दी है, जिसमें पीएफ निकासी की ऑटो सेटलमेंट लिमिट को 5 लाख रुपए तक बढ़ाने का निर्णय लिया गया है। इसके साथ ही क्लेम सेटलमेंट की अवधि भी अब 10 दिन की बजाय 3-4 दिन में हो जाएगी। नए बदलाव के तहत ईपीएफओ के सदस्य अब शादी, शिक्षा और घर खरीदने के लिए भी पीएफ ऑटो-क्लेम की सुविधा का लाभ उठा सकेंगे। यह सुविधा पहले केवल बीमारी और अस्पताल के खर्च के लिए ही उपलब्ध थी। एक रिपोर्ट के मुताबिक, यह निर्णय श्रम और रोजगार मंत्रालय की सचिव सुमिता डावरा के अध्यक्षता में केंद्रीय न्यासी बोर्ड (सीबीटी) की 113वीं बैठक में लिया गया था जो 28 मार्च को श्रीनगर में हुई थी। सीबीटी से मंजूरी मिलने के बाद, यह सुविधा जल्द ही शुरू हो जाएगी और कर्मचारी आसानी से अपना पीएफ निकाल सकेंगे। इसके साथ ही अब 95 फीसदी क्लेम ऑटो-प्रोसेस होंगे और कर्मचारियों को पीएफ का पैसा तुरंत मिलेगा। ईपीएफओ के अनुसार, इस कदम से कागजी कार्यवाही कम होगी और भविष्य निधि निकालने की प्रक्रिया भी तेज होगी।

इस नए बदलाव के साथ, सदस्य यूपीआई और एटीएम के माध्यम से मई या जून के अंत तक तत्काल पीएफ निकाल सकेंगे। श्रम एवं रोजगार सचिव सुमिता डावरा ने बताया कि सदस्य सीधे यूपीआई प्लेटफॉर्म पर अपना पीएफ बैलेंस भी देख सकेंगे और बिना किसी देरी के अपने पसंदीदा बैंक खातों में फंड ट्रांसफर कर सकेंगे। यह नए बदलाव कर्मचारियों के लिए जरूरत के समय अपने पैसे तक पहुंचने में मदद करेगा।

लोगों को महंगाई की मार से मिलेगी राहत

एलपीजी गैस सिलेंडर हुआ सस्ता, 41 रुपये की कटौती

नई दिल्ली, एजेंसी। एलपीजी की कीमतें वैट सहित स्थानीय करों के आधार पर हर राज्य में अलग-अलग होती हैं। हालांकि, घरेलू उपयोग में आने वाली रसोई गैस की कीमत (14.2 किलोग्राम वाले सिलेंडर) में कोई बदलाव नहीं किया गया है।

महीने की पहली तारीख कुछ लोगों के लिए राहत लेकर आई है। दरअसल, एलपीजी गैस सिलेंडर की कीमतों में कटौती का एलान किया गया है। तंल कंपनियों की कीमतों में 41 रुपये की कटौती की गई है। महंगाई की मार के बीच इसे राहत के तौर पर देखा जा रहा है।

जानकारी के मुताबिक, तेल विपणन कंपनियों ने वाणिज्यिक एलपीजी गैस सिलेंडर की कीमतों में संशोधन किया है।

19 किलोग्राम वाले वाणिज्यिक एलपीजी गैस सिलेंडर की कीमत में आज से 41 रुपये की कटौती की गई है। दिल्ली में 19 किलोग्राम वाले वाणिज्यिक एलपीजी सिलेंडर की खुदरा बिक्री कीमत आज से 1762 रुपये हो गई है।

पिछले दो महीनों का हाल: इससे पहले पिछले महीने 19 किलोग्राम वाले कमर्शियल एलपीजी गैस सिलेंडर की कीमतों में इजाफा हुआ था। तब यह दरें 25 रुपये बढ़ाई गई थीं। तब दिल्ली में 19 किलोग्राम वाले वाणिज्यिक स्स्ल सिलेंडर की खुदरा कीमत 1795 रुपये प्रति सिलेंडर हो गई थी। इससे भी पहले फरवरी में केंद्रीय आम बजट से पहले लोगों के लिए एक राहत भरी खबर आई थी। तब तेल विपणन कंपनियों ने कमर्शियल एलपीजी गैस सिलेंडर की कीमतों में सात रुपये की कटौती की थी। तब दिल्ली में इस सिलेंडर की खुदरा बिक्री कीमत 1797 रुपये हो गई थी।

कीमतों में हुआ संशोधन

सार्वजनिक क्षेत्र की इंडियन ऑयल कॉरपोरेशन (आईओसी), भारत पेट्रोलियम कॉरपोरेशन लिमिटेड (बीपीसीएल) और हिंदुस्तान पेट्रोलियम कॉरपोरेशन लिमिटेड (एचपीसीएल) हर महीने की पहली तारीख को बेंचमार्क अंतरराष्ट्रीय ईंधन की औसत कीमत और विदेशी विनिमय दर के आधार पर एटीएफ और रसोई गैस की कीमतों में संशोधन करती हैं।

संक्षिप्त समाचार

मुंडन कराने जा रहे परिवार की कार पलटी, तीन लोग घायल

रायसेन। रायसेन जिले के सिलवानी में मंगलवार शाम को एक कार बेकाबू होकर पलट गई। हादसे में बरेली से सागर मुंडन कराने जा रहे 3 लोग घायल हो गए। सभी को प्राथमिक उपचार के बाद बरेली ले जाया गया है। पुलिस मामले की जांच कर रही है। जानकारी के अनुसार, मंगलवार शाम को बरेली से सागर मुंडन कराने जा रहे जैन परिवार की कार का टायर अचानक फट गया, इसके बाद कार बेकाबू होकर पलट गई। कार में चार लोग सवार थे। इनमें 5 वर्षीय जेनिका जैन, 32 वर्षीय रचना जैन और 35 वर्षीय अनुज जैन घायल हुए। वहीं कार में मौजूद 4 महीने का बच्चा पूरी तरह सुरक्षित है। राहगीरों ने तत्काल घायलों को सिलवानी सिविल अस्पताल पहुंचाया। प्राथमिक उपचार के बाद परिजन घायलों को बरेली ले गए। पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

भस्म आरती में श्री गणेश स्वरूप में श्रृंगारित हुए बाबा महाकाल

उज्जैन। चतुर्थी की भस्म आरती में बुधवार के संयोग पर बाबा महाकाल का श्री गणेश स्वरूप में श्रृंगार किया गया। उनके मस्तक को त्रिपुंड से श्रृंगारित करते हुए फूलों की माला भी धारण करवाई गई। इसके बाद भस्म रमाई गई। विश्व प्रसिद्ध श्री महाकालेश्वर मंदिर में आज चैत्र शुक्ल पक्ष की चतुर्थी तिथि पर बुधवार तड़के भस्म आरती के दौरान चार बजे मंदिर के पट खुलते ही पंडे-पुजारियों ने गर्भगृह में स्थापित सभी भगवान की प्रतिमाओं का पूजन किया। भगवान महाकाल का जलाभिषेक दूध, दही, घी, शक्कर और फलों के रस से बने पंचामृत से किया गया। इसके बाद प्रथम घंटा बजाकर हरि ओम का जल अर्पित किया गया। कपूर आरती के बाद बाबा महाकाल को चांदी का मुकुट, रुद्राक्ष और पुष्पों की माला धारण करवाई गई। आज के श्रृंगार की विशेष बात यह रही कि चतुर्थी की भस्म आरती में बुधवार के संयोग पर बाबा महाकाल का श्री गणेश स्वरूप में श्रृंगार किया गया। बाबा के मस्तक को त्रिपुंड से श्रृंगारित करते हुए फूलों की माला भी धारण करवाई गई। श्रृंगार के बाद बाबा महाकाल को महानिर्वाणी अखाड़े द्वारा भस्म रमाई गई और फिर कपूर आरती कर भोग लगाया गया। भस्म आरती में बड़ी संख्या में पहुंचे श्रद्धालुओं ने बाबा महाकाल के दिव्य स्वरूप के दर्शन कर आशीर्वाद प्राप्त किया और जय श्री महाकाल का उद्घोष भी किए।

सीबीआई ने फर्जी एनकाउंटर मामले में डीएसपी को किया गिरफ्तार

इंदौर। बंशी गुर्जर नीमच क्षेत्र का तस्कर है। वर्ष 2009 में पुलिस द्वारा बताया गया था कि बंशीलाल उर्फ शिवा पिता रामलाल गुर्जर के साथ कुकड़ेश्वर थाना क्षेत्र में पुलिस के साथ मुठभेड़ हुई थी। जिसमें बंशीलाल की मौत बताई गई थी। नीमच क्षेत्र में वर्ष 2009 में बंशी गुर्जर फर्जी एनकाउंटर मामले में दिल्ली की सीबीआई टीम ने इंदौर जिले में पदस्थ डीएसपी ग्लेडविन को गिरफ्तार किया है। नीमच के कुख्यात अपराधी और तस्कर को पुलिस ने एनकाउंटर में मृत बताया था, जबकि वह जीवित निकला था। मामला कोर्ट तक पहुंचा था। कोर्ट ने सीबीआई को जांच के निर्देश दिए थे। सीबीआई ने मामले की जांच की। तब नीमच थाने में बतौर थाना प्रभारी ग्लेडनिव पदस्थ थे। जांच में उनकी भूमिका भी संदिग्ध पाई गई थी। उनके खिलाफ सबूत मिलने के बाद मंगलवार रात को टीम ने उन्हें गिरफ्तार किया। बंशी गुर्जर नीमच क्षेत्र का तस्कर है। उस पर कई मामले दर्ज है। वर्ष 2009 में पुलिस द्वारा बताया गया था कि बंशीलाल उर्फ शिवा पिता रामलाल गुर्जर के साथ कुकड़ेश्वर थाना क्षेत्र में पुलिस के साथ मुठभेड़ हुई थी। जिसमें बंशीलाल की मौत होना बताई गई थी, लेकिन ग्रामीणों में चर्चा चलती रही कि बंशीलाल जिंदा है।

किशोरी के पेट से निकला 8 किलो का ट्यूमर

इंदौर। इंदौर के एमटीएच अस्पताल में 15 साल की लड़की का सफल ऑपरेशन किया गया। जिसमें उसके पेट से 8 किलो की बड़ी गठान निकाली गई। लंबे समय से उसे पेट में दर्द की शिकायत थी। दर्द बढ़ने पर उसके पिता उसे अस्पताल लेकर पहुंचे, जहां जांच के बाद डॉक्टरों ने ऑपरेशन करने का फैसला लिया। यह लड़की सरदारपुर इलाके की रहने वाली है। उसके पिता, प्रकाश परमार, ने बताया कि उनकी बेटी रेणुका को काफी समय से पेट में दर्द की समस्या थी। आर्थिक स्थिति ठीक न होने के कारण वे उसे एमटीएच अस्पताल लेकर आए। यहां डॉक्टर प्रो. सुमित्रा यादव की यूनिट ने उसकी जांच की, जिसमें पाया गया कि पेट में सूजन थी और गठान के बढ़ते वजन के कारण उसे सांस लेने और चलने-फिरने में दिक्कत हो रही थी।

जबलपुर में महिला के प्रेमी को भाई-पति ने मारे चाकू

महिला ने मां से कहा था- मैं शादी करना चाहती हूं, सोशल मीडिया से हुई थी दोस्ती

जबलपुर ■ निसं

जबलपुर में रेलवे स्टेशन के बाहर एक युवक पर चाकू से हमला कर उसे गंभीर रूप से घायल कर दिया गया। घटना उस समय हुई जब युवक स्टेशन से बाहर निकल रहा था। पहले से घात लगाए बैठे दो युवकों ने अचानक उस पर ताबड़तोड़ हमला किया और मौके से फरार हो गए। दरअसल, घायल युवक अपनी प्रेमिका के साथ जयपुर से लौटा था। तभी महिला के पति और भाई ने उस पर ताबड़तोड़ चाकू से वार कर उसे गंभीर रूप से घायल कर दिया। स्थानीय लोगों की मदद से घायल को सिहोरा सिविल अस्पताल ले जाया गया, लेकिन हालत नाजुक होने के कारण उसे मेडिकल कॉलेज रेफर किया गया। पुलिस आरोपियों की तलाश में जुटी हुई है। घटना मंगलवार शाम की है, जिसका एक वीडियो भी सामने आया है। फिलहाल घायल युवक का इलाज मेडिकल कॉलेज में चल रहा है, जहां उसकी हालत गंभीर बनी हुई है।

महिला से सोशल मीडिया पर हुई थी दोस्ती: घायल युवक का नाम रंजीत कुशवाहा है। वह पनागर का रहने वाला है। प्राइवेट नौकरी करने वाले रंजीत का तलाक होने के बाद कुछ महीने पहले जबलपुर के बेलबाग क्षेत्र में रहने वाली 28 वर्षीय युवती कोमल से सोशल मीडिया के जरिए दोस्ती हुई। इसके बाद दोनों के बीच फोन पर बातचीत होने लगी।

रंजीत ने कोमल को बताया कि उसका पत्नी से अक्सर विवाद होता रहता था, जिसके कारण उसने तलाक लेने का फैसला किया। वहीं, कोमल ने भी बताया कि वह अपने पति के साथ खुश नहीं है, क्योंकि वह अक्सर उसके साथ मारपीट करता है। इसके बाद दोनों के बीच नजदीकियां बढ़ गईं और जब भी रंजीत जबलपुर आता, तो वह कोमल से मिलता था।

कोमल की मां ने यह जानकारी परिवार को दी, जिसके बाद बेलबाग थाने में गुमशुदगी की रिपोर्ट दर्ज कराई गई। पुलिस युवती की तलाश में जुट गई। जांच के दौरान पुलिस ने रंजीत के परिवार से भी संपर्क किया, तो पता चला कि वह भी एक सप्ताह से घर नहीं लौटा है। उसके परिवार वालों ने बताया कि फोन पर हुई बातचीत में उसने खुद को जयपुर में होने की जानकारी दी थी।

एक सप्ताह पहले जयपुर गए थे

खितौला थाना प्रभारी अर्चना सिंह जाट ने बताया कि एक सप्ताह पहले रंजीत और कोमल जयपुर घूमने गए थे। इस दौरान कोमल ने अपनी मां को फोन कर बताया था कि वह अपने एक दोस्त के साथ जयपुर में है और उससे शादी करना चाहती है।

स्टेशन से बाहर निकलते ही हमला

मंगलवार शाम को जब रंजीत कुशवाहा कोमल के साथ खितौला रेलवे स्टेशन से बाहर निकला, तभी दो लोगों ने उस पर अचानक हमला कर दिया। हमलावरों ने उसके सीने और पेट पर चार से पांच बार चाकू से वार किया और फरार हो गए।

महिला के पति और भाई ने किया हमला

पुलिस जांच में सामने आया कि रंजीत पर हमला करने वाले आरोपी कोमल के पति रोहित कैथवास और भाई आशू सिंह थे, जो बेलबाग क्षेत्र के निवासी हैं। पुलिस को जानकारी मिली कि रोहित और आशू को पता चल गया था कि कोमल और रंजीत जयपुर से लौट रहे हैं। कोमल ने अपनी मां को बताया था कि वह खितौला स्टेशन पर उतरने के बाद बस से जबलपुर आएगी। यह जानकारी रोहित और आशू को भी मिल गई थी, जिसके बाद उन्होंने पहले से घात लगाकर रंजीत पर हमला किया।

नरसिंहगढ़ में रहवासी इलाके में खुली शराब की दुकान, लोगों ने किया जमकर हंगामा, फिर दुकान की गई सील

शराब दुकान के बाहर हंगामा।

राजगढ़ ■ निसं

राजगढ़ जिले के नरसिंहगढ़ नगर के सूरजपोल रहवासी क्षेत्र में स्थित शराब दुकान, नवीन टेंडर प्रक्रिया के तहत एक अप्रैल को दोबारा खोली गई, लेकिन स्थानीय रहवासियों के विरोध के बाद इसे एक घंटे के भीतर बंद कर दिया गया। जानकारी के अनुसार, रहवासी क्षेत्र में संचालित इस शराब दुकान को हटाने के लिए स्थानीय लोगों ने कई बार अधिकारियों से शिकायत की थी। उन्हें आश्वासन दिया गया था कि एक अप्रैल से इस स्थान पर दुकान संचालित नहीं होगी। हालांकि, 31 मार्च को हुई नीलामी प्रक्रिया में उसी ठेकेदार को शराब ठेका आवंटित कर दिया गया, जो पहले भी दुकान चला रहा था।

रहवासियों के विरोध पर आबकारी विभाग की कार्रवाई: बताया जा रहा है कि जब एक अप्रैल को दुकान दोबारा खोली गई, तो स्थानीय रहवासियों ने मौके पर पहुंचकर विरोध जताया और शराब दुकान को अन्यत्र शिफ्ट करने की मांग की। हंगामे के बाद आबकारी विभाग की टीम ने मौके पर पहुंचकर शराब का स्टॉक जब्त कर ठेके को सील कर दिया। आबकारी अधिकारी के अनुसार, नीलामी प्रक्रिया में शराब ठेका संबंधित फर्म को दिया गया था, लेकिन लाइसेंस प्रक्रिया पूरी न होने के कारण फिलहाल दुकान को सील कर दिया गया है।

रहवासियों की आपत्ति

रहवासियों का कहना है कि वे पहले भी अधिकारियों को आवेदन देकर इस ठेके को अन्य स्थान पर शिफ्ट करने की मांग कर चुके थे। उन्हें ठेका न खोलने का आश्वासन मिला था, लेकिन फिर भी दुकान शुरू कर दी गई। रहवासियों के विरोध के बाद दुकान सील कर दी गई और 31 मार्च तक का बचा हुआ स्टॉक खत्म करने की मोहलत मांगी गई है। रहवासियों ने यह भी बताया कि इस शराब दुकान के कारण इलाके में शराबियों का जमावड़ा रहता है, जिससे महिलाओं और बच्चों को परेशानी का सामना करना पड़ता है।
वे ठेके को पूरी तरह से हटाने की मांग कर रहे हैं।

शॉर्ट सर्किट से झोपड़ी में लगी आग, झुलसने से मां-बेटी की हालत गंभीर

दमोह ■ निसं

दमोह जिले के गैसाबाद थाना क्षेत्र अंतर्गत गर्रे गांव के खेत में बनी झोपड़ी में मंगलवार दोपहर अचानक आग लग गई। जिससे एक वर्षीय बच्ची आग की चपेट में आ गई। उसे बचाने के प्रयास में मां भी झुलस गई। दोनों को गंभीर हालत में खेत मालिक व परिजनों द्वारा पहले हटा सिविल अस्पताल ले जाया गया। उसके बाद रात में दमोह जिला अस्पताल लाया गया, जहां ड्यूटी डॉक्टर दिव्यांशु अवस्थी के द्वारा इलाज शुरू किया गया, लेकिन बच्ची की हालत गंभीर बताई जा रही है। पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

शॉर्ट सर्किट से लगी आग: जानकारी के अनुसार गर्रे गांव में राजदीप सिंह राजपूत के खेत में फसल की रखवाली के लिए झोपड़ी बनाई गई थी। जिसमें देवरा जामसा निवासी सजीवन आदिवासी अपनी पत्नी कल्लो 26 वर्ष और एक वर्ष की बेटी रजनी के साथ रहता था और फसल की रखवाली का काम करता था। मंगलवार दोपहर अचानक लकड़ी और घांस से बनी झोपड़ी में आग लग गई। इस घटना में आग से झुलसी कल्लो बाई ने बताया वह नहा रही थी और बेटी झोपड़ी के अंदर सो रही थी।

एक बल्ब जल रहा था संभवत: उसी के शॉर्ट सर्किट से झोपड़ी में आग लग गई। जैसे ही उसने आग की लपटें देखी वह अंदर पहुंची बेटी तो आग में झुलस गई थी। उसे बचाने पहुंच गई और बाहर ले आई, जिसमें मां, बेटी दोनों आग की चपेट में आ गए। महिला के ससुर राकेश और पति सजीवन ने बताया वह लोग घर से बाहर थे। शॉर्ट सर्किट से झोपड़ी में आग लगने से मां, बेटी झुलस गए बेटी की हालत ज्यादा गंभीर है जिनका इलाज जिला अस्पताल में चल रहा है। पुलिस ने मामले की जांच शुरू कर दी है।

घटना की जानकारी देते परिजन।

पहले भी हो चुकी घटनाएं

गौरतलब हो कि जिले के ग्रामीण अंचलों में लोग फसल की रखवाली करने खेत में ही कच्ची झोपड़ी बना लेते हैं। जिसमें शॉर्ट सर्किट के कारण इसी प्रकार के हादसे हो जाते हैं। पहले भी इस तरह की घटनाएं सामने आ चुकी हैं।

बालाघाट। जनसुनवाई के दौरान एक शिकायती आवेदन पर कलेक्टर मृणाल मीना ने संज्ञान लेते हुए कहा कि पूर्व में भी शिकायत प्राप्त हुई है। इसके लिए जांच करने के निर्देश दिए गए थे। उन्होंने जिला पंचायत के प्रभारी सीईओ से जांच प्रतिवेदन प्रस्तुत करने के निर्देश दिए है। आवेदन में लांजी की ग्राम पंचायत मोहझरी में सरपंच-सचिव द्वारा धांधली करने की शिकायत की गई है। इसी तरह जनसुनवाई के दौरान ही कटंगी जनपद के ग्रामीण क्षेत्र की शिकायत के सम्बंध में भी कलेक्टर मीना ने जांच करने के निर्देश दिए है।

संजय गांधी ताप विद्युत केंद्र में ठेका श्रमिकों का हो रहा शोषण, एसडीएम से शिकायत, लगाए यह आरोप

उमरिया ■ निसं

उमरिया जिले के बिरसिंहपुर पाली में स्थित संजय गांधी ताप विद्युत गृह (मंगठार) में कार्यरत विभिन्न कंपनियों और ठेकेदारों द्वारा श्रमिकों के शोषण का मामला सामने आया है। इन कंपनियों पर आरोप है कि वे गैरकानूनी तरीकों से काम कर रही हैं और श्रमिकों को उनके अधिकारों से वंचित कर रही हैं। श्रमिकों को न तो जॉइनिंग लेटर, न ऑफर लेटर और न ही उनकी पहचान के लिए आईडी कार्ड उपलब्ध कराए जाते हैं। इतना ही नहीं, उन्हें उनकी वेतन पर्ची भी नहीं दी जाती है, जिससे भुगतान में अनियमितता बरती जा रही है। कई श्रमिकों का गेट पास तक नहीं बनाया जाता, जिससे वे कानूनी रूप से मान्यता प्राप्त श्रमिक नहीं माने जाते हैं। ऐसे में ठेकेदार कम वेतन देकर उनका शोषण कर रहे हैं।

कोणार्क इंजीनियरिंग कॉरपोरेशन भोपाल पर आरोप: ताजा मामला कोणार्क इंजीनियरिंग कॉरपोरेशन भोपाल से जुड़ा है, जिसे संजय गांधी ताप विद्युत गृह के ष्ट प्लांट रूरू-2 में कार्य मिला है। आरोप है कि यह ठेकेदार 7 दिसंबर 2025 से बिना किसी वैध लाइसेंस और श्रम कानूनों का पालन किए श्रमिकों से अवैध रूप से काम करवा रहा है। इस पूरे मामले में रूरू-2 के एक अधीक्षण अभियंता और कार्यपालन अभियंता की संलिप्तता भी बताई जा रही है।

श्रमिकों का आरोप है कि उन्हें कानूनी सुरक्षा देने के बजाय ठेकेदार और अधिकारी उनका शोषण कर रहे हैं। बिना गेट पास और उचित दस्तावेजों के श्रमिकों को काम पर लगाया जाता है ताकि उन्हें न्यूनतम वेतन और पीएफ जैसी सुविधाओं से वंचित रखा जा सके।

संजय गांधी ताप विद्युत केंद्र।

छिंदवाड़ा में मौसम का बदला मिजाज, अगले दिनों ओलावृष्टि और बारिश की संभावना

छिंदवाड़ा। मौसम पूर्वानुमान के अनुसार, दो और तीन अप्रैल को गरज-चमक, बिजली गिरने और 50 से 60 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से तेज हवा के साथ हल्की बारिश हो सकती है, जबकि कुछ स्थानों पर ओले गिरने की भी आशंका है। छिंदवाड़ा में बुधवार को मौसम में बदलाव देखने को मिला। न्यूनतम तापमान 19.5 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया, जबकि बीते घंटे में 1.4 मिलीमीटर बारिश हुई। मौसम विभाग के अनुसार, आगामी दिनों में जिले में मौसम में उतार-चढ़ाव जारी रहेगा और हल्की बारिश के साथ तेज हवाएं चलने की संभावना है। विशेषज्ञों का कहना है कि तीन अप्रैल को छिंदवाड़ा, पांढुर्णा, सिवनी, बालाघाट और मंडला जिलों में ओलावृष्टि हो सकती है। इसके अलावा, ग्वालियर, भिंड, दतिया समेत 16 जिलों में हल्की बारिश, गरज-चमक और तेज आंधी चलने की संभावना जताई गई है।

218 करोड़ की डील के बाद भी नगर निगम को नहीं मिला एक भी रुपया

इंदौर ■ निसं

हुकमचंद मिल की जमीन को 218 करोड़ में बेचने के बावजूद नगर निगम को कोई सीधा वित्तीय लाभ नहीं हुआ। गृह निर्माण मंडल के साथ हुए करार के तहत यह राशि मजदूरों के भुगतान में समाहित हो गई।

हुकमचंद मिल की जमीन की रजिस्ट्री के मामले में नगर निगम को आर्थिक रूप से कोई सीधा लाभ नहीं हुआ है। आधिकारिक दस्तावेजों के अनुसार, नगर निगम ने इस जमीन को मध्यप्रदेश गृह निर्माण एवं अधोसंरचना मंडल को 218 करोड़ रुपए में बेचा है। लेकिन यह बिक्री मात्र कागजों तक ही सीमित रही, क्योंकि इस रजिस्ट्री के बावजूद निगम को एक भी रुपया प्राप्त नहीं हुआ। यह मामला नगर निगम के लिए एक जटिल वित्तीय प्रक्रिया का हिस्सा बन गया है, जिसमें सीधे तौर पर किसी प्रकार की राजस्व प्राप्ति नहीं हुई। हाल ही में नगर निगम ने हुकमचंद मिल की 17.9 हेक्टेयर जमीन में से 17.5 हेक्टेयर जमीन की रजिस्ट्री गृह निर्माण मंडल के नाम कराई।

नर्मदा नदी के आंवलीघाट से स्नान के दौरान लापता युवक तीन माह बाद सकुशल मिला

सीहोर ■ निसं

सीहोर निवासी मनोज सेन अपनी पत्नी प्रेमलता के साथ 30 दिसंबर 2024 सोमवती अमावस्या को सुबह 5 बजे आंवलीघाट पर स्नान करने गए थे। जहां दोनों ने नदी में एक साथ डुबकी लगाई। डुबकी लगाने के बाद मनोज लापता हो गया। जिसकी अभी तक तलाश चल रही थी।

जाको राखे साइयां मार सके न कोईज्ये कहावत चरितार्थ हो गई, जब तीन माह पहले नर्मदा नदी के आंवलीघाट से स्नान के दौरान गायब हुआ युवक आंवलीघाट से ही सकुशल मिल गया। परिजन युवक को अपने बीच सकुशल पाकर बेहद खुश हैं। युवक के लापता होने से उनकी पत्नी प्रेमलता, बेटे अरुण और कान्हा का रो-रो कर बुरा हाल था, लेकिन उन्होंने कभी हिम्मत नहीं हारी और न ही उनका विश्वास टूटा। उन्हें इस बात का भरोसा था कि उनके पिता कभी न कभी जरूर आएंगे और उनका यह विश्वास 1 अप्रैल यानी मंगलवार को सच में बदल गया।

रेहटी थाना प्रभारी राजेश कहारे ने बताया कि उन्हें मंगलवार को आंवलीघाट से अज्ञात नंबर से फोन आया कि आंवलीघाट से 3 महीने पहले जो युवक लापता हुआ था वो आश्रम में बैठा हुआ है। सूचना मिलते ही पुलिस आश्रम पहुंची और मनोज सेन को सकुशल थाने लेकर पहुंची। जब मनोज सेन से पूछताछ की गई तो वह ठीक से किसी भी सवाल का जवाब नहीं दे पा रहा था। बार-बार नर्मदे हर के जयकारे लगा रहा था। इसके बाद पुलिस ने परिजनों को सूचना दी और पहचान करने के बाद मनोज को उनके परिजनों को सौंप दिया गया। फिलहाल मनोज सीहोर जिले के अपने पैतृक गांव रोला में हैं।

यह है पूरा मामला: मनोज सेन अपनी पत्नी प्रेमलता के साथ 30 दिसंबर 2024 को सुबह 5 बजे आंवलीघाट पर स्नान करने गए थे। जहां दोनों ने नदी में एक साथ डुबकी लगाई। डुबकी लगाने के बाद मनोज लापता हो गया। मनोज की पत्नी घाट पर बने चेंजरूम में कपड़े बदलने चली गई। कपड़े बदलने के बाद घाट पर मनोज को देखती रही लेकिन वो कहीं दिखाई नहीं दिए। इसके बाद प्रेमलता ने आश्रम में जाकर देखा तो वहां भी नहीं मिला। प्रेमलता को जब मनोज कहीं भी दिखाई नहीं दिया तो उन्होंने पुलिस को इसकी सूचना दी। इसके बाद से रेहटी पुलिस, स्ष्ठश्रक्रस्न की टीम ने तलाशी शुरू की थी। लगातार अभियान चलाया, लेकिन मनोज सेन का कहीं कोई सुराख नहीं मिला।

कलेक्टर ने भी दिए थे निर्देश

सीहोर के तत्कालीन कलेक्टर प्रवीण सिंह ने भी मनोज को ढूंढने के निर्देश दिए थे, लेकिन मनोज का 92 दिन तक कहीं कोई सुराग नहीं लगा। इसके बाद पुलिस एवं परिजनों ने भी आस छोड़ दी थी, लेकिन अब मनोज के घर में खुशी का माहौल है। मनोज के बेटे अरुण सेन ने बताया कि मेरे पापा सकुशल घर आ गए हैं, लेकिन अभी उनकी दिमागी स्थिति ठीक नहीं है। पापाजी की वापसी से घर में खुशी का माहौल है।

यह दवा अमूल्य है

खूनी बवासीर के मरीजों के लिये आवश्यक सूचना

1. क्या आप खूनी बवासीर से पीड़ित है।
2. डाक्टरों, हकीमों और वैद्यों का ईलाज करा-करा कर थक गये हैं।
3. निरंतर खून आने से शरीर अत्यंत दुर्बल और कमजोर हो जाता है।

तो आइये मात्र 6 पुड़िया आपके जीवन को चिंताओं से मुक्त कर सकती है और आप फिर से पूर्ण मस्ती के साथ जीवन व्यतीत करने के लिये सक्षम हो सकते हैं।
तो आज ही हमारे निम्न पते पर आये और नि:शुल्क दवा प्राप्त करें।

दैनिकअमृत दर्शन

6, पत्रकार नगर कोलार रोड, भोपाल-462003, मो. 9827054436

टीआई पर दर्ज हुआ रेप का मामला, युवती का आरोप- नशीली दवा देकर किया दुष्कर्म

भोपाल। महिला थाना पुलिस ने झाबुआ जिले में तैनात पुलिस निरीक्षक राजकुमार कुंसारिया पर दुष्कर्म का केस दर्ज कर लिया है। उनके खिलाफ 32 वर्षीय एक होटल संचालिका ने दुष्कर्म करने की शिकायत की थी। उसमें जिक्र कि टीआइ ने 2019 में नशीली देवा देकर पहली बार उनसे संबंध बनाए। उसके बाद शादी का झांसा देकर 2023 तक शारीरिक शोषण किया। महिला थाना पुलिस के मुताबिक के युवती ने शिकायत में बताया कि इंस्पेक्टर राजकुमार कुंसारिया उनके पुराने परिचित थे। वह काफी सालों बाद एक दिन अचानक मिले। इसी दौरान 23 अगस्त 2019 को उन्होंने अपने जन्मदिन पर घर बुलाया। आरोपी ने कहा कि आप काफी काम कर थकान जाती हैं। एक टेबेलेट खाकर आराम मिल जाएगा। उसको खाकर कुछ याद नहीं रहा। इसका फायदा उठाकर आरोपी ने उनके साथ संबंध बनाए। उन्होंने विरोध किया तो आरोपी टीआइ ले उनको शादी करने का भरोसा दिया। उसके बाद से उसने 2023 तक उसका शोषण किया। उसका भोपाल से तबादला हो गया। उसने मिलना जुलना बंद कर दिया। मार्च 2023 को उसने शादी से इनकार कर दिया। उसके बाद कई बार बात करने की कोशिश की, लेकिन वह कोई संपर्क नहीं कर रहा है।

भोपाल नगर निगम का कल बजट

भोपाल ■ अमृत दर्शन

भोपाल नगर निगम का 3 अप्रैल को बजट बैठ होगी। बजट बैठक में प्रॉपर्टी और जल टैक्स में 10 से 15त्न बढ़ोतरी की संभावना जताई जा रही है। हालांकि विपक्ष इसका लगातार विरोध कर रहा है। दरअसल तीन साल पहले जलकर बढ़ाया गया था। जिसमे जलकर 15 फीसदी यानी, 30 रुपए की बढ़ोतरी की गई थी। अबकी बार भी 10 फीसदी तक जलकर बढ़ सकता है। प्रॉपर्टी और जल टैक्स में बढ़ोतरी के पीछे नगर निगम की आर्थिक तंगी बताई जा रही है।

10 से 15 प्रतिशत बढ़ सकता है जल और प्रॉपर्टी टैक्स

अगर कर बढ़ा तो जनता पर इतना पड़ेगा बोझ

अगर 3 साल बाद अब जलकर की राशि में 10 प्रतिशत की वृद्धि होती है तो,शहरवासियों को प्रति माह 230 से 240 रुपए तक देना पड़ सकता हैं। अभी 210 देने पड़ते हैं। यानी 20 से 30 रुपए की बढ़ोतरी हो सकती है। मार्च 2022 को आखिरी बार जलकर बढ़ा था। तब 180 की जगह जलकर के रूप में प्रति माह 210 रुपए लिए जाने का निर्णय हुआ था। वहीं प्रॉपर्टी टैक्स में भी बढ़ोतरी होने की बात कही जा रही है। जिन लोगों के मकान 2400 स्क्वायर फीट तक क्षेत्र में बने हैं, उनसे 210 रुपए प्रतिमाह लिए जा रहे हैं। तीन साल पहले प्रतिमाह 30 रुपए की बढ़ोतरी हुई थी। वहीं, जो मकान 2400 स्क्वायर फीट से अधिक क्षेत्र में बने हैं, वे 300 रुपए प्रतिमाह चुका रहे हैं। निचली आय वर्ग के लोगों को 30 रुपए प्रतिमाह की जल प्रभार शुल्क देना पड़ता है। जबकि बल्क कनेक्शन लेने वाले उपभोक्ता को फायदा मिल सकता है। अभी बल्क कनेक्शन के 35 हजार रुपए लगते हैं, इसे 15 से 20 हजार रुपए किया जा सकता है। यह राशि सीधे आधी हो जाएगी।

जाने कितना था पिछला बजट

भोपाल नगर निगम का पिछला बजट 3353 करोड़ रुपए का पेश हुआ था। इस बजट में कोई भी टैक्स नहीं बढ़ाया गया था। तब भी जल कर बढ़ाने की संभावना थी, पर विरोध के चलते ऐसा नहीं हो सका था। अवैध से वैध हुई कॉलोनियों में विकास कार्य कराए जाने के लिए करोड़ों रुपयों का प्रावधान जरूर किया गया था। वहीं, डोर-टू-डोर कचरा इकट्ठा करने के लिए इलेक्ट्रिक गाड़ियां खरीदने का प्रावधान भी था। इस प्रस्ताव के तहत निगम ने 100 से अधिक इलेक्ट्रिक रिक्शा खरीदे हैं। प्रॉपर्टी टैक्स में जितनी राशि मिलेगी, उसमें से 50 फीसदी उसी वार्ड में खर्च होंगी। कंवेंशन सेंटर 10 करोड़ रुपए और तालाबों को संवारने के लिए 5 करोड़ रुपए खर्च करने के प्रस्ताव भी बनाए थे। वहीं, राजधानी की सभी मुख्य सड़कों पर हरिगेज गेट बनाने का प्रस्ताव था। इस पर अमल नहीं हुआ है। निगम कर्मियों के 10वीं और 12वीं की मैरिट लिस्ट में आने वाले बच्चों को 5 हजार रुपए की प्रोत्साहन राशि देने के प्रस्ताव का अमल में लाया जा चुका है।

भोपाल, इंदौर और जबलपुर संभाग में आज बारिश का अलर्ट

दिन-रात का तापमान गिरा

भोपाल ■ अमृत दर्शन

मध्य प्रदेश में पिछले 24 घंटे में कई जिलों में बादल छाए हुए हैं। साथ ही कुछ जिलों में हल्की बारिश भी दर्ज की गई है। अगले 24 घंटे में इंदौर, जबलपुर और भोपाल संभाग में बारिश का अलर्ट जारी किया गया है।

मध्य प्रदेश में पिछले 24 घंटे से मौसम बदला हुआ है। हवाओं के साथ नमी आने के कारण प्रदेश के दक्षिणी क्षेत्र में बादल बने हुए हैं। इसके साथ ही गरज-चमक के साथ कहीं-कहीं बूंदाबांदी भी हो रही है। हवाओं की रफ्तार भी तेज बनी हुई है। मौसम विज्ञानियों के मुताबिक बुधवार-गुरुवार को नर्मदापुरम, इंदौर, जबलपुर और भोपाल संभाग के जिलों में कहीं-कहीं बारिश हो सकती है। लगातार मौसम में हो रहे बदलाव के कारण प्रदेश के दिन और रात के तापमान में गिरावट आई है। एक दिन पहले प्रदेश के तापमान में में सात डिग्री से ज्यादा की गिरावट दर्ज की गई। सबसे ज्यादा गिरावट सिवनी जिले में देखने को मिली, यहां का अधिकतम तापमान 7-8 डिग्री गिर कर 30.2 डिग्री दर्ज किया गया। इसी प्रकार मलाजखंड में 5.3 डिग्री की गिरावट देखी गई।

इन मौसम प्रणालियों के प्रभाव का असर

मौसम विभाग के सीनियर वैज्ञानिक वेद प्रकाश ने बताया कि वर्तमान में मध्य महाराष्ट्र और उसके आसपास हवा के ऊपरी भाग में चक्रवात बना हुआ है। दक्षिणी छत्तीसगढ़ से लेकर मध्य महाराष्ट्र तक एक द्रोणिका बनी हुई है। मध्य महाराष्ट्र पर बने चक्रवात से लेकर कर्नाटक और तमिलनाडु तक भी एक द्रोणिका बनी है। इन मौसम प्रणालियों के प्रभाव से हवाओं के साथ नमी आने से बादल बने हुए हैं। दक्षिणी मध्य प्रदेश में कहीं-कहीं बूंदाबांदी भी हो रही है। बुधवार-गुरुवार को नर्मदापुरम, इंदौर, जबलपुर एवं भोपाल संभाग के जिलों में कहीं-कहीं बारिश हो सकती है। गुरुवार से एक नए पश्चिमी विक्षोभ के सक्रिय होने की संभावना है। उसके असर से गुरुवार को ग्वालियर, चंबल संभाग में भी कहीं-कहीं बारिश हो सकती है।

ऐसा रहेगा मौसम

- **3 अप्रैल :** नर्मदापुरम, बैतूल, छिंदवाड़ा, पांढुर्णा, सिवनी, बालाघाट, मंडला में ओले गिर सकते हैं, जबकि ग्वालियर, भिंड, दतिया, श्योपुर, शिवपुरी, गुना, अशोकनगर, राजगढ़, विदिशा, रायसेन, हरदा, डिंडौरी, अनूपपुर, शहडोल, पन्ना और सतना में हल्की बारिश, गरज-चमक और तेज आंधी का अलर्ट है।
- **4 अप्रैल :** सिवनी में ओले गिरने का अलर्ट है। मंडला और बालाघाट में तेज आंधी चल सकती है।

भोपाल। न्यू मार्केट के खेड़ापति हनुमान मंदिर में मंदिर के जिन आधार के लिए प्लाटिंग का काम सौंदर्य करण का काम शुरू होने पर शिला पूजन के कार्यक्रम में मध्य प्रदेश के केंद्रीय कैबिनेट मंत्री कैलाश विजयवर्गीय विधायक भगवान दास सबनानी नगर निगम की महापौर श्रीमती मालती राय नगर निगम के अध्यक्ष कृष्ण सूर्यवंशी न्यू मार्केट व्यापारी संघ के अध्यक्ष नानक सिंह दुआ पार्षद श्रीमती राजू अनेजा एवं प्रकाश मिरचंदानी एवं संजय बलेचा, अजय अग्रवाल, मुकेश गोयल, कमल गौड़ आरसी जैन, शशांक जैन, हिमांशु राठौर और तमाम गणमान्य नागरिक उपस्थित थे।

सेमरा साईराम कालोनी शराब की दुकान पर आज होंगा सुंदरकांड

भोपाल ■ अमृत दर्शन

मध्यप्रदेश सरकार ने प्रदेश की जनता की परेशानियों को देखते हुए धार्मिक स्थलों से शराब की दुकानों को हटाने के लिए महत्वपूर्ण और ऐतिहासिक निर्णय लिया है। लेकिन राजधानी भोपाल के रहवासी इलाकों में अलॉट की गई दुकानें आम जनता के लिए भारी परेशानी का सबब बन रही है। शहर के स्टेशन रोड स्थित साईराम कालोनी सेमरा गेट मुख्य मार्ग पर संचालित हो रही है।जो कि धार्मिक स्थल और स्कूल के नजदीक संचालित की जा रही है।

शराब दुकान बंद कराने को लेकर महिलाएं कराएंगी सुंदरकांड

जिसकी दुकान से दूरी 500मीटर है जिससे शराब की दुकान से हर रोज शाम को शराबियों के हरकतों से स्थानीय रहवासी, महिलाएं और स्कूली बच्चों को परेशानियों का सामना हर रोज हो करना पड़ रहा है शराबियों की हरकतों से परेशान है जो कि आज विरोध सुन्दरकाण्ड ओर धार्मिक आयोजन से होंगा प्रारंभ आज से लेकर कल तक चलेंगा।

भोपाल। आज ताजुल मस्जिद में हज जाने वाले मुस्लिम भाइयों के लिए लॉटरी से टिकट निकाल कर सौंपे।

चार साल की मासूम को ट्रक ने कुचला, आरोपी चालक फरार

भोपाल ■ अमृत दर्शन

बैरसिया रोड पर रतुआ में मंगलवार की रात एक ट्रक ने सड़क किनारे बाइक पर बैठे पिता और मासूम बच्ची को चपेट में ले लिया। हादसे में बच्ची की मौत हो गई।

जबकि पिता की हालत नाजुक बनी है। परिवार सीहोर में रहने वाले रिश्तेदार के घर से ईद मनाकर बैरसिया के लिए लौट रहा था। घटना के समय परिवार चाय-पानी पीने के लिए ढाबे पर रुका था।

आमना अली (4) पुत्री सैयद जाहिद अली बैरसिया के शेरपुरा की रहने वाली थी। इसी साल परिजनों ने उसे नर्सरी क्लास में एडमिट कराया था। मृतका के चाचा जोएब ने बताया कि उसके पिता बैरसिया में गारमेंट शॉप का संचालन करते हैं। ईद के मौके पर जाहिद पत्नी और बेटी को लेकर सीहोर में रहने वाली बहन के घर ले गए थे। परिवार बाइक से मंगलवार की सुबह वहां पहुंचा था, रात को बैरसिया लौट रहे थे।

राजधानी में पांच साल की बच्ची से हैवानियत, आरोपी गिरफ्तार

भोपाल ■ अमृत दर्शन

मध्य प्रदेश की राजधानी भोपाल में एक बार फिर पांच साल की मासूम दरिंदगी का शिकार बनी है। जहां एक युवक ने पैकेज्ड मैंगो जूस खरीदने के पैसे देने का लालच देकर दुष्कर्म की वारदात को अंजाम दिया। मामला अवधपुरी थाना इलाके का है। पुलिस ने मामला दर्ज कर आरोपी युवक को गिरफ्तार कर लिया है।

फ्रूटी का दिया लालच

जानकारी के मुताबिक राजधानी के अवधपुरी इलाके की रहने वाली एक 5 साल की बच्ची पर उसके पड़ोस में रहने वाले एक युवक की बुरी नजर थी। मौका पाकर उसने बच्ची को बहलाने के लिए पहले तो फ्रूटी का लालच दिया। इसके लिए उसे 100 रुपए दिए। बच्ची जब फ्रूटी लेकर पहुंची तो उसे बहलाकर अंडर कंस्ट्रक्शन मकान में ले गया फिर मासूम के साथ रेप करने लगा।

इससे पहले भी आ चुके है ऐसे मामले : दरअसल बच्ची से रेप का यह पहला मामला नहीं है। भोपाल में इस तरह के कई मामले सामने आ चुके हैं। इस घटना के बाद एक बार फिर से मासूम बच्चियों की सुरक्षा पर सवाल खड़े हो गए हैं। बच्चियों के परिजनों में भी भय का माहौल बन गया है।

बच्ची की चीख सुनकर दौड़े माता-पिता

इधर बच्ची के चीखने और रोने की आवाज सुनकर मासूम के माता पिता जब दौड़कर आए तो उनके पैरों तले जमीन खिसक गई। इन्हें देखते ही आरोपी युवक भाग खड़ा हुआ। परिजनों ने तुरंत इसकी सूचना पुलिस को दी। घटना की सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची। आरोपी युवक को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है।

राम जन्म उत्सव कार्यक्रम में सुंदरकांड पाठ का आयोजन

भोपाल। आज विश्व हिन्दू परिषद बजरंग दल जिला वीर सावरकर के शंकराचार्य प्रखंड में राम जन्म उत्सव कार्यक्रम के तृतीय दिवस पर भव्य सुंदरकांड पाठ का आयोजन किया गया। भोपाल रेलवे स्टेशन पर प्रांत संगठन मंत्री सुरेंद्र सिंह ने नि:शुल्क पेयजल सेवा का उद्घाटन किया। इस अवसर पर मुख्य रूप से उपस्थित प्रांत संगठन मंत्री सुरेंद्र सिंह, विभाग मंत्री जीवन शर्मा, विभाग सह मंत्री हरिओम शर्मा, जिला मंत्री नितिन साहू, जिला प्रचार प्रसार प्रमुख विजेंद्र सिंह परिहार, प्रखंड अध्यक्ष सबरजीत सिंह, प्रखंड मंत्री नरेंद्र विश्वकर्मा, प्रखंड संयोजक मनीष सैनी, प्रखंड प्रचार प्रसार प्रमुख संजय धार्मिक, प्रखंड सह बल उपासना प्रमुख पुनित मिश्रा, प्रखंड सुरक्षा प्रमुख अमन सैनी, प्रखंड सत्संग प्रमुख प्रहलाद धाकड़, प्रखंड से दीपक नाथ, चिंटू राय, सोनू ठाकुर, मोनू ठाकुर, एवं सामाजिक बंधु उपस्थित रहे।

अग्रवाल समाज की विशाल चुनरी यात्रा 4 अप्रैल को निकाली जाएगी

देवी मां को मनाएंगे, लाल चुनरी चढ़ाएंगे

भोपाल ■ अमृत दर्शन

मध्य प्रदेश अग्रवाल महिला महासभा एवं संस्कार सुधा फाउंडेशन की महिला प्रदेश अध्यक्ष डॉ. रश्मि अग्रवाल (सोनू दीदी) ने बताया कि पूर्व वर्ष की भांति इस वर्ष भी चैत्र नवरात्र में विशाल चुनरी यात्रा का आयोजन किया जा रहा है। यात्रा में बड़ी संख्या में माताएं-बहनें शामिल होती हैं और मां से अपनी मुरादें पूरी करने की अर्जी लगाती है। उन्होंने बताया कि विशाल चुनरी यात्रा का आयोजन शुक्रवार, 4 अप्रैल को सायं-4 बजे राजराजेश्वरी मां कैला देवी मंदिर, कमला पार्क से प्रारंभ होकर कर्फ्यू वाली माता मंदिर, भवानी चौक, सोमवारा के लिए प्रस्थान करेगी।

डॉ. रश्मि अग्रवाल (सोनू दीदी) ने बताया कि इस बार चुनरी यात्रा में बाबा बटेश्वर मंदिर की डमरू पार्टी एवं संस्कार सुधा फाउंडेशन द्वारा संचालित भगत सिंह व्यायाम शाला का अखाड़ा आकर्षण का केंद्र रहेगा। साथ ही चुनरी यात्रा में महापौर मालती राय, मध्यप्रदेश अग्रवाल महासभा के प्रदेश अध्यक्ष कैलाश मित्तल, अंतराष्ट्रीय वैश्य महासम्मेलन के प्रदेश अध्यक्ष गोविंद गोयल एवं मुकेश गोयल सहित अग्रवाल समाज की महिलाएं एवं वरिष्ठजन उपस्थित रहेंगे। मध्यप्रदेश अग्रवाल महासभा के प्रदेश अध्यक्ष कैलाश मित्तल एवं मुकेश गोयल ने सभी धर्म प्रेमी बंधुओं से विशाल चुनरी यात्रा में शामिल होकर माता रानी का आशीर्वाद एवं प्रसाद ग्रहण कर चुनरी यात्रा को सफल बनाने का आग्रह भी किया है।

अग्रसेन महाराज की 13वीं महाआरती 6 अप्रैल को

अग्रकुल प्रवर्तक एवं अग्रवाल समाज के आराध्य देव अग्रसेन महाराज और कुलदेवी माँ लक्ष्मी की माह के प्रथम रविवार को महाआरती करने का जो संकल्प लिया गया था, जिसका क्रम निरंतर जारी है। अब तक बारह महाआरती सम्पन्न हो चुकी है। अगली महाआरती रविवार, 6 अप्रैल सायं 6 बजे अग्रसेन महाराज की प्रतिमा के समक्ष, आईटीसी पार्क, कमला पार्क के सामने, भोपाल में आयोजित होगी। नितिन गुप्ता एवं विनीत अग्रवाल ने बताया कि इस बार महाआरती की जजमानी डॉ. श्रद्धा अग्रवाल - डॉ. अतुल अग्रवाल (बीईएलएस हॉस्पिटल, बावड़ियां कला, भोपाल) द्वारा की जा रही है। सभी अग्रबंधुओ से आग्रह है कि सपरिवार महाआरती में शामिल होकर प्रसाद अवश्य ग्रहण करें।

वक्फ बिल के समर्थन में मुस्लिम समाज, सड़क पर लहराए शुक्रिया मोदी के पोस्टर, की आतिशबाजी

भोपाल ■ अमृत दर्शन

लोकसभा में आज वक्फ बिल पेश किया जा रहा है। इस बिल को लेकर मुस्लिम समाज में उत्साह का माहौल है। इसका एक नजारा मध्य प्रदेश की राजधानी भोपाल में देखने को मिला। यहां हताई खेड़ा डैम के पास आनंदपुरा कोकता के मुस्लिम समाज के लोग हाथों में पोस्टर और फूल लेकर प्रधानमंत्री मोदी का शुक्रिया अदा करते नजर आए है।

खा़स बात यह है कि मुस्लिम समाज की महिलाओं ने भी इस बिल का समर्थन किया और हाथों में पोस्टर और फूल लेकर पीएम मोदी को ध्यानवाद दिया। मुस्लिम समाज की खुशी का अंदाजा इस बात से ही लगाया जा सकता है कि यहां लोग जमकर ढोल बजाकर आतिशबाजी भी कर रहे हैं। वक्फ बोर्डबिल के संसद में पेश होने पर अलग-अलग तरीके से मुस्लिम समाज के लोग प्रधानमंत्री मोदी का आभार जताते नजर आ रहे हैं।

ढोल बाजे के साथ जमकर की आतिशबाजी

वक्फ बिल में क्या बदलाव

इसमें वक्फ बोर्ड में गैर-मुस्लिम और महिला सदस्यों को शामिल करना, कलेक्टर को संपत्ति सर्वे का अधिकार देना, और वक्फ ट्रिब्यूनल के फैसलों को हाईकोर्ट में चुनौती देने का प्रावधान शामिल है।

प्रकाशक ,मुद्रक एवं स्वामी डी.पी. गोयल द्वारा सुख सागर,6 पत्रकार नगर, कोलार रोड, भोपाल से प्रकाशित तथा श्री बालाजी प्रिन्टर्स, 21- एच. इंडस्ट्रीयल एरिया, गोविन्दपुरा, भोपाल-462023 (म.प्र.) से मुद्रित। फोनः 4240007 फैक्स 0755-4296195 , आर.एन.आई नं. 50259/90 डाक पंजीयन नं. म.प्र./भोपाल/86/24-26 न्यायिक क्षेत्र भोपाल होगा।प्रधान संपादकः डी.पी.गोयल ।मोबाईल नं. 9827054436 ।